# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com    रायपुर, रविवार 20 जुलाई 2025


# विष्णु, रमन और बैस समेत दो दर्जन नेताओं ने साझा किए मोदी के साथ काम करने के अनुभव

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

खास खबर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलग-अलग भूमिकाओं में कार्य करने वाले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, डिप्टी सीएम अरुण साव, पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व राज्यपाल रमेश बैस सहित करीब दो दर्जन नेताओं ने अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर दिल्ली से यहां पहुंची टीम ने सबके अनुभवों की वीडियो रिकॉर्डिंग की है। पूरे देश के राज्यों में जिन भी नेताओं ने प्रधानमंत्री के साथ काम किया है, उनके अनुभवों को रिकॉर्ड किया जा रहा है। प्रदेश भर के कई नेताओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अलग-अलग रूप में काम करने का मौका मिला है। बड़ी संख्या में छत्तीसगढ़ के नेताओं ने लंबे समय तक श्री मोदी के साथ काम किया है, लेकिन इन नेताओं में से करीब दो दर्जन नेताओं के नामों का चयन उनके साथ किए गए कामों के अनुभवों को साझा करने के लिए किया गया।

### सुबह मिला नया रायपुर पहुंचने का निर्देश

पिछले कुछ दिनों से यह चर्चा चल रही थी कि श्री मोदी के साथ काम करने वालों को 19 जुलाई शनिवार को एक स्थान पर एकत्रित होना है। इसके लिए प्रदेश भाजपा संगठन को जिम्मा दिया गया था। प्रदेश भाजपा संगठन के एक जिम्मेदार पदाधिकारी ने इन नेताओं को फोन करके जानकारी दी कि उनको शनिवार को 11 बजे के बाद का पूरा समय रिजर्व रखना है। इन नेताओं को स्थान के बारे में शनिवार की सुबह ही जानकारी दी गई और सबको नया रायपुर के नए विश्राम गृह पहुंचने का निर्देश दिया गया।

### दिल्ली से पहुंची टीम ने की वीडियो रिकॉर्डिंग

### इन नेताओं ने किए अनुभव साझा

*नया रायपुर के विश्राम गृह में सुबह 11 बजे से ही भाजपा नेताओं के पहुंचने का सिलसिला प्रारंभ हुआ। यहां पर दिल्ली से पहुंची एक टीम भी थी जिसको नेताओं के अनुभव की वीडियो रिकॉर्डिंग करने के लिए भेजा गया था। यहां पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, डिप्टी सीएम अरुण साव, प्रदेश के मंत्री केदार कश्यप, पूर्व राज्यपाल और पूर्व केंद्रीय मंत्री रमेश बैस के अलावा, विधायक धरमलाल कौशिक, अमर अग्रवाल, राजेश मूणत, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, पूर्व सांसद अशोक शर्मा, चंद्रशेखर साहू, पूर्व विधायक देवजी भाई पटेल, वरिष्ठ भाजपा नेता सच्चिदानंद उपासने सहित वे नेता पहुंचे जिनको बुलाया गया था। सभी ने एक-एक करके श्री मोदी के साथ अपने अनुभव साझा किए। इन सबकी रिकॉर्डिंग की गई है। इस अवसर पर भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल और प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय भी उपस्थित थे।*

## सेंट्रल कमेटी मेंबर को माड़ में सुरक्षित लाने ले जाने वाली प्लाटून का सफाया

# एनकाउंटर में मारे गए कमांडर समेत 6 नक्सलियों पर था 48 लाख का ईनाम

हरिभूमि न्यूज ▸▸| जगदलपुर

हरिभूमि फॉलोअप

पीएलजीए प्लाटून क्रमांक 1 के कमांडर और डिविजनल कमेटी स्तर के माओवादी राहुल पुनेम की मुठभेड़ में मारे जाने को अबूझमाड़ क्षेत्र में माओवादियों व नक्सल संगठन के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। आईजी सुंदरराज पट्टलिंगम ने बताया कि शुक्रवार से चल रही भीषण मुठभेड़ में मारे गए सभी नक्सलियों के शव के अलावा अत्याधुनिक हथियार व विस्फोटक बरामद किए गए हैं। सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच परिया-काकुर के घने जंगलों में हुई मुठभेड़ के बाद कुल 6 माओवादी के शव बरामद किए गए हैं। जिनमें पीएलजीए प्लाटून क्रमांक 1 की 4 महिला कैडर भी शामिल है। वहीं, इस प्लाटून के कमाण्डर व डिविजनल कमेटी स्तर के माओवादी राहुल पुनेम का मुठभेड़ में मारे जाने को अबूझमाड़ क्षेत्र में माओवादियों के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। यह प्लाटून का काम वरिष्ठ माओवादी नेताओं के सुरक्षित ▸▸| शेष पेज 7 पर

नारायणपुर जिले के परिया-काकुर के जंगल में पिछले 48 घंटे से जारी मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने चार महिला समेत छह नक्सलियों को ढेर करने में सफलता मिली। मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों में पीएलजीए बटालियन नंबर एक के कमांडर व सदस्य शामिल हैं, जिनके जिम्मे केंद्रीय कमेटी समेत शीर्ष नक्सलियों को माड़ में सुरक्षित लाने व ले जाने की जिम्मेदारी थी। इस पूरी टीम का सफाया कर दिया गया है। इन सभी पर 8-8 लाख रुपए का ईनाम घोषित था।

### माओवादियों के खिलाफ सशक्त अभियान जारी

#### निर्णायक चरण में पहुंची लड़ाई

एसपी ने बताया कि बस्तर से नक्सलवाद को समाप्त करने के निर्णायक चरण में हम प्रवेश कर चुके हैं। जो लोग इसकी खोखली विचारधारा से भ्रमित हैं और विकास की राह में बाधा बन रहे हैं, उन्हें आत्मसमर्पण कर सम्मानपूर्वक जीवन अपनाना चाहिए अन्यथा उन्हें इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। डीआईजी कांकेर रेंज अमित तुकाराम कांबले तथा बीएसएफ डीआईजी पीके दुबे ने कहा कि सुरक्षा बलों के निरंतर दबाव के चलते अबूझमाड़ में माओवादियों का आधार कमजोर हो चुका है और क्षेत्र अब समावेशी विकास की दिशा में बढ़ रहा है।

#### चार जिले की डीआरजी, एसटीएफ व बीएसएफ की तीन बटालियन

आईजी समेत एसपी नारायणपुर रॉबिनसन गुरिया तथा बीएसएफ, एसडीएफ व डीआरजी के वरिष्ठ अधिकारियों ने संयुक्त प्रेसवार्ता में मारे गए माओवादियों व बरामद हथियारों की जानकारी देते हुए बताया कि मानसून जैसी ▸▸| शेष पेज 7 पर

#### 7 माह में 204 ढेर

पूरे बस्तर संभाग में प्रतिबंधित व अवैध माओवादी संगठन के विरुद्ध एक सशक्त अभियान जारी है। वर्ष 2025 के शुरूआती सात माह में ही 204 माओवादी विभिन्न मुठभेड़ में मारे गए हैं। मानसून जैसी विषम परिस्थिति में ▸▸| शेष पेज 7 पर

#### माड़ मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों में यह शामिल

*माड़ में मारे गए सभी नक्सलियों पर 8-8 लाख रुपए का ईनाम घोषित था। इनमें डीवीसीएम कमाण्डर व पीएलजीए प्लाटून नम्बर एक मेंबर राहुल पुनेम उर्फ लच्छू पुनेम (38), निवासी ग्राम डल्ला जिला सुकमा के अलावा पीएम मेंबर उंगी टाटी (24), निवासी सुरपनागुड़ा, थाना जगरगुंडा, मनीषा (25), निवासी ग्राम वाला थाना सोनपुर, जिला नारायणपुर, टाटी मीना उर्फ सोमरी उर्फ छोटी (22), निवासी ग्राम टोडका थाना गंगालूर जिला बीजापुर, हरीश उर्फ कोसा (25), निवासी ग्राम कमलापुरम थाना पामेड़ जिला बीजापुर तथा कुड़ाम बुधरी (21), निवासी ग्राम मालसकट्टा थाना धनोरा जिला नारायणपुर शामिल है।*

## खबर संक्षेप

### बूढ़ा अमरनाथ यात्रा 28 से होगी शुरू

**जम्मू।** जम्मू कश्मीर सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने पुंछ जिले में

आगामी 13 दिवसीय बूढ़ा अमरनाथ तीर्थयात्रा के सुचारू संचालन के लिए व्यवस्थाओं की समीक्षा की। पुंछ में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया। पहला जत्था 28 जुलाई को जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से रवाना होगा।

### बस डिवाइडर से टकराई 12 महिला जवान घायल

**मुजफ्फरनगर।** उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में जानसठ रोड पर शुक्रवार को आरएएफ के जवानों को लेकर जा रही बस एक डिवाइडर से टकरा गई। इसमें 12 महिला जवान और एक कांस्टेबल ड्राइवर घायल हो गया। घायल जवानों की पहचान सीमा, सुशीला, मोनी, संगीता, अनिता, निधि, संतोष, रेखा, कृष्णा, पुष्पा, ऊषा, रेखा और ड्राइवर मुन्नीलाल के रूप में हुई है। उन्हें मुजफ्फरनगर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। वाहन चालक की बांई टांग की हड्डी टूट गई है।

### न्यायमूर्ति विभु ने ली मुख्य न्यायाधीश की शपथ

**बेंगलुरु।** न्यायमूर्ति विभु बाखरू ने शनिवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के

रूप में शपथ ली। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने यहां राजभवन के ग्लास हाउस में आयोजित एक समारोह में न्यायमूर्ति विभु बाखरू को पद की शपथ दिलाई। इससे पहले न्यायमूर्ति बाखरू (59) दिल्ली उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में सेवाएं दे चुके हैं।

### कार ने सो रही महिलाओं को कुचला, एक की मौत

**प्रयागराज।** उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में तेज रफ्तार एक कार ने फ्लाईओवर के नीचे सो रही तीन महिलाओं को कुचल दिया। सिविल लाइंस थानाक्षेत्र में आंबेडकर चौराहे के पास हुई इस दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गई जबकि दो अन्य महिलाएं घायल हो गईं। घायल महिलाओं को एसआरएन में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान एक महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान चमोली देवी (65) के रूप में हुई है। सिंह ने बताया कि चालक कार छोड़कर मौके से फरार हो गया और उसे गिरफ्तार करने के लिए दो टीमों का गठन किया गया है।

## अवैध सट्टा मामला

# ईडी ने मेटा और गूगल के अफसरों को किया तलब

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय ने कई अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म के खिलाफ धनशोधन के आरोपों की जारी जांच के तहत प्रौद्योगिकी कंपनी मेटा और गूगल के प्रतिनिधियों को तलब किया है। सूत्रों बताया कि अधिकारियों को 21 जुलाई को यहां एजेंसी के समक्ष पेश होने और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अपने बयान दर्ज कराने को कहा गया है। दोनों कंपनियों की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। संघीय एजेंसी अवैध सट्टेबाजी और जुए के लिंक साझा करने ▸▸| शेष पेज 7 पर

### इन पर हुई थी कार्रवाई

पिछले हफ्ते, ईडी ने तेलुगु राज्यों में 29 मशहूर हस्तियों के खिलाफ कार्रवाई की। इनमें अभिनेता विजय देवरकोंडा, राणा दग्गुबाती, प्रकाश राज, निधि अग्रवाल, प्रणिता सुभाष, मंचू लक्ष्मी और अनन्या नगेला शामिल हैं। इसके अलावा, टीवी कलाकार, होस्ट और सोशल मीडिया प्रभावशाली व्यक्तियों जैसे श्रीमुखी, श्यामला, वर्षिणी सौंदर्यराजन, वसंती कृष्णन, शोभा शेट्टी, अमृता चौधरी, नयनी पावनी, नेहा पठान, पांडु, पद्मावती, हर्षा साय और बय्या सनी यादव के नाम भी जांच में हैं।

### जांच के दायरे में अभिनेता-खिलाड़ी

इन मामलों में कुछ अभिनेता, मशहूर हस्तियां और खिलाड़ी भी ईडी की जांच के दायरे में हैं और उन्हें भी जल्द ही तलब किए जाने की उम्मीद है। ईडी ने कहा है कि अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुआ प्लेटफॉर्म निर्दोष लोगों से उनकी मेहनत की कमाई को ठग रहे हैं और करोड़ों रुपये का धनशोधन करने के साथ कर चोरी भी कर रहे हैं।

## घायलों का जिला अस्पताल में चल रहा इलाज

# पुल से टकराई कार, चार युवक जिंदा जले, दो गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कांकेर

राष्ट्रीय राजमार्ग 43 पर कार क्रमांक सीजी 04 पीजे 7460 के तेज गति होने से कुलगांव के पास पुल से टकरा गई। पुल से टकराने के बाद कार में आग लग गई। कार में सवार 6 युवकों में से 4 कार से बाहर नहीं निकल पाए और कार में ही जलकर खाक हो गए। वहीं 2 युवक जैसे-तैसे कार के टकराते ही बाहर निकल गए, जिनकी जान बच गई और उनका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।

जानकारी के अनुसार कांकेर पुलिस को लगभग 1.30 बजे एक्सीडेंट की खबर मिली और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। आग के भयानक रूप को देखकर कार के पास जाने की किसी की हिम्मत नहीं हुई। फायर ब्रिगेड के आने के बाद जल रही कार को बुझाने में सफल रहे, तब तक कार में केवल कंकाल नजर आ रहे थे। वहीं घायल मिले ▸▸| शेष पेज 7 पर

### चाय पीकर निकले थे, चालक ने खो दिया था नियंत्रण

प्राथमिक इलाज के बाद घायल युवकों से पूछताछ पर पता चला कि मुरूवेंड ढाबा में चाय पीकर निकले थे। वाहन चालक युवराज को छोड़ने के लिए कांकेर आ रहे थे। कार को युवराज चला रहा था, गाड़ी की स्पीड अधिक होने से निर्माणाधीन पुलिया के पास चालक ने कार से नियंत्रण खो दिया। कार पुराने पुल के किनारे से टकराई और अचानक आग लग गई। वे किनारे बैठे होने के कारण गेट खोलकर उतरते, तब तक भयानक आग लग गई। घायल युवकों ने बताया कि कुछ ही सेकंड में यह हादसा हो गया।

### इनकी हो गई मौत

- कार चालक युवराज शोरी पिता दानवीर सोरी (24), निवासी- बाड़ाटोला, चौकी हल्बा, जिला कांकेर
- हेमंत शोरी पिता नरेश (20), निवासी- सिंघनपुर, थाना केशकाल, जिला कोंडागांव
- सूरज उइके पिता मायाराम उईके (19), निवासी- ढोढरेपाल थाना केशकाल, जिला कोंडागांव
- दीपक मरावी पिता असादू राम मरावी (19), निवासी- ढोढरेपाल थाना केशकाल, जिला कोंडागांव

### अस्पताल में भर्ती घायल युवक

- प्रीतम नेताम पिता किशन नेताम (21), निवासी- ढोढरेपाल थाना केशकाल, जिला कोंडागांव
- पृथ्वीराज सलाम पिता मेघराज सलाम (19), निवासी, ढोढरेपाल थाना केशकाल, जिला कोंडागांव

## दोबारा याचिका पर नाराजगी

# याचिकाकर्ता पर कोर्ट ने लगाया 25 हजार जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▸▸| बिलासपुर

हाईकोर्ट ने दवा कंपनी डिवाइन लेबोरटरीज द्वारा दाखिल याचिका को वापस लेने की अनुमति तो दे दी, लेकिन याचिकाकर्ता की लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। राशि जशपुर के शासकीय दृष्टिबाधित बालक-बालिका विद्यालय को देने के निर्देश दिए गए हैं। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ता ने बार-बार दोषपूर्ण याचिका लगाकर कोर्ट का बेशकीमती समय बर्बाद किया। राज्य सरकार ने हेपरिन सोडियम ▸▸| शेष पेज 7 पर

### दूसरी बार संशोधित याचिका

सुनवाई के दौरान पता चला कि इस संबंध में याचिका पहले भी खारिज की जा चुकी थी। दूसरी बार संशोधित याचिका लगाई गई है। राज्य सरकार की तरफ से आपत्ति उठाई गई कि याचिका में आधार वही रखे गए हैं जो पहले से खारिज याचिका में थे। कंपनी ने सिर्फ प्रार्थना बदलकर दोबारा वही मामला उठाया है।

# कांवड़ियों ने जवान को पीटा, मारे लात-घूंसे

एजेंसी ▸▸| मिर्जापुर

रेलवे स्टेशन पर ब्रह्मपुत्र एक्सप्रेस पकड़ने आए सीआरपीएफ जवान की टिकट को लेकर कांवड़ियों से कहासुनी हो गई, जो मारपीट में बदल गई। कांवड़ियों ने जवान को फर्श पर लिटाकर लात-घूंसे मारे। सूचना पर पहुंची रेलवे पुलिस ने 7 कांवड़ियों को हिरासत में लेकर मुकदमा दर्ज किया। हालांकि, सभी आरोपियों को तुरंत ही जमानत मिल गई।

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर रेलवे स्टेशन पर शनिवार को उस समय हंगामा मच गया, जब कांवड़ यात्रा पर निकले कुछ युवकों ने एक सीआरपीएफ जवान को बेरहमी से पीट दिया। घटना उस वक्त हुई जब जवान ब्रह्मपुत्र एक्सप्रेस पकड़ने के लिए टिकट ले रहा था। इसी दौरान उसकी कुछ कांवड़ियों से कहासुनी हो गई, जो बाद में हिंसा में बदल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विवाद बढ़ने ▸▸| शेष पेज 7 पर

### वायरल हुआ वीडियो

पिटाई करने का वीडियो तेजी से वायरल होने लगा। वीडियो वायरल होने पर आरपीएफ और जीआरपी ने छानबीन शुरू किया। आरपीएफ ने मारपीट करने वाले सात कांवड़ियों को गिरफ्तार कर लिया। इसमें चार नाबालिग हैं। सीआरपीएफ जवान तहरीर देकर ब्रह्मपुत्र एक्सप्रेस से मणिपुर के लिए रवाना हो गए। विवाद का कारण स्पष्ट नहीं है। टिकट लेने और गांजा मांगने को लेकर विवाद होने की चर्चा स्टेशन पर है।

### आरोपियों में चार नाबालिग

*आरपीएफ प्रभारी चमन सिंह तोमर ने बताया कि सीआरपीएफ जवान से कांवड़ियों ने विवाद किया। सात कांवड़ियों को पकड़ा गया। इसमें चार नाबालिग हैं। सभी आरोपी शहर कोतवाली क्षेत्र के हैं। बालिग आरोपी सत्यम, अभिषेक साहू निवासी फतहां कोतवाली शहर और अभय तिवारी कजरहवा पोखरा निवासी है। जिनका चालान किया गया।*

## टीआई पति की मौत के बाद पत्नी ने लड़ी लड़ाई

# एक हजार की रिश्वत का मामला, 26 साल चला केस

हरिभूमि न्यूज ▸▸| बिलासपुर

महासमुंद जिले में रिश्वत लेने के आरोप में फंसे एक थानेदार की केस लड़ते-लड़ते मौत हो गई।

- हाईकोर्ट ने रिश्वत लेने के आरोप में सुनाई गई सजा रद्द की

अब करीब 26 साल की लंबी कानूनी लड़ाई के बाद दिवंगत थाना प्रभारी को हाईकोर्ट से राहत मिली है। जस्टिस संजय अग्रवाल ने ट्रायल कोर्ट की सजा को निरस्त कर दिया है। कोर्ट ने माना है कि, जिस रिश्वत की मांग की बात की गई, उसका कोई औचित्य नहीं बनता, क्योंकि शिकायतकर्ता और उसके परिजन को पहले ही जमानत पर रिहा कर

दिया गया था, फिर दो दिन बाद उसी जमानत की एवज में पैसे की मांग करने का आरोप असंभव लगता है। मामला महासमुंद के बसना थाना क्षेत्र का है। दरअसल, 8 अप्रैल 1990 में ग्राम थुरीकोना निवासी जैतराम साहू ने सहनी राम, नकुल और भीमलाल साहू ▸▸| शेष पेज 7 पर

### 3 साल कैद और 2 हजार रुपए जुर्माना

लोकायुक्त ने साल 1999 में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 और 13(1)(D) के साथ धारा 13(2) के तहत चालान पेश किया। इस पर कोर्ट ने थाना प्रभारी को दोषी ठहराते हुए 3 साल कैद और 2 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ शेंडे ने हाईकोर्ट में अपील की थी। अपील लंबित रहते ही उनकी मौत हो गई। इसके बाद उनकी पत्नी ने अपने पति का केस लड़ा। हाईकोर्ट ने दस्तावेजों और गवाहों के बयानों के आधार पर पाया कि जिस रिश्वत की मांग की बात ▸▸| शेष पेज 7 पर

### ट्रैप की परिस्थितियों को संदेहास्पद माना

मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की तरफ से कोट को बताया गया कि, शिकायत करने वाले भीमलाल साहू ने भी मामले में दूसरे पक्ष के खिलाफ शिकायत की थी। जिस पर कार्रवाई नहीं होने के कारण वो थाना प्रभारी शेंडे से नाराज था। तर्कों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने ऐसे में ट्रैप की परिस्थितियों को संदेहास्पद माना। कोर्ट ने माना कि अभियोजन पक्ष रिश्वत की मांग साबित करने में असफल रहा और ट्रैप में जब्त राशि का कोई वैधानिक आधार नहीं था।

# Shri Shankaracharya Professional University, Bhilai

## Shri Shankaracharya Technical Campus, Bhilai

## SSPU Introduces LAW

| | |
|---|---|
| Law | LLB \| B.A. LLB \| B.Com. LLB |
| Computer & IT Engineering | B.Tech(Hons.) \| AIML & IoT \| Cyber Security & IoT \| M.Tech |
| Computer Application | BCA \| MCA \| DCA \| PGDCA |
| Management & Commerce | BBA / MBA \| MBA(part time) \| B.Com \| B.Com(Hons.) \| M.Com |
| Pharmacy | D. Pharma \| B. Pharma \| M. Pharma |
| Education | Diploma(Nursery Teacher Training) \| M.A. (Edu.) |
| Science & Life Science | B.Sc.(Bio-Technology, Microbiology, Biology, Maths, Computer Science) \| B.Sc.(Hons.) M.Sc.(Botany, Zoology, Micro-Biology, Bio-Technology, Physics, Chemistry, Maths, Comp. Science) |
| Physical Education | B.P.E.S. \| P.G.D.(Yoga) |
| Arts & Social Science | B.A.J.M.C. \| M.A.J.M.C. \| B.J./M.J. \| B.A. / M.A. \| B.Lib.I.Sc. \| M.Lib.I.Sc. MSW |
| Ph.D. Programs | • Journalism & Mass Communication • Physics • Chemistry • Life Science(Botany, Zoology, Bio-Tech, Bio-Chemistry, Micro-Biology) • Mathematics • Hindi • English • Commerce • Management • Pharmacy • Engineering* |

Certification Courses

*Proposed

## Shri Shankaracharya Technical Campus

### B Tech ( BE111) Courses Approved by AICTE

- Computer Science & Engineering
- Computer Science & Engineering ( AI & ML )
- Computer Science & Engineering ( Data Science )
- Computer Science & Engineering ( Cyber Security )
- Civil Engineering
- Electrical Engineering
- Mechanical Engineering
- Electronics and Telecommunication Engineering

BBA | MBA (MBA120) | M Tech(ME111)

BCA | MCA (MCA109) | Ph.D

B Tech Lateral Entry (BL111)

## From Bhilai to the World's Top Companies

Rajnandani
Software Development Engineer Intern
amazon
Batch 2027

26 YEARS OF EXCELLENCE

Priya Bisen
Software Engineer Intern
amazon
Batch 2025

- Batch 2003 — Saurabh Bhatnagar, ICT Director, London — King's College London
- Batch 2004 — Abhinav Kumar, Vice President India Centre — The Barclays Technology
- Batch 2004 — Saurabh Mishra, Field CTO, Data & Generative AI COE — Oracle
- Batch 2004 — Saurabh Shrivastava, WW Head of specialist solutions architechture, Seattle, USA — aws
- Batch 2004 — Sanket Bhasin, Principal Technology Strategist, CTO Org — Crowdstrike
- Batch 2005 — Yugal Sahu, Principal SoC Engineer USA — Apple
- Batch 2006 — Vikash Srivastava, Oil and gas specialist Kuwait — Kuwait Oil Company
- Batch 2008 — Sudip Chanda, Technical Manager - Training & Dev. Virginia Transformer Corp, Lynchburg, USA
- Batch 2008 — Piyush Pusatkar, Data Engineer, USA — amazon

## Alumni Speaks

**EEE - 2012**
### Anirudh kashyap
**Forest Range Officer,CG forest & Climate Change dpt., Govt. of Chhattisgarh**

After SSCET, I completed M.Tech and began civil services preparation, clearing mains. Before my current job, I worked as a sub engineer, revenue inspector, and in the PRD department. College life was the best—supportive faculty, inclusive culture, and motivating environment helped me realize my potential and grow confidently.

**MCA 2016**
### Gaurav Singh
**Senior Software Engineer, Goldman Sachs**

My MCA journey at SSCET was guided by supportive teachers and hands-on learning. I mastered computer technologies and built practical skills through live projects. Post graduation, I moved to Bangalore, focused on competitive programming and hackathons, which sharpened my skills and helped me land a job at a top organization.

**IT - 2022**
### Muskaan Gupta
**Capgemini Technologies & Services**

I began college unsure and average, facing academic struggles. Support from faculty, especially during COVID and placements, shaped my journey. I focused on core IT skills like DSA, SQL, programming, aptitude, and pseudocode. Believe in yourself, trust your mentors, and never lose focus on learning.

**CSE - 2023**
### Khushi Gupta
**ML research and R&D Dept., Sprinklr**

As an alumni of SSTC Bhilai, my journey blended academics with leadership, community service, & cultural experiences. I explored engineering concepts, worked on innovative projects, & grew holistically. SSTC was more than a college—it was where I developed skills, built lasting bonds, and discovered my true self.

**ETNT 2023**
### Sanket Mudholkar
**Programmer analyst trainee, Salesforce developer, Cognizant Tech.**

With support from peers and professors, I embraced academic and extracurricular challenges. The strong curriculum sharpened my thinking and leadership, preparing me for my career. College inspired lifelong learning and a drive to make an impact. I'm truly grateful for the foundation it gave my professional journey.

## Academic Alliances

Google Developers | Bentley Education | zscaler | UiPath Academic Alliance | celonis | Microchip Academic Program | alteryx SparkED | ssbc blueprism | Fortinet | paloalto | Juniper Cloud & Automation Academy | aws academy | nasscom | Infosys Springboard | EC-Council | Tata STRIVE | Microsoft | IIT Bhilai

## Our Top Recruiters

amazon | JSW | JUSPAY | tcs Tata Consultancy Services | Capgemini | cognizant | Deloitte. | IBM | Tata Electronics | Tata Steel | ITC Limited | Infosys | One Banc | Hexaware | Tech Mahindra | HDFC Bank | awakose | JKcement | UltraTech Cement | jaro education | amicus | HCL | HSBC | Polycab | SISCOL | ESAF Small Finance Bank | Elevation | apollo tyres | ICICI Prudential | wipro | accenture | Stratview Research | indiamart | Collabera | Astral Pipes | Techment | IndusInd Bank | Bandhan Bank | Larsen & Toubro | M

### Affiliation and Accreditation of SSPU

### Affiliation and Accreditation of SSTC

IEEE

## Placements in 2024-25

| | |
|---|---|
| 630+ | Placements |
| 215+ | Internships |
| 130+ | Recruiting companies |
| 15LPA | Highest Package |
| 50k | Highest stipend |
| 5.75LPA | Average package |

For Admissions Call 6232010132 | Junwani Road, Bhilai, C.G., India | For Admissions Call 9039551113

1800 547 1065 | 0788 4088810/11 shrishankaracharyauniversity.com

1800 547 1064 | 0788 4088888 sstc.ac.in admission@sstc.ac.in

रायपुर
रविवार, 20 जुलाई 2025
श्रावण कृष्ण पक्ष दशमी
वर्ष : 24, अंक : 4
पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य : 5.00**

**मौसम**
अधि. 34.4
न्यून. 26.8

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

*जिन-जिन जिलों में डुप्लिकेट आधार वाले राशन कार्ड मिले हैं उनकी जांच चल रही*

# प्रदेश में 86200 राशन कार्ड संदेह के दायरे में, डुप्लिकेट आधार से बने, ईकेवाईसी के बाद सामने आए आंकड़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

**खास खबर**

छत्तीसगढ़ में 82 हजार 2 सौ राशन कार्ड संदेह के दायरे में हैं। इन राशन कार्डों को डुप्लिकेट आधार से बनवाया गया है। वन नेशन वन कार्ड योजना के तहत राशन कार्ड के प्रत्येक सदस्य का ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह चौंकाने वाले आंकड़े विभाग की रिपोर्ट में सामने आए हैं। इस रिपोर्ट के बाद ▶▶|शेष पेज 7 पर

### इनमें हजारों लोग दुकानों से हर माह उठा रहे राशन

जिन लोगों ने डुप्लिकेट आधार से राशन कार्ड बनवाए हैं, उनमें से हजारों लोग ऐसे भी होंगे जो हर महीने उचित मूल्य की दुकानों से खाद्यान्न भी उठाते होंगे। हालांकि इसका आंकड़ा अभी सामने नहीं आया है। इसकी जानकारी भौतिक सत्यापन या फिर जांच के बाद ही सामने आ पाएगी।

### दूसरी योजनाओं का भी ले रहे लाभ

आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला योजना, छात्रवृत्ति, महतारी वंदन सहित अन्य कई सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए राशन कार्ड होना अनिवार्य है। सूत्रों की मानें तो प्रदेश में डुप्लिकेट आधार से राशन कार्ड बनाए जाने के जो आंकड़े सामने आए हैं, ये सभी कार्ड पिछले पांच साल के दौरान बने हैं। यह भी संभावना है कि जिन लोगों ने ये कार्ड बनवाए हैं, उनमें ज्यादातर लोग राशन की जगह अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के उद्देश्य से बनवाए हैं।

**रायपुर-दुर्ग में सबसे ज्यादा डुप्लिकेट आधार धारक:** आंकड़ों के अनुसार डुप्लिकेट आधार से राशन कार्ड सबसे ज्यादा रायपुर जिले में हैं। यहां 17 हजार से ज्यादा इसकी संख्या है, वहीं दूसरे नंबर पर दुर्ग जिला है, जहां 8 हजार से ज्यादा कार्ड सदस्य हैं।

**एक नजर...**

### कौन से जिले में कितने डुप्लिकेट आधार धारक

| | | | |
|---|---|---|---|
| रायपुर | 17990 | कवर्धा | 1981 |
| दुर्ग | 8809 | राजनांदगांव | 3551 |
| बस्तर | 3149 | बलौदाबाजार | 1296 |
| बीजापुर | 187 | धमतरी | 506 |
| दंतेवाड़ा | 1082 | गरियाबंद | 2663 |
| कांकेर | 875 | महासमुंद | 3094 |
| कोंडागांव | 1036 | बलरामपुर | 4628 |
| नारायणपुर | 106 | जशपुर | 3764 |
| सुकमा | 588 | कोरिया | 407 |
| बिलासपुर | 2581 | सरगुजा | 4776 |
| गौपेंम | 1829 | सूरजपुर | 1617 |
| जांजगीर | 1113 | खैरागढ़-गंडई | 2426 |
| कोरबा | 3129 | मोहला-मानपुर | 717 |
| मुंगेली | 706 | सक्ती | 883 |
| रायगढ़ | 2586 | सारंगढ़-बिलाईगढ़ | 1108 |
| बालोद | 1683 | मनेंद्रगढ़-चिरमिरी | 3587 |
| बेमेतरा | 1747 | | |

### ई-केवाईसी के दौरान पता चला कार्ड में डुप्लिकेट है आधार नंबर

केंद्र सरकार ने राशन कार्ड में होने वाली गड़बड़ी, फर्जीवाड़ा और पारदर्शिता लाने के लिए वन नेशन वन योजना के तहत देशभर में राशन कार्ड के प्रत्येक सदस्य को ई-केवाईसी कराना अनिवार्य किया था। केवाईसी कराने की अंतिम तारीख 30 जून 2025 थी। इसके बाद केवाईसी की प्रक्रिया ▶▶|शेष पेज 7 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

## खबर संक्षेप

### आयरन फैक्टरी में ब्लास्ट चार मजदूरों की मौत

**हजारीबाग।** एक आयरन फैक्ट्री में शनिवार को सुबह बड़ा ब्लास्ट हुआ। इस हादसे में चार लोगों की मौत की आशंका है।

घटना की सूचना मिलने के बाद भारी भीड़ बाहर जमा हो गई लेकिन फैक्ट्री का गेट नहीं खोला गया। घटना की जानकारी पुलिस को मिली तो एक टीम पहुंची और गेट खुलवाया।

### मां की डांट से नाराज नाबालिग ने की आत्महत्या

**बलिया।** उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के एक गांव में शुक्रवार शाम को मां की डांट से नाराज होकर 12 वर्षीय एक नाबालिग लड़के ने फंदा लगाकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। सुल्तानीपुर गांव में शुक्रवार को सत्यम गोंड (12) ने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

### डॉक्टर से 15 लाख की ठगी, दो गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** साइबर धोखाधड़ी के लिए कमीशन पर कॉर्पोरेट बैंक खातों की व्यवस्था करने वाले

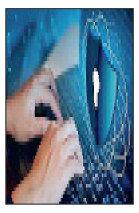

बैंक कर्मचारी को गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली के एक डॉक्टर से लगभग 15 लाख रुपए की ठगी की गई थी। आरोपी की पहचान बुद्धदेव हाजरा (31) के रूप में हुई है, जो कई बैंकों के ऋण विभागों में काम कर चुका है।

### आप विधायक अनमोल गगन ने दिया इस्तीफा

**चंडीगढ़।** आम आदमी पार्टी की नेता अनमोल गगन मान ने पंजाब विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। मान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पंजाबी में एक पोस्ट में कहा, मैंने भारी मन से राजनीति छोड़ने का फैसला कर लिया है। विधायक पद से अध्यक्ष को दिया गया मेरा इस्तीफा स्वीकार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, पार्टी के साथ मेरी शुभकामनाएं हैं। मुझे उम्मीद है कि पंजाब सरकार जनता की उम्मीदों पर खरी उतरेगी।

### एम्स में पढ़ाई कर रहा छात्र मृत मिला

**पटना।** बिहार के पटना स्थित एम्स में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहा छात्र शनिवार को छात्रावास के अपने

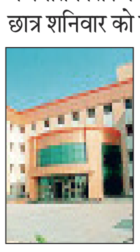

कमरे में मृत पाया गया। मृतक की पहचान ओडिशा निवासी राघवेंद्र साहू के रूप में हुई है और वह एमडी (प्रथम वर्ष) का छात्र था। पुलिस को सूचना मिली कि साहू सुबह से छात्रावास संख्या-5 में अपना कमरा नहीं खोल रहा है। उसका कमरा अंदर से बंद था।

राहुल ने प्रधानमंत्री से मांगा जवाब, भाजपा नेता ने सुना दी खरी-खरी

# ट्रंप का दावा : भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान मार गिराए गए थे 5 फाइटर जेट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली/न्यूयॉर्क/वाशिंगटन

*अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत-पाकिस्तान तनाव को लेकर बयान दिया है। इस बयान के बाद फिर से भारत में सियासी भूचाल आ गया है। व्हाइट हाउस में रिपब्लिकन सीनेटरों के लिए आयोजित डिनर के दौरान ट्रंप ने दावा किया कि उनके कार्यकाल में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य तनाव के दौरान "पांच लड़ाकू विमान" मार गिराए गए थे। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि ये जेट किस देश के थे। ट्रंप के इस दावे के बाद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री से जवाब मांगा है, इस पर भाजपा ने पलटवार करते हुए जमकर निशाना साधा है।*

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया दावा किया है कि मई में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के दौरान पांच विमान मार गिराए गए।' साथ ही उन्होंने एक बार फिर दावा किया कि दोनों देशों के बीच सैन्य टकराव उनके हस्तक्षेप के बाद समाप्त हुआ। अमेरिका के राष्ट्रपति ने यह स्पष्ट नहीं किया कि किसी एक पक्ष के विमान मार गिराए गए या फिर वह दोनों पक्षों के नुकसान की बात कर रहे थे। भारत सैन्य टकराव समाप्त कराने के ट्रंप के दावे को वस्तुतः खारिज करते हुए यह कहता रहा है कि अमेरिका की मध्यस्थता के बिना दोनों पक्षों ने अपनी सेनाओं के बीच सीधी बातचीत के बाद सैन्य कार्रवाइयां रोकीं।

ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों के लिए शुक्रवार को आयोजित रात्रिभोज के दौरान कहा, एक तरफ भारत और दूसरी ओर पाकिस्तान था। दोनों के बीच सैन्य टकराव जारी था। विमान मार गिराए जा रहे थे... चार या पांच विमान। मुझे लगता है कि वास्तव में पांच विमान मार गिराए गए थे... हालात बद से बदतर होते जा रहे थे, है ना?' उन्होंने कहा, ..दोनों के पास परमाणु हथियार हैं और वे एक-दूसरे पर हमले कर ▶▶|शेष पेज 7 पर

## व्हाइट हाउस में डिनर के दौरान ट्रंप ने किया दावा

### पहलगाम के जवाब में 'ऑपरेशन सिंदूर'

भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में पाकिस्तान में आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाते हुए सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था। पाकिस्तान में स्थित आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली थी। 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत की कार्रवाई के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमले किए। इसके बाद 10 मई को सैन्य टकराव रोकने पर सहमति बनीं। अमेरिका ने गुरुवार को टीआरएफ को एक वैश्विक आतंकवादी संगठन घोषित किया। भारत ने अमेरिका के इस फैसले का स्वागत किया है।

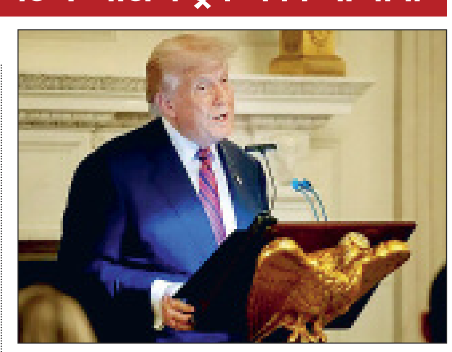

### हमने बहुत सारे युद्ध रुकवाए

ट्रंप ने कहा, मुझे इस बात पर बहुत गर्व है कि हमने बहुत सारे युद्ध रुकवाए, कई सारे युद्ध... और ये गंभीर युद्ध थे। ट्रंप 10 मई के बाद से विभिन्न अवसरों पर कई बार यह दावा कर चुके हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव खत्म कराने में मदद की। दोनों देशों से कहा कि यदि वे संघर्ष को रोक दें तो अमेरिका उनके साथ बहुत सारा व्यापार करेगा।

## इधर, सियासी घमासान

**राहुल ने पूछा-**

### मोदी जी पांच जहाजों का सच क्या है

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे को लेकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बताना चाहिए कि पांच जहाजों का सच क्या है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अब इस बारे में संसद के भीतर स्पष्टीकरण देना चाहिए।

**भाजपा बोली-**

### राहुल की मानसिकता एक देशद्रोही की

भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर लिखा, 'राहुल गांधी की मानसिकता एक देशद्रोही की है। ट्रंप ने अपने बयान में न तो भारत का नाम लिया, न ही यह कहा कि वे पांच जहाज भारत के थे। फिर कांग्रेस के युवराज ने उन्हें भारत के ही क्यों मान लिया? पाकिस्तान के क्यों नहीं माने? क्या उन्हें अपने देश से ज़्यादा हमदर्दी पाकिस्तान से है?

**आप ने कहा-**

### प्रधानमंत्री जी, अब अपनी चुप्पी तोड़िए

आप ने लिखा- मोदी ने भारत की गरिमा से समझौता किया। 'प्रधानमंत्री जी, अब अपनी चुप्पी तोड़िए। ट्रंप बार-बार इशारा कर रहे हैं कि व्यापार रोकने की धमकी के चलते प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की गरिमा से समझौता किया है, लेकिन 56 इंच के सीने का दावा करने वाले नरेंद्र मोदी के मुंह से एक भी शब्द नहीं निकला है।

**एअर इंडिया विमान में तकनीकी खराबी**

# 16 मिनट में वापस लौटा थाइलैंड जा रहा विमान

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से थाइलैंड के फुकेट के लिए रवाना हुआ एक विमान उड़ान भरने के 16 मिनट बाद ही रनवे पर वापस लौट गया। एअर इंडिया एक्सप्रेस के इस विमान ने शनिवार सुबह 6:40 पर हैदराबाद से टेकऑफ किया था। इस विमान संख्या आईएक्स-110 को सुबह 11:45 पर फुकेट पहुंचना था, लेकिन उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद तकनीकी खराबी के चलते यह हैदराबाद एयरपोर्ट वापस लौट आई।

विमान ने अपने निर्धारित समय से 20 मिनट देरी से उड़ान भरी थी। आंकड़ों के अनुसार, इस विमान ने उड़ान भरी लेकिन यह बहुत दूरी तक नहीं जा पाई। इसमें कुछ तकनीकी खराबी आ गई, जिसके बाद पायलट ने इसे दोबारा हैदराबाद एयरपोर्ट पर उतार दिया। हालांकि इस मामले को लेकर अभी तक एयरपोर्ट अधिकारी या एयरलाइन का कोई बयान सामने नहीं आया है।

### 20 मिनट की देरी से उड़ी थी फ्लाइट

आंकड़ों के अनुसार बोइंग 737 मैक्स 8 (पंजीकरण वीटी-बीडब्ल्यूए) विमान पर संचालित फ्लाइट आईएक्स-110 ने सुबह 6.40 बजे हैदराबाद से उड़ान भरी थी। जो इसके निर्धारित प्रस्थान समय 6.20 बजे से लगभग 20 मिनट देरी से थी। इस फ्लाइट को अपने निर्धारित समय के अनुसार 11.45 बजे फुकेट पहुंचना था। फुकेट जा रही फ्लाइट के वापस लौटने पर सोशल मीडिया में एक यात्री की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। इसमें यात्री ने अपना गुस्सा व्यक्त किया है।

### 16 मिनट हवा में रही फ्लाइट

हैदराबाद से फुकेट जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट कुल 16 मिनट हवा में रही। विमान ने 6:41 पर राजीव गांधी हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। 16 मिनट बाद 6:57 बजे फ्लाइट को लैंड कराया गया। एयर इंडिया एक्सप्रेस 110 में क्या खराबी आई और क्यों ऐसा हुआ? इसकी ब्योरा अभी एयर इंडिया ने साझा नहीं किया गया है।

**22 जुलाई को आर्थिक नाकेबंदी**

# चैतन्य की गिरफ्तारी पर कांग्रेस ने बनाई रणनीति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को कथित शराब घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में गिरफ्तार किए जाने के विरोध में कांग्रेस ने 22 जुलाई को पूरे राज्य में आर्थिक नाकेबंदी का ऐलान किया है। पूरे प्रदेश के पांच संभागों में आर्थिक नाकेबंदी करते हुए चक्काजाम करने का निर्णय लिया गया है। प्रेस कान्फ्रेंस में कांग्रेस के सभी बड़े नेता एक साथ बैठे। नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने कहा कि हम सब एक हैं और सब एक दूसरे के सुख-दुख में खड़े रहेंगे। कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में कांग्रेस की राजनैतिक मामलों की समिति तथा विधायकों की बैठक ▶▶|शेष पेज 7 पर

- कांग्रेस की राजनैतिक मामलों की समिति तथा विधायकों की बैठक में लिया गया निर्णय
- भूपेश बघेल के बेटे की गिरफ्तारी पर गरमाई सियासत

### बीजेपी की सरकार जनता के सामने बेनकाब : बैज

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, बीजेपी की सरकार जनता के सामने बेनकाब हो चुकी है। बस्तर से लेकर सरगुजा तक जल, जंगल, जमीन लूट रही है। छत्तीसगढ़ में लॉ एंड ऑर्डर खत्म हो चुका है। सभी मुद्दों पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सरकार के खिलाफ मजबूती से लड़ रही है। जनता के बीच सरकार की नाकामी स्थापित करने में हम सफल रहे हैं। उन्होंने कहा, एक जग, एक चप्पल और एक टीवी की कीमत क्या है, ये पूरी जनता ने देख लिया। पूर्व सीएम बघेल को महादेव सट्टा एप के नाम से बदनाम किया। क्या महादेव एप बंद हुआ? क्या अब तक सौरभ और रवि को सरकार ने गिरफ्तार किया है? नया एप शुरू हो चुका है।

### साय ने कहा- अभी तो जांच जारी है, न जाने और कितनों का नंबर लगेगा

ईडी की कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस के 22 जुलाई को प्रदेशव्यापी आर्थिक नाकेबंदी पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने तंज कसते हुए कहा, कांग्रेस तो जनता के लिए परेशानी खड़ा करती ही है। 5 साल सरकार चलाए तो जनता को धोखा दिए। पांच सालों में अनेक घोटाले हुए, इसलिए जेल जा रहे हैं। अभी तो जांच जारी है, न जाने और कितने लोगों का नंबर लगेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने संवाददाताओं ▶▶|शेष पेज 7 पर

# नाइजर में आतंकी हमला दो भारतीयों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अफ्रीकी देश नाइजर के डोसो क्षेत्र में हुए जघन्य आतंकवादी हमले में दो भारतीयों की मौत हो गई है और एक का अपहरण कर लिया गया है। राजधानी नियामी में भारतीय मिशन दोनों मृतकों के शवों को वापस लाने और एक अपहृत भारतीय की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय प्राधिकारियों के साथ संपर्क में बना हुआ है। इसके अलावा मिशन की तरफ से नाइजर में रह रहे सभी भारतीयों को मौजूदा ▶▶|शेष पेज 7 पर

- एक का किया अपहरण

### आतंकियों के निशाने पर विदेशी

भारत के अलावा नाइजर में आतंकवादियों द्वारा दुनिया के अन्य देशों के नागरिकों पर किए गए हमलों की घटनाओं में लगातार वृद्धि देखने को मिल रही है। डोसो क्षेत्र की उक्त घटना के अलावा कई अन्य विदेशी नागरिकों का भी आतंकियों ने अपहरण किया है। जिसमें ऑस्ट्रिया की एक महिला, जो नाइजर में बीते दो दशक से अधिक वक्त से रह रही थी।

# गीले व मिट्टी युक्त कोयले की आपूर्ति से विद्युत उत्पादन घटकर हुआ आधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोरबा

लगातार हो रही बारिश का असर आमजन जीवन के साथ अब विद्युत संयंत्रों पर भी देखने को मिल रहा है। बारिश की वजह से एसईसीएल से गीले व मिट्टीयुक्त कोयले की आपूर्ति की जा रही है, जिसकी वजह से कन्वेयर बेल्ट जाम होने की समस्या सामने आ रही है। वहीं मिल व हॉफर का शूट भी बार-बार जाम हो रहा है। इकाइयों से क्षमता ▶▶|शेष पेज 7 पर

- एचटीपीपी संयंत्र में 1340 मेगावाट की जगह 714 मेगावाट बिजली उत्पादन

गीला कोयला बना परेशानी का सबब संयंत्रों में विद्युत उत्पादन पर पड़ा असर

### जाम हटाने में लग रहे दो से तीन घंटे

संयंत्रों में मिल से पाइप लाइन के जरिए व कन्वेयर बेल्ट से हाफर तक कोयले की सप्लाई की जाती है। दरअसल गीला कोयला का उपयोग करने से मील में लगे पाईप कई जगहों से चोक होकर जाम हो जा रहा है। वहीं हाफर में भी लगा शूट जाम हो जा रहा है, जिसे क्लीन करने में घंटों का समय लग रहा है। ▶▶|शेष पेज 7 पर

**उत्पादन क्षमता**

**कोरबा पश्चिम संयंत्र**

| इकाई | क्षमता | उत्पादन |
|---|---|---|
| 1 | 210 | 00 |
| 2 | 210 | 126 |
| 3 | 210 | 120 |
| 4 | 210 | 125 |
| 5 | 500 | 343 |

**मड़वा संयंत्र**

| इकाई | क्षमता | उत्पादन |
|---|---|---|
| 1 | 500 | 422 |
| 2 | 500 | 422 |

**डीएसपीएम संयंत्र**

| इकाई | क्षमता | उत्पादन |
|---|---|---|
| 1 | 250 | 188 |
| 2 | 250 | 186 |
| कुल | 2840 | 1932 |

**पंडरिया की विधायक भावना बोहरा से डॉ. हिमांशु द्विवेदी की खास बातचीत**

# भाजपा का टिकट मिला तब नहीं चौंकी थी उत्कृष्ट विधायक का सम्मान चौंकाने वाला है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

**हरिभूमि खास**

पंडरिया की विधायक भावना बोहरा का कहना है, पंडरिया से भाजपा की टिकट का मिलना उतना चौंकाने वाला नहीं था, लेकिन उत्कृष्ट विधायक का सम्मान मिलना जरूर चौंकाने वाला है। विधानसभा में जब मेरे नाम की घोषणा हुई थी तो मुझे यकीन नहीं हुआ था। तब मैंने अपने साथी विधायक से पूछा था क्या मेरा ही नाम लिया गया है। अपने राजनीति जीवन पर विस्तार से भावना बोहरा ने हरिभूमि और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी से जो खास बातचीत की है, वह प्रस्तुत है।

▶▶| ***मौजूदा स्थिति को लेकर कितनी अचंभित रहती हैं, कहां से चले थे, कहां पहुंचे हैं?***

▶▶| *कहां पहुंचे ये तो नहीं पता लेकिन सफर की शुरुआत जरूरी है। भावना बोहरा के रुप में शुरुआत की थी आज भावना दीदी के रूप में लोगों का समर्थन और सहयोग मिल रहा है। बहुत अच्छा अनुभव हो रहा है। ये सफर कहां तक जाएगा कह नहीं सकते हैं, लेकिन मैं जब तक जीवित हूं, सेवा भाव हमेशा भगवान मेरे अंदर रखें यही चाहती हूं। जहां तक महत्वाकांक्षा का सवाल है तो यही जरूरी है। महत्वाकांक्षा और अति महत्वाकांक्षा में फर्क है। मैं कभी अति महत्वाकांक्षी नहीं बनना चाहूंगी।*

▶▶| ***क्या शुरू से इरादा था राजनीति में आना है और छा जाना है?***

▶▶| *शुरू से ही इरादा था राजनीति में आने का। पांचवीं क्लास से ही था कि मुझे मानिटर बनना है। 12वीं तक मैंने लगातार क्लास में मानिटर का रोल किया है। कॉलेज में मैंने छात्रसंघ की राजनीति से शुरुआत की। वैसे मेरे पिता भी राजनीति से ही रहे हैं।* ▶▶|शेष पेज 7 पर

# भारतीय पायलट फेडरेशन ने वॉल स्ट्रीट और रॉयटर्स को भेजा नोटिस

एअर इंडिया प्लेन क्रैश को लेकर 'गैर-जिम्मेदाराना रिपोर्टिंग' का लगाया आरोप

दोनों मीडिया संस्थानों से गलत रिपोर्टिंग के लिए माफी मांगने कहा

विमान हादसे के लिए पायलट सभरवाल को 'जिम्मेदार' वाली थी रिपोर्ट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अहमदाबाद में 12 जून को हुए विमान हादसे को लेकर विदेशी मीडिया की भ्रामक रिपोर्टिंग पर भारतीय पायलट संघ (एफआईपी) ने आपत्ति जताई है। एफआईपी ने द वॉल स्ट्रीट जर्नल और रॉयटर्स को कानूनी नोटिस भेजा है। नोटिस में दोनों संस्थानों से गलत रिर्पोटिंग के लिए माफी मांगने की मांग की गई है।

भारतीय पायलट संघ (एफआईपी) के अध्यक्ष सीएस रंधावा ने बताया कि हमने कानूनी कार्रवाई शुरू की है। हमने द वॉल स्ट्रीट जर्नल और रॉयटर्स को उनकी रिपोर्टों पर एक नोटिस भेजा है। हमने उनसे माफी मांगने के लिए कहा है। रॉयटर्स और द वॉल स्ट्रीट जर्नल को भेजे एक ईमेल में, एफआईपी ने कहा कि हमें पता चला है कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया के कुछ वर्ग बार-बार चुनिंदा और असत्यापित रिपोर्टिंग के माध्यम से विमान हादसे का निष्कर्ष निकालने का प्रयास कर रहे हैं। इस हादसे ने जनता को बड़ा सदमा पहुंचाया है। यह भारतीय विमानन उद्योग की सुरक्षा को लेकर, खासकर निराधार तथ्यों के आधार पर जनता में चिंता या आक्रोश पैदा करने का समय नहीं है। बता दें, 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट एआई 171 टेकऑफ के 32 सेकेंड देर बाद एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गई थी। इसमें 270 लोगों की मौत हो गई थी।

### आधिकारिक पुष्टि के बिना रिपोर्टिंग

एफआईपी ने कहा कि मीडिया संस्थान आधिकारिक पुष्टि और अंतिम रिपोर्ट के बिना ऐसी कोई भी सामग्री प्रकाशित या प्रसारित न करें जिसमें दुर्घटना के कारणों पर अटकलें लगाई गईं हों और मृत पायलटों को दोषी ठहराती हों। इस तरह की अटकलें लगाने वाली सूचनाओ का प्रकाशन बेहद गैर-जिम्मेदाराना है। इससे मृत पायलटों की प्रतिष्ठा को गंभीर और अपूरणीय क्षति हुई है। रॉयटर्स ने शोक संतप्त परिवारों को अनावश्यक संकट में डाला है और पायलट वर्ग का मनोबल गिराया है, जो भारी दबाव और सार्वजनिक जिम्मेदारी के तहत काम करता है।

### रॉयटर्स से यह कहा गया

कानूनी नोटिस में रॉयटर्स से कहा गया है कि वह 17 जुलाई 2025 को प्रकाशित रिपोर्ट की तुरंत समीक्षा और संशोधन करें। इसमें एक उपयुक्त अस्वीकरण शामिल हो और ऐसी किसी भी सामग्री को हटा दें जिसे दोष देने के रूप में समझा जा सकता है। एफआईपी ने रॉयटर्स को एक स्पष्टीकरण जारी करने के लिए कहा है। इसमें यह स्वीकार किया गया हो कि अधिकारियों ने कोई अंतिम निष्कर्ष जारी नहीं किया है। यह लेख कुछ रिपोर्टों पर आधारित था।

### एनटीएसबी के बयान पर जताई खुशी

भारतीय पायलट संघ के अध्यक्ष कैप्टन सीएस रंधावा ने कहा कि हम एनटीएसबी बोर्ड के बयान से खुश हैं। इससे पश्चिमी मीडिया में चल रही रिपोर्टों पर रोक लगेगी। वे अपनी ही दुनिया में मस्त हैं और सोचते हैं कि वे कुछ भी प्रकाशित करके बच निकल सकते हैं। भारतीय रिपोर्ट बिल्कुल स्पष्ट है। हमें अंतिम रिपोर्ट आने का इंतजार करना होगा।

### अमेरिकी अधिकारी ने कहा- मीडिया रिपोर्ट्स सिर्फ अटकलें

अहमदाबाद प्लेन क्रैश पर सामने आईं मीडिया रिपोर्ट्स को लेकर अमेरिकी एजेंसी ने सावधान रहने की सलाह दी है। यूएस नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड की अध्यक्ष जेनिफर होमेंडी ने कहा, जो बातें सामने आई हैं वो सिर्फ अटकलें लगाने वाली हैं। भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो एएआईबी ने अभी अपनी शुरुआती रिपोर्ट जारी की है। इस तरह की जांच में समय लगता है। होमेंडी की यह टिप्पणी अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल (डब्लूएसजे) की रिपोर्ट को लेकर है। तीन दिन पहले जारी इस रिपोर्ट में दावा किया गया कि विमान के कैप्टन सुमीत सभरवाल ने इंजनों में फ्यूल की सप्लाई रोकी थी।

## खबर संक्षेप

### किंग' के सेट पर शाहरुख घायल, इलाज के लिए अमेरिका रवाना

**मुंबई।** बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान इस वक्त 'किंग' फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं और इस दौरान उन्हें चोट लग गई है। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक एक्शन सीन शूट करते समय शाहरुख खान की मांसपेशियों में चोट लग गई है। इलाज के लिए वो अमेरिका रवाना हो गए हैं, वहीं उनका इलाज होगा और डॉक्टरों ने उन्हें एक महीने तक आराम करने की सलाह दी है। बॉलीवुड हंगामा एक सूत्र ने बताया, 'शाहरुख की चोट के बारे में पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन वो अपनी टीम के साथ इलाज के लिए अमेरिका गए हैं। ये कोई बहुत बड़ी या गंभीर चोट नहीं है, बल्कि मांसपेशियों से जुड़ी एक सामान्य चोट है। शाहरुख को स्टंट करते समय पहले भी कई बार मांसपेशियों में चोट लग चुकी है।'ये भी बताया गया कि सर्जरी के बाद डॉक्टरों ने उन्हें एक महीने आराम करने की सलाह दी है।

## अमेरिकी विवि में पढ़ाई से भारतीयों का मोहभंग

# कड़े वीजा नियमों से छात्र संख्या में 70 फीसदी की आई गिरावट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

*अमेरिका के विश्वविद्यालयों में पढ़ाई से भारतीय छात्रों का मोहभंग हो रहा है। लगातार कड़े हो रहे वीजा नियमों के चलते अमेरिका जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में 70 फीसदी की कमी आई है। विशेषज्ञों का मानना है कि वीजा अप्वाइंमेंट स्लॉट पर लगी रोक और वीजा स्वीकृति में हो रही देरी के चलते यह गिरावट आई है।*

अमेरिका ने हाल ही में वीजा के नियमों में सख्ती की है। इसके बाद अमेरिका जाने से भारतीय छात्रों का मोहभंग होने लगा है। हैदराबाद ओवरसीज कंसल्टेंट के संजीव राय ने एक मीडिया हाउस को बताया कि आमतौर पर इस समय तक अधिकांश छात्र अपने वीजा इंटरव्यू पूरे कर चुके होते हैं और अमेरिका जाने की तैयारी कर रहे होते हैं। इस साल हम अभी भी हर दिन पोर्टल को देख रहे हैं। ताकि कोई स्लॉट खुल जाए। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ है।

### अभी तक पुष्टि पत्र नहीं मिला

विंडो ओवरसीज एजुकेशन कंसल्टेंसी के अंकित जैन का कहना है कि जिन छात्रों ने स्लॉट बुक कर लिए हैं, उन्हें अभी तक पुष्टि पत्र नहीं मिल पाया है। बुकिंग कन्फर्म किए बिना स्लॉट खुले रहने का एकमात्र तार्किक कारण यह हो सकता है कि अमेरिका सिस्टम का परीक्षण कर रहा है। आई20 फीवर कंसल्टेंसी के अरविंद मंडुवा ने कहा कि अगले कुछ दिनों में स्लॉट जारी नहीं किए गए, तो हजारों सपने चकनाचूर हो जाएंगे। हम लगभग 80 फीसदी की गिरावट देख रहे हैं। हमें हर दिन छात्रों और उनके अभिभावकों से घबराहट भरे फोन आ रहे हैं।

ट्रंप सरकार ने हाल ही में वीजा के नियमों में की है सख्ती

वीजा अप्वाइंमेंट स्लॉट पर रोक और वीजा स्वीकृति में देरी मुख्य वजह

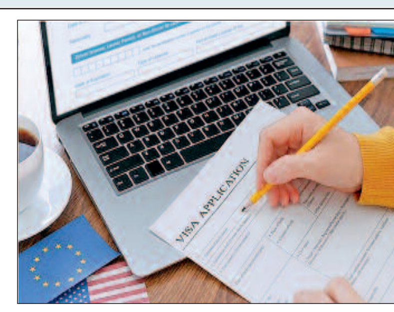


### दूसरे देशों का रुख कर रहे छात्र

अमेरिका में कड़े वीजा नियमों के चलते भारतीय छात्र दूसरे देशों का रुख कर रहे हैं। एक छात्र ने कहा कि वह अब ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर की पढ़ाई के लिए जर्मनी जाएगा। मैं इंतजार नहीं कर सकता था। मैं एक साल गंवा सकता था। इस समय हालात ठीक नहीं हैं, इसलिए मैंने अपना आवेदन वापस लेने का निर्णय लिया है।

### स्लॉट शुरू हो गए हैं: दूतावास

हैदराबाद स्थित अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास ने बताया कि स्लॉट फिर से शुरू हो गए हैं। छात्र दूतावास या वेबसाइट पर अप्वाइंटमेंट की उपलब्धता की जांच कर सकते हैं। हम वीजा आवेदकों की पूरी तरह से जांच कर रहे हैं ताकि यह तय हो सके कि उनका इरादा अमेरिका या हमारे हितों को नुकसान पहुंचाने का नहीं है। आवेदक वीजा के लिए अपनी पात्रता को साबित करें, जिसमें यह भी शामिल है कि वे अपने प्रवेश की शर्तों के अनुरूप गतिविधियों में शामिल होने का इरादा रखते हैं। हम आवेदकों को जल्द से जल्द आवेदन करने और इन वीजा श्रेणियों के लिए अतिरिक्त समय की अपेक्षा करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

# अब दिल्ली में शिक्षक से 'परेशान' होकर छात्रा ने कर ली आत्महत्या

हंगामे के बाद दो शिक्षक गिरफ्तार

हाल में उड़ीसा में एक बीएड छात्रा ने किया था सुसाइड

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ग्रेटर नोएडा स्थित शारदा विश्वविद्यालय में बीडीएस सेकेंड इयर की एक छात्रा ने शुक्रवार रात को कथित तौर पर शिक्षकों द्वारा प्रताड़ित किए जाने के कारण आत्महत्या कर ली।

रिपोर्ट के अनुसार यह घटना विश्वविद्यालय के हॉस्टल के 12वीं मंजिल स्थित कमरे में हुई, जो नॉलेज पार्क पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आता है। रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने घटनास्थल से एक सुसाइड नोट बरामद किया है, जिसमें पीड़िता ने अपने शिक्षकों पर उत्पीड़न और अपमान का आरोप लगाया है। फिलहाल छात्र के परिवार द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर, पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। अपने सुसाइड नोट में, छात्रा ने पीसीपी और डेंटल मैटेरियल्स के शिक्षकों को अपनी मौत के लिए ज़िम्मेदार ठहराया और आरोप लगाया कि उन्होंने उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित और अपमानित किया, जिससे उसे तनाव हुआ। उसने मांग की कि अगर उसकी मौत होती है तो शिक्षकों को जवाबदेह ठहराया जाए और उन्हें परिणाम भुगतने पड़ें।

### ओडिशा में फिर एक लड़की आग के हवाले, अगवा कर जिंदा जलाया

ओडिशा में फिर एक लड़की जल गई है। पुरी जिले में हुई घटना में इस लड़की को तीन अज्ञात लोगों ने जला दिया। यह घटना उस वक्त हुई जब लड़की अपनी दोस्त के घर जा रही थी। शुरू में उसे पुरी के पीपिली अस्पताल ले जाया गया। लेकिन हालात खराब होने के चलते फिर उसे एम्स भुवनेश्वर में भर्ती किया गया। अस्पताल के सूत्रों के मुताबिक यह लड़की 70 फीसदी तक जली है। हालांकि उसकी स्थिति अब स्थिर बताई गई है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही ओडिशा में एक छात्रा ने खुद को आग लगा ली थी। उसने एचओडी के खिलाफ यौन शोषण के आरोप लगाए थे। ताजा मामले में स्थानीय लोगों ने बताया कि यह घटना सुबह आठ बजकर तीस मिनट पर हुई। यह घटना बालंगा पुलिस थानाक्षेत्र में हुई है। पुलिस का कहना है हमले के पीछे अपराधियों की मंशा क्या थी, यह अभी स्पष्ट नहीं है।

## बाबा बर्फानी की धूम...

### अमरनाथ यात्रा : अब तक करीब 3 लाख ने किए दर्शन

### 3 जुलाई को शुरू हुई है यह पवित्र यात्रा

*अनंतनाग। जम्मू और कश्मीर के अनंतनाग जिले में अमरनाथ की पवित्र गुफा की वार्षिक तीर्थयात्रा के दौरान शनिवार को लोग। 3 जुलाई को शुरू हुई इस यात्रा में अब तक 2.73 लाख से अधिक श्रद्धालु पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन कर लिए हैं। वहीं शनिवार को जम्मू के भगवती नगर से 6,365 श्रद्धालुओं का नया जत्था दो काफिलों में रवाना हुआ।*

### 4 अगस्त को छड़ी मुबारक

10 जुलाई को 'छड़ी मुबारक' (भगवान शिव की पवित्र गदा) का भूमि पूजन पहलगाम के गौरी शंकर मंदिर में हुआ। यह छड़ी श्रीनगर स्थित दशमी अखाड़ा भवन से महंत स्वामी दीपेन्द्र गिरि की अगुवाई में साधुओं के समूह द्वारा पहलगाम लाई गई थी और पूजन के बाद फिर वापस श्रीनगर के दशमी अखाड़ा भवन में रख दी गई। अब छड़ी मुबारक 4 अगस्त को श्रीनगर के दशमी अखाड़ा मंदिर से पवित्र गुफा की ओर अंतिम यात्रा पर रवाना होगी और 9 अगस्त को बाबा बर्फानी की गुफा में पहुंचेगी, जिससे यात्रा का औपचारिक समापन होगा। यह दिन श्रावण पूर्णिमा और रक्षाबंधन के पावन पर्व के साथ भी मेल खाता है।

# ट्रंप ने वॉल स्ट्रीट जनरल पर ठोका 10 अरब डॉलर का मुकदमा

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जाने-माने अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल (डब्लूएसजे), इसके मालिक रूपर्ट मर्डोक, डाउ जोन्स, न्यूज कॉर्प और दो पत्रकारों पर 10 अरब डॉलर का मानहानि का मुकदमा ठोक दिया है।

राष्ट्रपति ने कहा है कि इन्होंने गलत इरादे से काम किया जिससे पैसे के साथ ही उनकी इमेज को भी काफी नुकसान पहुंचा है। यह मुकदमा फ्लोरिडा के दक्षिणी जिले की फेडरल कोर्ट में दायर किया गया है। ट्रंप ने खुद ही इस बारे में जानकारी दी और ट्रुथ सोशल पोस्ट में कहा, 'मैं रूपर्ट मर्डोक और उनके 'कूड़े का ढेर' अखबार, डब्लूएसजे के खिलाफ अपने मुकदमे में गवाही देने का इंतजार कर रहा हूं। यह दिलचस्प अनुभव होगा!!!'

### कहा- 'कूड़े का ढेर'

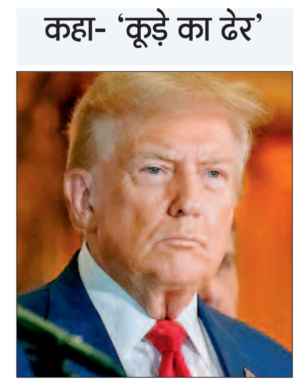

### यह है मामला

वॉल स्ट्रीट जनरल ने एक रिपोर्ट छापी थी जिसमें उसने कहा था कि 2003 में उस दौरान रियल एस्टेट के बड़े कारोबारी रहे डोनाल्ड ट्रंप ने जैफ्री एपस्टीन को उसके जन्मदिन पर एक लेटर भेजा था। इसमें एक महिला का नग्न चित्र था, ट्रंप का नाम था और कुछ सीक्रेट बातों की ओर इशारा किया गया था। ट्रंप ने डब्लूएसजे की रिपोर्ट को खारिज कर दिया था और मर्डोक को चेतावनी दी थी कि वह डब्लूएसजे और उससे जुड़े लोगों पर मुकदमा करेंगे। डब्लूएसजे की मूल कंपनी डाउ जोन्स, न्यूज़ कॉर्प की ही एक डिवीजन है।

# गाजा में खाद्य वितरण केंद्र पर गोलीबारी, 50 फलस्तीनी की मौत

इस्त्राइली सेना पर भीड़ पर गोली चलाने का आरोप

एजेंसी ▶▶| गाजा

गाजा पट्टी के दक्षिणी हिस्से में शनिवार को 50 से ज्यादा फलस्तीनी मारे गए हैं। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार ये सभी खाने के पैकेट के लिए जा रहे थे। वहीं अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार, इस्त्राइली सेना ने भीड़ पर गोलियां चलाई, जिसमें कई लोग घायल भी हुए हैं। जानकारी के मुताबिक, ये सभी फलस्तीनी गाजा मानवतावादी फाउंडेशन (जीएचएफ) नाम की संस्था की तरफ से चलाए जा रहे खाद्य वितरण केंद्रों की ओर जा रहे थे। यह संस्था अमेरिका और इस्त्राइल की मदद से मई महीने से गाजा में खाना बांट रही है। जीएचएफ ने मई महीने में गाजा में काम शुरू किया था। इसका मकसद भूखे लोगों को खाना पहुंचाना है।

अमेरिका और इस्त्राइल ने इस संस्था को इसलिए समर्थन दिया क्योंकि उनका आरोप है कि पारंपरिक यूएन आधारित राहत वितरण प्रणाली में हमास के आतंकी राशन चुरा लेते हैं। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र इस आरोप को सिरे से खारिज करता है। जीएचएफ दावा करता है कि उसने लाखों खाने के पैकेट बांटे हैं, लेकिन स्थानीय स्वास्थ्य विभाग और प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि सैंकड़ों लोग इन केंद्रों पर गोलीबारी में मारे जा चुके हैं।

### दो जगहों पर गोलीबारी की वारदात

जानकारी के अनुसार, गोलीबारी की घटना मुख्य रूप से दो जगहों पर हुई। जिसमें पहली घटना तेइना इलाका, खान यूनिस शहर के पास हुई। इस दौरान लगभग तीन किलोमीटर दूर जीएचएफ के एक केंद्र की ओर सैकड़ों लोग पैदल चल रहे थे। गवाहों के अनुसार, पहले इस्त्राइली सेना ने चेतावनी में हवाई फायरिंग की, लेकिन बाद में सीधे लोगों पर गोलियां बरसा दीं। दूसरी घटना शकूश इलाका, रफा शहर के पास हुई। यहां भी जीएचएफ केंद्र के पास भीड़ पर गोलियां चलीं, जिसमें सात लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक महिला भी थी।

# पहलगाम हमला, एसआईआर को लेकर सरकार को घेरेगा इंडिया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के 24 दलों के मुख नेताओं ने शनिवार को ऑनलाइन बैठक की, जिसमें पहलगाम आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर को अचानक रोके जाने, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता संबंधी दावे, बिहार में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कई अन्य मुद्दों को लेकर संसद के मॉनसून सत्र में सरकार को घेरने की रणनीति पर चर्चा की गई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी ने संवाददाताओं से कहा कि बैठक बहुत ही सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई। उन्होंने कहा, 'बैठक में सबका स्वर एक रहा। सबसे ज्यादा प्राथमिकता का मुद्दा पहलगाम का है। नेताओं ने इस पर चिंता व्यक्त की है कि हमला करने वाले आतंकियों को अब तक न्याय के कठघरे में क्यों नहीं लाया गया है।' तिवारी का कहना था कि ट्रंप के दावे और इस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चुप्पी के मुद्दे पर चर्चा की गई। कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री को ट्रंप के दावे पर जवाब देना चाहिए।

सोमवार से शुरू हो रहा है संसद का मानसून सत्र, बन गई रणनीति

बैठक में शामिल हुईं 24 पार्टियां, बन गया फुल प्लान

### एसआईआर का मुद्दा अहम

तिवारी ने कहा कि कि नेताओं ने एसआईआर को लेकर चिंता जताई क्योंकि बड़ी संख्या में मतदाताओं के मताधिकार खोने का खतरा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह सहमति भी बनी कि विदेश नीति, चीन और गाजा का विषय भी सत्र में उठना चाहिए।

### इन पार्टियों के ये नेता हुए शामिल

*बैठक में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी, समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव, शिवसेना (उबाठा) के उद्धव ठाकरे, राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य और कुछ अन्य नेता शामिल हुए।*

MARUTI SUZUKI
NEXA
RAINING DEALS, ROARING WHEELS.
FRONX Awaits.
FRONX
INDIA'S FASTEST
3 LAKH SALES#
FRONX
THRILL HAS A NEW SHAPE
1.0L Turbo Boosterjet Engine with Progressive Smart Hybrid
360 View Camera
Head Up Display
NEXTre' Rear Combination Lights
In-Built Suzuki Connect
3 years 100 000 km WARRANTY*
EXTENDABLE UPTO 6 YEARS
BENEFITS UP TO ₹90 000**
SCAN TO CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU!
e-book today @ www.nexaexperience.com
Contact us at
1800-200-[6392]
1800-102-[NEXA]
For detailed T&C kindly visit your nearest dealership. Offers may vary subject to the model and variant purchased and shall be applicable till stock lasts. **All offers are brought to you by NEXA dealers only. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. Maruti Suzuki Smart Finance is now available pan-India. Maruti Suzuki Subscribe available only in selected cities. Creative Visualization. For details on functioning of safety features including airbags, kindly refer to the owner's manual. *3 years or 100 000 km whichever is earlier.
#Claim verified by independent research agency JATO DYNAMICS Limited dated 1st April 2025 for fastest to 3 Lakh Sales in the Industry since launch.

**अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रूस से तेल खरीदने वालों पर 500 फीसदी टैरिफ की धमकी के बाद अमेरिका की धरती से ही नाटो ने भारत, चीन व ब्राजील को धमकीभरी चेतावनी दी है कि रूस से व्यापार जारी रखने पर इन तीनों देशों पर नाटो सैन्य संगठन के सदस्य देशों द्वारा सौ प्रतिशत सेकेंडरी टैरिफ लगाया जाएगा। नाटो के महासचिव मार्क रूट के ऐलान के बाद भारत ने भी बड़े तीखे शब्दों में जवाब दिया कि नाटो का दोहरापन नहीं चलेगा। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने राजधानी दिल्ली में एक मीडिया कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत की प्राथमिकता अपने लोगों के लिए ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने की है। विदेश मंत्रालय ने नाटो द्वारा दोहरा मापदंड अपनाने के लिए उनके ऐलान की कड़ी आलोचना की है। नाटो के सदस्य रूस से तेल खरीदे व नाटो भारत को धमकी दे, ये नहीं चलेगा। भारत की दो टूक राय है कि रूस-यूक्रेन युद्ध का खात्मा केवल कूटनीतिक बातचीत से मुमकिन हो सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप की रणनीति तो युद्ध को और अधिक प्रज्ज्वलित कर सकती है। भारत द्वारा परमाणु परीक्षण अंजाम देने के बाद अमेरिका द्वारा आर्थिक प्रतिबंध आयद किए गए थे। उस वक्त अमेरिकन आर्थिक प्रतिबंध एकदम नाकाम सिद्ध हुए थे। यदि भारत पर फिर से प्रतिबंध आयद किए गए तो फिर से वही अंजाम होगा। पेश है एक विश्लेषण...**

# नाटो की धमकी से भारत विचलित नहीं

विश्लेषण
प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

**नाटो के सेक्रेटरी जनरल मार्क रूट ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में मार्क रूट ने बाकायदा ऐलान किया कि भारत, चीन और ब्राजील यदि भविष्य में रूस के साथ अपना कारोबार जारी रखेंगे, तो फिर इन तीनों देशों पर नाटो सैन्य संगठन के देशों द्वारा सौ प्रतिशत सेकेंडरी टैरिफ आयद कर दिया जाएगा। मार्क रूट के इस धमकी भरे ऐलान के बाद भारत द्वारा भी बड़े तीखे शब्दों में इसका प्रति उत्तर पेश किया गया। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने राजधानी दिल्ली में एक मीडिया कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत की प्राथमिकता अपने लोगों के लिए ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने की है। भारत की दो टूक राय है कि रूस-यूक्रेन युद्ध का खात्मा केवल कूटनीतिक बातचीत से मुमकिन हो सकता है।**

नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन संक्षेप में कहें तो नाटो के सेक्रेटरी जनरल मार्क रूट ने अमेरिकी सीनेटर टॉम टिलिस और जीन शाहीन के साथ संयुक्त रूप से अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में एक प्रेस कांफ्रेंस की। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में मार्क रूट ने बाकायदा ऐलान किया कि भारत, चीन और ब्राजील यदि भविष्य में रूस के साथ अपना कारोबार जारी रखेंगे, तो फिर इन तीनों देशों पर नाटो सैन्य संगठन के देशों द्वारा सौ प्रतिशत सेकेंडरी टैरिफ आयद कर दिया जाएगा। मार्क रूट के इस धमकी भरे ऐलान के बाद भारत द्वारा भी बड़े तीखे शब्दों में इसका प्रति उत्तर पेश किया गया। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने राजधानी दिल्ली में एक मीडिया कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत की प्राथमिकता अपने लोगों के लिए ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने मार्क रूट द्वारा टैरिफ आयद करने पर दोहरा मापदंड अपनाने के लिए उनके ऐलान की कड़ी आलोचना की। रणधीर जायसवाल ने आगे कहा कि तेल आयात के प्रश्न पर भारत वस्तुतः बाजार और दुनिया के हालात से निर्देशित होता है।

भारत द्वारा दोहरा मापदंड अपनाए जाने का जो संगीन इल्जाम नाटो सैन्य संगठन पर आयद किया गया है, उसका तथ्यात्मक आधार यह है कि तुर्किये जो कि नाटो सैन्य संगठन का सदस्य देश है, के भी बड़े कारोबारी रिश्ते रूस के साथ कायम रहे हैं। तुर्किये रूस से बड़ी मात्रा में आयल भी आयात करता है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) रूस की ऊर्जा के अंतरराष्ट्रीय लेनदेन के लिए एक वित्तीय माध्यम के तौर पर काम करता रहा है। यूरोप के तकरीबन सभी देश भारत द्वारा रूस के क्रूड आयल से रिफाइन तेल विगत तीन वर्षों से निरंतर खरीदते रहे हैं। अमेरिका खुद भी बड़े पैमाने पर रूस से यूरेनियम की खरीदारी करता रहा है। इन तमाम देशों पर ना तो प्रेसिडेंट ट्रंप ने और ना ही नाटो के सेक्रेटरी जनरल मार्क रूट ने एक बड़ा अतिरिक्त टैरिफ आयद करने की धमकी दी है। उल्लेखनीय है कि भारत अपनी आवश्यकता का तकरीबन 85 प्रतिशत तेल आयात करता है। आजकल भारत अपने कुल आयात का तकरीबन आधा तेल रूस से खरीद रहा है।

## रूट की टैरिफ आयद करने की धमकी

नाटो के सेक्रेटरी जनरल और नीदरलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री मार्क रूट यह भी फरमाते हैं कि भारत, चीन और ब्राजील तीनों देशों के सर्वोच्च लीडरों को रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए बातचीत करके उनको युद्ध खत्म करने के लिए रजामंद करना चाहिए। मार्क रूट का यह कैसा विकट अंदाज ए बयां है, कि जिसमें कोई कूटनीतिक आग्रह नहीं है, वरन सौ प्रतिशत टैरिफ आयद करने की धमकी का विषाक्त धुआं उठता हुआ प्रतीत हो रहा है। विश्व पटल पर यह कैसा विकराल दौर आ गया है जब कि भारत के साथ मित्रता का दम भरने वाले अमेरिका और यूरोप के अन्य नाटो देश भारत के साथ किसी जटिल अंतरराष्ट्रीय प्रश्न पर कूटनीतिक बातचीत करने के स्थान पर सार्वजनिक तौर पर भारत के विरुद्ध धमकी भरे अंदाज में सौ प्रतिशत टैरिफ नाफ़िज़ करने का ऐलान कर रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति आई है, जब से कि डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर दूसरी पारी में आसीन हुए हैं। राष्ट्रपति पद पर आसीन होने के एकदम बाद उन्होंने दावा किया था कि कुछ दिनों के अंदर ही वह रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करा देंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कूटनीतिक तौर पर रूस के राष्ट्रपति पुतिन को युद्ध खत्म करने के लिए अपने दबाव में नहीं ले पाए। इसके विपरीत रूसी फ़ौज द्वारा यूक्रेन पर भीषण सैन्य आक्रमण शुरू कर दिए गए। फिर क्या था, राष्ट्रपति ट्रंप ने बौखला कर रूस के साथ गहन मित्रता रखने वाले ब्रिक्स देश भारत, चीन और ब्राजील पर अतिरिक्त टैरिफ आयद करने की धमकी भरा ऐलान कर दिया।

## अमेरिका के हाथों की कठपुतली है नाटो

सर्वविदित है कि नाटो सैन्य संगठन में 32 सदस्य देश हैं, जिनमें यूरोपीय यूनियन के 23 देश शामिल हैं, किंतु नाटो का तकरीबन 70 प्रतिशत खर्च अमेरिका वहन करता है। अभी हाल ही में यूरोप के नाटो देशों पर राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा यह दबाव डाला गया कि ये देश अपने जीडीपी का कम से कम पांच प्रतिशत नाटो सैन्य संगठन को फंड प्रदान करेंगे। अभी तक केवल अमेरिका के अतिरिक्त अन्य नाटो देश अपनी जीडीपी का केवल ढाई प्रतिशत नाटो सैन्य संगठन को मुहैया कराते रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो देश को भी यह धमकी दी थी कि यदि वह ऐसा नहीं करेंगे तो अमेरिका नाटो सैन्य संगठन को तत्काल छोड़ देगा। उल्लेखनीय है कि जी-7 के शिखर सम्मेलन में अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप और फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मैक्रों के मध्य जबरदस्त तकरार हो गई थी। आखिरकार रूस के संभावित सैन्य हमले से भयभीत हो रहे यूरोप के कुछ नाटो देश अपनी जीडीपी का पांच प्रतिशत नाटो सैन्य संगठन को प्रदान करने के लिए राजी भी हो गए हैं। ऐतिहासिक तौर पर नाटो संगठन वस्तुतः अमेरिका के हाथों की कठपुतली बना रहा है।

## बहु ध्रुवीय शक्तियों का उदय हुआ

उल्लेखनीय है कि 4 अप्रैल सन् 1949 को 12 देशों द्वारा नाटो सैन्य संगठन की बुनियाद रखी गई थी। द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के तत्पश्चात विश्व दो शक्तिशाली सैन्य गुटों में विभाजित हो गया था। कोल्ड वॉर का सैन्य तनाव का खतरनाक दौर प्रारंभ हो चुका था। सोवियत यूनियन के नेतृत्व में वारसा सैन्य पैक्ट अस्तित्व में आ चुका था। सन् 1991 में इतिहास ने जबरदस्त पलटा खाया और सोवियत यूनियन एकदम बिखर गया। इसके साथ ही वारसा सैन्य पैक्ट का भी अंत हो गया।

इस बुनियादी परिवर्तन के बावजूद अमेरिका के नेतृत्व में नाटो सैन्य संगठन बाकायदा बरकरार बना रहा। विश्व पटल पर सोवियत पराभव के बाद अमेरिका एक ध्रुवीय विश्व शक्ति बन गया। परिणामस्वरूप अमेरिका के राष्ट्रपति जॉर्ज बुश सीनियर ने सद्दाम हुसैन के इराक पर ऑपरेशन डेजर्ट स्टॉर्म के तहत 17 जनवरी 1991 को धावा बोल दिया। सन् 1996 में नाटो सेना ने बोस्निया और हर्जेगोविना पर बम बरसाए थे। सन् 2001 में अफगानिस्तान पर और सन् 2003 में अमेरिका की कयादत में आक्रमण अंजाम दिया। 21वीं सदी में चीन के सैन्य और आर्थिक शक्ति के तौर पर जबरदस्त उभार ने विश्व पटल पर शक्ति संतुलन की तस्वीर बदल कर रख दी। अब विश्व पटल पर अमेरिका एक ध्रुवीय शक्ति नहीं रह गया है, बल्कि बहु ध्रुवीय शक्तियों का उदय हो चुका है।

## अमेरिका के उकसावे में हुआ रूस-यूक्रेन युद्ध

राष्ट्रपति पुतिन के नेतृत्व में रूस भी एक बड़ी सैन्य शक्ति के रूप में स्थापित हो गया है। फरवरी वर्ष 2022 में प्रारंभ हुए रूस-यूक्रेन युद्ध में रूस के विरुद्ध सैन्य उकसावे की कार्रवाई वस्तुतः अमेरिका के नेतृत्व में नाटो सैन्य संगठन द्वारा ही प्रारंभ की गई थी। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने नाटो सैन्य संगठन का सदस्य बनने के लिए एक दरख्वास्त पेश की, जिस पर विचार करने के लिए नाटो देश एकदम रजामंद हो गए।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि यदि यूक्रेन को नाटो सैन्य संगठन का सदस्य बना लिया गया तो फिर रूस की सरहद पर नाटो के फौजी दस्ते तैनात हो जाएंगे और रूस की सुरक्षा गंभीर तौर पर खतरे में पड़ जाएगी। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि यूक्रेन को नाटो सैन्य संगठन का सदस्य देश नहीं बनाया जाना चाहिए। राष्ट्रपति पुतिन के इस आग्रह को नाटो देशों ने एकदम अस्वीकार कर दिया। यही कारण था कि यूक्रेन पर रूस की सेना द्वारा आक्रमण अंजाम दिया गया। अमेरिका और नाटो सैन्य संगठन का सोच विचार था कि अफगानिस्तान युद्ध की तरह रूस को कमजोर करने के लिए यूक्रेन के विरुद्ध युद्ध में उलझा दिया जाए। अमेरिका के नेतृत्व में नाटो सैन्य संगठन द्वारा इस समस्त षड्यंत्र को अंजाम दिया गया। रूस-यूक्रेन युद्ध को तकरीबन तीन वर्षों से अधिक का वक्त बीत चुका है, किंतु अभी तक यह युद्ध किसी निर्णय पर नहीं पहुंच पाया है। भारत प्रारंभ से ही रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए कूटनीतिक बातचीत की पुरजोर पैरवी करता रहा है और भारत ने इस भीषण युद्ध को समाप्त कराने के लिए कूटनीतिक मध्यस्थता करने की भी पेशकश की थी।

## कोल्ड वॉर के दौर में भी भारत गुटनिरपेक्ष देश

आज के दौर में क्या इतिहास खुद को दोहराने लगा है। दुनिया फिर से दो सैन्य गुटों में स्पष्ट रूप से विभाजित होती हुई दिखाई दे रही है। कोल्ड वॉर के दौर में भी भारत गुटनिरपेक्ष देश रहा और आज भी गुटनिरपेक्ष देश है। भारत एक तरफ रूस और चीन के साथ ब्रिक्स का सदस्य देश है। दूसरी तरफ क्वॉड मोर्चे में अमेरिका और जापान के साथ सदस्य देश है। किसी सैन्य गुट में शामिल हुए बिना भारत अपने राष्ट्रीय हितों की पैरवी और सुरक्षा करता है। लेकिन भारत किसी अन्य देश के राष्ट्रीय हितों को क्षति पहुंचाने की कदाचित कोशिश भी नहीं करता। राष्ट्रपति पुतिन पर सैन्य दबाव कायम करने के लिए प्रेसिडेंट ट्रंप ने यूक्रेन की फौज को ऐसी लॉन्ग रेंज मिसाइल देने का निर्णय लिया है, जोकि रूस की राजधानी मास्को को निशाना बना सकें। राष्ट्रपति ट्रंप की आखिरकार युद्ध समाप्त करने की कैसी कारगर रणनीति है? अथवा तृतीय विश्व युद्ध का आगाज करने की सैन्य धृष्टता है?

राष्ट्रपति ट्रंप की अंतरराष्ट्रीय रणनीति के विरोध में यूरोप में आंतरिक तौर पर निरंतर विरोध और आक्रोश रहा है। फ्रांस और जर्मनी प्रेसिडेंट ट्रंप की रणनीति से एकदम सहमत नहीं है। भारत की दो टूक राय है कि रूस-यूक्रेन युद्ध का खात्मा केवल कूटनीतिक बातचीत से मुमकिन हो सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप की रणनीति तो युद्ध को और अधिक प्रज्ज्वलित कर सकती है। भारत द्वारा परमाणु परीक्षण अंजाम देने के बाद अमेरिका द्वारा आर्थिक प्रतिबंध आयद किए गए थे। उस वक्त अमेरिकन आर्थिक प्रतिबंध एकदम नाकाम सिद्ध हुए थे। यदि भारत पर फिर से प्रतिबंध आयद किए गए तो फिर से वही अंजाम होगा। अमेरिका और नाटो द्वारा की जा रही भारत विरोधी और शत्रुतापूर्ण घोषणाओं पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी निरंतर चुप्पी साधे हुए हैं आखिर क्यों? भारत पर अंजाम दिए जा रहे प्रत्येक अंतरराष्ट्रीय आक्रमण पर क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना स्पष्ट नजरिया पेश नहीं करना चाहिए?

# भारत ने नाटो को दिया करारा जवाब

कूटनीति
सुनील अमर
वरिष्ठ पत्रकार

नाटो के महासचिव मार्क रूट ने बीते बुधवार को कहा है कि भारत, ब्राजील और चीन रूस पर दबाव बनाएं कि वह यूक्रेन में युद्ध बन्द करे। उन्होंने धमकी दी है कि ये देश अगर ऐसा नहीं करते तो इन पर भारी टैरिफ लगाया जाएगा क्योंकि ये तीनों देश रूस से तेल खरीद कर उसे आर्थिक रूप से मजबूत कर रहे हैं। रूट चाहते हैं कि भारत, ब्राजील और चीन रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को फोन करके कहें कि वे यूक्रेन से शांति वार्ता करने के लिए तैयार हो जाएं। रोजमर्रा के समाचार पढ़ने वाला कोई भी व्यक्ति यह समझ सकता है कि नाटो महासचिव के मुंह से किसकी आवाज निकल रही है।

असल में यह धमकी रूट (नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन) की नहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की है। अपने दूसरे कार्यकाल की शपथ लेने से काफी पहले से ही वे यूक्रेन को अमेरिकी हथियारों की आपूर्ति रोकने तथा युद्ध बन्द कराने व दुनिया के तमाम देशों पर टैरिफ का चाबुक चलाने की घोषणा कर रहे हैं। दिक्कत यह है कि बड़बोले ट्रम्प ऐसा कुछ तो कर नहीं पाये, उल्टे इजरायल की पीठ ठोंक कर ईरान व सीरिया पर अलग से हमला करवा दिया। एक तरफ तो वे शांति का नोबल पाने को किसी बच्चे की तरह लालायित दिखते हैं तो दूसरी तरफ अपने बगलबच्चे (नाटो को वाशिंगटन ट्रीटी भी कहा जाता है) नाटो की मार्फत वे इसके सदस्य देशों से अपील करते हैं कि युद्ध के लिए सहयोग राशि व हथियारों की मात्रा बढ़ाई जाए ताकि यूक्रेन को मदद की जा सके। ज्ञात हो कि नाटो को उसके सदस्य देश अपनी जीडीपी की दो प्रतिशत धनराशि तथा हथियार आदि सहयोग के रूप में देते हैं। वैश्विक चौधरी बनने की अपनी आदत से मजबूर अमेरिका इस बार यूक्रेन में जाकर फंस गया है और अब वहां से येन-केन प्रकारेण निकलना चाहता है और इसके लिए वह तमाम तरह की कोशिशें कर रहा है।

## रूस पर दबाव बनाने का प्रयास

शपथ ग्रहण करने के कुछ दिन बाद ही उन्होंने न सिर्फ यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेन्सकी को व्हाइट हाऊस बुलाकर अंतरराष्ट्रीय मीडिया के सामने अशोभनीय तरीके से बहस कर अपमानित किया बल्कि सारी युद्धक सहायता रोकने तथा अब तक की गई समस्त प्रकार की मदद की कीमत वसूलने की भी घोषणा कर दी। रूस पर दबाव बनाने की हर संभव कोशिश की और जब रूस नहीं माना तो हार कर ट्रंप ने जेलेन्सकी को दुबारा युद्धक मदद देनी शुरू कर दी। ट्रंप और नाटो दोनों को समझ में आ गया है कि व्यापार प्रतिबन्ध, टैरिफ की धमकी व इस तरह के अन्य प्रतिबन्धात्मक उपायों से बात बनने वाली नहीं है तो वे अब उन देशों को टारगेट कर रहे हैं जो रूस के बड़े व्यापार सहयोगी हैं।

## नाटो का सदस्य नहीं है भारत

हास्यास्पद यह है कि नाटो महासचिव ऐसा व्यवहार कर रहे हैं मानों वे स्वयं अमेरिका के राष्ट्रपति हों! वे यह भूल गये लगते हैं कि उनका आदेश/ निर्देश महज नाटो के 32 सदस्य देशों पर ही चल सकता है। भारत, चीन और ब्राजील नाटो के सदस्य नहीं हैं। दूसरी तरफ, रूस से तेल खरीदने या अन्य तरह का व्यापार करने वाले

सिर्फ यही तीन देश नहीं हैं। नाटो के कई सदस्य देश जैसे- तुर्किये, हंगरी, स्लोवाकिया, आस्ट्रिया, बेल्जियम व चेक गणराज्य तथा जर्मनी भी रूस से कच्चा तेल व गैस खरीद रहे हैं। चेक ने अभी इसी महीने से तेल खरीदना बन्द किया है और जर्मनी सीधे नहीं बल्कि फ्रांस व बेल्जियम के रास्ते से गैस खरीदता है। नाटो अपने इन सदस्य देशों को रूस से तेल या गैस खरीदने को वर्जित क्यों नहीं करता? यह सही है कि भारत और चीन रूस से तेल खरीदने वाले बड़े देश हैं। रूस के सकल तेल उत्पादन का लगभग 47 प्रतिशत अकेले चीन तथा 38 प्रतिशत भारत खरीदता है। तुर्किये ने तो अभी बीते जून माह में ही रूस से चार लाख बैरल तेल प्रतिदिन खरीदा है जो काला सागर के बन्दरगाहों तथा पाइप लाइनों के माध्यम से पहुंचता है। नाटो देश हंगरी ने तो रूस से अपनी तेल खरीद को और बढ़ाकर 61 प्रतिशत से 86 प्रतिशत कर दिया है, वहीं स्लोवाकिया तो अपनी जरूरत का सारा तेल ही रूस से खरीद रहा है। आस्ट्रिया और बेल्जियम यद्यपि रूस से सीधे तेल नहीं खरीद रहे हैं लेकिन वे इस कच्चे तेल को भारत या तुर्किये में रिफाइन्ड कराकर वहां से ले रहे हैं। नाटो महासचिव ने अपने इन सदस्य देशों को कोई चेतावनी कभी नहीं दी। यही इनका दोहरा मानदण्ड है। यूक्रेन युद्ध के बाद से अमेरिका ने जब रूस पर तमाम तरह के व्यापार प्रतिबन्ध लगाए तो रूस ने अपने कच्चे तेल व गैस की कीमतें काफी कम कर दीं और यही कारण है कि आज रूस प्रतिदिन 70 लाख बैरल से अधिक तेल बेच रहा है और इसी को रोककर रूस को आर्थिक चोट पहुंचाना ही ट्रंप का लक्ष्य है। रूस के साथ भारत का सम्बन्ध सिर्फ तेल खरीदने का ही नहीं हैं। दशकों से रूस भारत का एक भरोसेमन्द रक्षा सहयोगी भी है और भारत इस रक्षा सहयोग को दांव पर कभी नहीं लगाना चाहेगा।

दूसरे, रूस यद्यपि तेल खरीद में भारतीय मुद्रा रुपया को स्वीकार नहीं करता लेकिन बाकी अन्य प्रकार के व्यापार में रूस रुपये और रुबल (रुसी मुद्रा) में भुगतान लेता है और यह भारत के लिए काफी राहत की बात रहती है। नाटो महासचिव की चेतावनी के बाद भारत के विदेश विभाग तथा केन्द्रीय पेट्रोलियम मन्त्री ने स्पष्ट कर दिया कि भारत के पास तेल खरीद के कई सारे विकल्प हैं और भारत इस तरह का हस्तक्षेप और दोहरा मानदण्ड मानने को बाध्य नहीं है। उधर शंघाई में गत सप्ताह सम्पन्न शंघाई सहयोग संगठन के विदेश मंत्रियों की बैठक में भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी दोहरे मानदंड की बात उठाते हुए पहलगाम की आतंकवादी घटना का जिक्र किया और कहा कि सदस्य देशों को बयानबाजी के बजाय क्रियान्वयन पर जोर देना चाहिये। गत माह जी-7 देशों की बैठक में जिस तरह प्रधानमन्त्री मोदी ने भी अमेरिका को साफ शब्दों में कहा था कि भारत-पाक युद्ध के सीजफायर में किसी तीसरे की भूमिका नहीं थी, आज भी उसी तरह स्पष्ट शब्दों में नाटो को भी जवाब देने की जरूरत है।

## भारत सावधान और सतर्क रहे

रूस से तेल न खरीदने का दबाव तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने भी बनाया था लेकिन तब भारत ने स्पष्ट कर दिया था कि भारत अपने हितों की रक्षा कर सकता है। अमेरिका के टैरिफ वॉर की वजह से ही सही, भारत-चीन सम्बन्धों की बर्फ पिघलनी शुरू हुई है। गलवान घाटी की झड़प के बाद पहली बार भारत का कोई बड़ा राजनेता (विदेश मन्त्री) चीनी राष्ट्रपति से आमने-सामने मिला है। टैरिफ वॉर के चलते भारत-चीन व्यापार के नये आयाम खुलने के संकेत भी हैं। भारत सावधानी और सतर्कता दिखाये तो रूस से भी व्यापारिक लाभ बढ़ सकता है। ट्रंप अपनी चौधराहट खत्म होते देखकर बौखलाये हुए हैं और उनकी धमकी तथा चेतावनी का दौर चलता ही रहेगा। भारत को इसे गम्भीरता से लेने की जरूरत नहीं है। भारत अपने लिए सक्षम है।

# धमकियों से उलझ रहे टैरिफ समझौते

इंडो-यूएस ट्रेड वार्ता
डॉ. एन. के. सोमानी
अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार

नाटो के महासचिव मार्क रूट द्वारा हाल ही में दी गई भारी टैरिफ लगाने की धमकी के बावजूद भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते ( बीटीए) के पेच सुलझाने की कवायद तेज हो गई है। समझौते की शर्तों को अंतिम रूप देने के लिए दोनों देशों के व्यापार प्रतिनिधि इस हफ्ते वाशिंगटन में बैठक कर सकते हैं। मीडिया में चल रही खबरों की मानें तो टैरिफ कटौती के मुद्दे पर कुछ बिन्दुओं को लेकर अभी तक सहमति नहीं बन पाई है। अमेरिका 15 से 20 प्रतिशत टैरिफ चाहता है जबकि भारत का कहना है कि टैरिफ की दर 10 प्रतिशत से कम हो।

## कम टैरिफ पर नहीं मानेंगे ट्रंप

हालांकि, बौद्धिक संपदा अधिकार और बाजार तक पहुंच जैसी दीर्घकालिक चिंताओं को दूर कर लिया गया है लेकिन अब ट्रंप जिस तरह से फ्रंट फुट पर खेलते हुए एक के बाद एक देशों पर टैरिफ बम फोड़ रहे हैं, उसे देखते हुए लगता है कि ट्रंप 10 प्रतिशत से कम टैरिफ के लिए शायद ही राजी हों। ऐसे में व्यापार प्रतिनिधियों के बीच होने वाली इस बैठक को काफी अहम कहा जा रहा है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। भारत के कुल वस्तु निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी करीब 18 प्रतिशत है। 2024 में भारत ने अमेरिका को 87.4 बिलियन डॉलर का निर्यात किया। भारत अमेरिका को जैविक रसायन, कपड़ा, इस्पात, मोती, विधुत मशिनरी और दवा उत्पाद आदि का निर्यात करता है। जबकि अमेरिका भारत से चमड़ा, कपड़ा, चिकित्सा उपकरण, कीमती रत्न और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का आयात करता है। अभी व्यापार संतुलन भारत के (अमेरिकी घाटा 45.7 बिलियन डालर) पक्ष में है। हालांकि, अमेरिका द्वारा पारस्परिक टैरिफ की घोषणा किए जाने से पहले भारत ने बोरबॉन जैसे लक्जरी सामान और हार्ले डेविसन मोटरसाइकिल पर टैरिफ में कटौती की। लेकिन इसके बावजूद अमेरिका का कहना है कि भारत की टैरिफ दरें अमेरिका में भारतीय वस्तुओं पर लगने वाले टैरिफ से कहीं अधिक हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत की औसत टैरिफ दर 17 प्रतिशत है जबकि अमेरिका में यह 3.3 प्रतिशत है। सबसे बड़ा टकराव कृषि क्षेत्र में है, जहां भारत की टैरिफ दर बहुत अधिक है। भारत में अमेरिका से आने वाले कृषि उत्पादों पर औसतन शुल्क दर 37.7 प्रतिशत है जबकि अमेरिका में यह दर 5.3 प्रतिशत है। प्रस्तावित व्यापार समझौते में यही सबसे पड़ा पेच है। भारत के साथ अपने व्यापार घाटे को कम करने के लिए ट्रंप भारत पर कृषि और डेयरी उत्पादों पर टैरिफ कम करने का दबाव बना रहे हैं। वे चाहते हैं कि भारत सोयाबीन, मक्का, मिल्क पाउडर और डेरी उत्पादों पर लगने वाले भारी-भरकम आयात शुल्क में कटौती कर दे ताकि उनके उत्पाद भारत के बाजार में आसानी से बिक सके। भारत अमेरिकी मक्का पर 61 फीसदी और दूध पाउडर पर 68 फीसदी टैक्स लगाता है। भारत कृषि प्रधान देश है। यहां आधी से अधिक आबादी खेती पर निर्भर है। कृषि और डेयरी उत्पादों पर टैरिफ घटाने से देश के छोटे और सीमांत किसान अमेरिकी आयात की

चपेट में आ जाएंगे। अमेरिका में इन उत्पादों की लागत बहुत कम है। सस्ते आयात से भारत के किसानों के लिए अपनी फसल का सही दाम पाना भी मुश्किल हो जाएगा। ऐसे में कृषि और डेयरी से जुड़े मुद्दों को लेकर अभी भारत सरकार संशय की स्थिति में है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि कृषि और डेयरी उत्पादों के मुद्दे पर दोनों पक्षों के बीच सहमति नहीं हो पाती है तो समझौते का क्या होगा। यदि समझौता नहीं हो पाता है तो भारत क्या करेगा। क्या भारत अमेरिका द्वारा घोषित 26 प्रतिशत जवाबी शुल्क को चुपचाप स्वीकार कर लेगा या अमेरिका को काउंटर करने के लिए कोई प्लान-बी है। अमेरिका ने 2 अप्रैल को भारत से आने वाले सामानों पर 26 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने का ऐलान किया था, लेकिन बाद में इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया था।

## 26 प्रतिशत शुल्क पर असमंजस

90 दिनों की अवधि 8 जुलाई को समाप्त हो गई है। अब एक अगस्त तक का सतय है। भारत चाहता है कि ट्रंप 26 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने का निर्णय वापस ले। दूसरी ओर, अमेरिका चाहता है कि भारत सोयाबीन, मक्का, कार और शराब पर आयात शुल्क में कटौती कर दे ताकि उसके उत्पाद भारत के बाजार में अपनी जगह बना सकें। अप्रैल में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की भारत यात्रा के दौरान इन आशंकाओं को दूर करने का प्रयास किया गया।

## अब गेंद अमेरिकी पाले में

अंतिम परिणाम क्या रहा, यह अभी स्पष्ट नहीं है। हालांकि, भारत ने प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर अपना रुख साफ कर दिया है, अब गेंद पूरी तरह से अमेरिकी पाले में है। अगर अमेरिका भारत की चिंताओं पर नरम रुख अपनाता है तो उम्मीद की जानी चाहिए कि जल्द ही समझौते का ऐलान हो जाएगा। सच तो यह है कि भारत-अमेरिका संबंधों में व्यापारिक गिला-शिकवा आपसी खींचतान का बड़ा कारण रहा है। जैसा कि ऊपर कहा जा चुका है कि समझौते का बड़ा मकसद भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 190 बिलियन डॉलर से बढ़ाकर 2030 तक 500 बिलियन डॉलर करना है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए दोनों देशों के बीच अगले पांच वर्षों में 250-270 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त व्यापार आवश्यक है। इसके लिए दोनों देशों को रक्षा और ऊर्जा जैसे उच्च मूल्य वाले क्षेत्रों को बीटीए का हिस्सा बनाना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ जेडी वेंस की मुलाकात के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति रक्षा सहयोग को गहरा करने और नवीनतम रक्षा उपकरणों विशेष रूप से एफ-35 लड़ाकू जेट खरीदने की पेशकश कर चुके हैं। इसके अलावा अमेरिका चाहता है कि भारत बड़े पैमाने पर उससे पेट्रोल खरीदे जिससे व्यापार घाटे को कम करने में मदद मिल सके। बहरहाल, तमाम अन्तर्विरोधों के बावजूद अगर दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को लेकर सहमति बनती है तो यह भारत-अमेरिका संबंधों की दृष्टि से काफी अहम होगा। समझौते से नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच व्यापार संबंध तो पुख्ता होंगे ही, साथ ही दोनों के बीच की रणनीतिक साझेदारी भी मजबूत हो सकेगी। दूसरा, व्यापक व्यापार समझौते के लागू हो जाने के बाद दोनों देश अपने द्विपक्षीय व्यापार को साल 2030 तक 500 बिलियन डॉलर तक ले जाने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल कर सकेंगे। निसंदेह, दोनों देशों के बीच व्यापार संबंध शिकवा-शिकायतों से भरे रहे हैं। वाशिंगटन नई दिल्ली पर कम टैरिफ का आरोप लगाता है जबकि भारत को अमेरिका द्वारा प्रौद्योगिकी प्रतिबंधों की शिकायत रहती है। अब अमेरिका आधे से अधिक आयातों पर टैरिफ में कटौती करने के लिए खुला और लचीला दृष्टिकोण दिखा रहा है, उससे लगता है कि एक निष्पक्ष और भविष्योन्मुखी समझौता दोनों देशों के बीच की व्यापार बाधाओं को दूर कर सकता है।

## ‘तन्वी द ग्रेट’: कौन हैं असली तन्वी जिनके जीवन पर आधारित है फिल्म?

**मुंबई।** अभिनेता अनुपम खेर की फिल्म ‘तन्वी द ग्रेट’ सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इसके जरिए शुभांगी दत्त ने अभिनय की दुनिया में कदम रखा है। इस फिल्म की कहानी 21 साल की तन्वी रैना की है, जो ऑटिज्म डिसऑर्डर से पीड़ित है। तन्वी अपने साहस और हिम्मत से सभी को हैरान कर देती है। फिल्म में तन्वी का किरदार शुभांगी निभा रही हैं, लेकिन क्या आप असली तन्वी को जानते हैं? आइए जानते हैं आखिर असली तन्वी कौन हैं।

### संगीत शिक्षक बनना चाहती हैं तन्वी

तन्वी सोशल मीडिया पर भी सक्रिय रहती हैं। ‘द ऑटिज्म स्टोरी’ नाम के इंस्टाग्राम अकाउंट पर तन्वी अक्सर अपने वीडियो साझा करती रहती हैं। तन्वी एक संगीत शिक्षक और अभिनेत्री बनना चाहती हैं। इसका खुलासा खुद अनुपम ने अपने एक वीडियो में किया था।अनुपम ने भी इंस्टाग्राम पर तन्वी के साथ अपना एक वीडियो साझा किया है, जिसमें वह उनके साथ बातचीत करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में तन्वी को गाना सुनाते हुए देखा जा सकता है।

### अनुपम की भांजी की कहानी है ‘तन्वी द ग्रेट’

*‘तन्वी द ग्रेट’ की कहानी अनुपम की भांजी तन्वी के जीवन पर आधारित है। वह अभिनेता की बहन प्रियंका खेर की बड़ी बेटी हैं। अपनी भांजी तन्वी को देखकर ही अनुपम को ऑटिज्म पर फिल्म बनाने का ख्याल आया था। यही वजह है कि उन्होंने फिल्म का नाम भी ‘तन्वी द ग्रेट’ ही रखा है। बता दें कि तन्वी ऑटिज्म डिसऑर्डर से पीड़ित है। वह बहुत अच्छी गायिका भी हैं। अनुपम अक्सर अपनी भांजी तन्वी से मिलते रहते हैं।*

## अहान संग अदाकारी के मुरीद हुए लोग

एजेंसी ⏭ मुंबई

मोहित सूरी के निर्देशन में बनी फिल्म ‘सैयारा’ आखिरकार लंबे इंतजार के बाद 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस फिल्म से अनन्या पांडे के चचेरे भाई अहान पांडे ने अभिनय की दुनिया में कदम रखा है। अहान पांडे की जोड़ी अनीत पड्डा के साथ बनी है, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। दोनों की केमिस्ट्री लोगों को खूब पसंद आ रही है। अनीत की अदाकारी के दर्शक मुरीद हो गए हैं। अनीत बॉलीवुड की उभरती हुई अभिनेत्री हैं। उनका जन्म 14 अक्टूबर, 2002 को पंजाब में हुआ था।

23 वर्षीय अनीत ने अपनी शुरुआत पढ़ाई अमृतसर के स्प्रिंग डेल सीनियर स्कूल से पूरी की है। इसके बाद उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में स्नातक की डिग्री हासिल की। अनीत ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। इसके बाद उन्होंने नेस्कैफे, कैडबरी डेयरी मिल्क, अमेजन इंडिया, पेटीएम जैसे ब्रांड्स के विज्ञापनों में काम किया। अनीत ने 2022 में आई फिल्म ‘सलाम वेंकी’ से बॉलीवुड में कदम रखा था। इसमें उन्होंने नंदिनी का किरदार निभाया था। इस फिल्म में काजोल और विशाल जेठवा ने मुख्य भूमिका निभाई थी।

## फिल्म ‘हाउसफुल 5’ ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दी दस्तक

**मुंबई।** अक्षय कुमार की फिल्म ‘हाउसफुल 5’ ने दर्शकों का जमकर मनोरंजन किया। उनकी यह फिल्म 6 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इसने बॉक्स ऑफिस पर बढ़िया कमाई की। सिनेमाघरों में धमाल मचाने के बाद अब ‘हाउसफुल 5’ ने ओटीटी का रुख किया है। यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो गई है। ऐसे में जो दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, वह अब इसे ओटीटी पर देख सकते हैं। ‘हाउसफुल 5’ ओटीटी प्लेटफॉर्म

अमेजन प्राइम वीडियो पर रेंट पर उपलब्ध है। प्राइम वीडियो पर 349 रुपये में यह फिल्म आप रेंट पर ले सकते हैं।


एनएमडीसी सीएसआर प्रायोजित कौशल विकास प्रशिक्षण के लिए आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं

नि:शुल्क पाठ्यक्रम

एनएमडीसी NMDC RESPONSIBLE MINING

एनएमडीसी हैदराबाद स्थित केंद्रीय पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट) में कौशल विकास प्रशिक्षण के लिए दंतेवाड़ा व बस्तर से 500 जनजातीय उम्मीदवारों को प्रायोजित कर रहा है।

| प्रस्तावित पाठ्यक्रम | अवधि | पात्रता मापदंड |
|---|---|---|
| मशीन ऑपरेटर - एनएसक्यूएफ स्तर IV पाठ्यक्रम | 6 महीने | 8वीं पास |
| प्लास्टिक प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा | 3 वर्ष | 10वीं पास |
| प्लास्टिक मोल्ड प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा | 3 वर्ष | 10वीं पास |
| प्लास्टिक प्रसंस्करण और परीक्षण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा | 2 वर्ष | विज्ञान में स्नातक |

प्रवेश पहले आओ पहले पाओ के आधार पर 20 जुलाई से 30 जुलाई तक होगा

पात्रता मानदंड और आवेदन जमा करने के लिए:
के सुबह : 10.30 से शाम 5.30 तक

दंतेवाडा के लिए:
ऑडिटोरियम हॉल, बीआईओपी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय
बीआईओएम किरन्दुल कॉम्प्लेक्स, एनएमडीसी किरन्दुल
श्री सुखराम गावडे : 8305547737

बस्तर के लिए:
एनएमडीसी डीएवी प्राइवेट इण्डस्ट्रियल ट्रेनिंग इन्स्टिट्यूट
नगरनार पंचायत भवन के पास, नगरनार जिला - बस्तर
श्री अभिशेक पवार : 9424281754
श्री सचिन तिवारी : 9340136656
श्री विनोद पान्डेय : 8718888144

खुशियां बिखेरते हुए एनएमडीसी


## ‘सैयारा’ के निर्देशक मोहित सूरी की आशिकी 2 ने खूब छापे थे नोट

**मुंबई।** निर्देशक मोहित सूरी इन दिनों फिल्म ‘सैयारा’ को लेकर चर्चा में हैं, जिसकी लोग तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। उधर समीक्षकों ने भी दिल खोलकर फिल्म की कहानी और इसके कलाकारों को सराहा है। यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन मोहित ने ही किया है। हालांकि, अगर आपको ‘सैयारा’ पसंद आई है तो मोहित के निर्देशन में बनी ओटीटी पर मौजूद कुछ दूसरी रोमांटिक फिल्में भी हैं, जो आपकी कसौटी पर खरी उतरेंगी।

### ‘आशिकी 2’

साल 2013 में आई रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म ‘आशिकी 2’ ने आते ही बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था। फिल्म में श्रद्धा कपूर और आदित्य रॉय कपूर की जोड़ी बनी थी, जो सुपर-डुपरहिट हुई थी। न सिर्फ उनकी केमिस्ट्री, बल्कि फिल्म के गाने और कहानी तक ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। 15 करोड़ रुपये के बजट वाली इस फिल्म ने दुनियाभर में लगभग 110 करोड़ रुपये कमाए थे। यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर मौजूद है।

### ‘हाफ गर्लफ्रेंड’ और ‘मलंग’

‘हाफ गर्लफ्रेंड’ मोहित की एक और बेहतरीन रोमांटिक फिल्म है। इस फिल्म में अभिनेता अर्जुन कपूर और श्रद्धा कपूर ने मुख्य भूमिका निभाई थी। 58 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने 97 करोड़ रुपये कमाए थे। यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो और यूट्यूब पर है। उधर नेटफ्लिक्स पर मौजूद मोहित के निर्देशन वाली आदित्य रॉय कपूर और दिशा पाटनी अभिनीत ‘मलंग’ का बजट 32 करोड़ रुपये था और इसने 72 करोड़ रुपये कमाए थे।

### ‘आवारापन’

इमरान हाशमी अभिनीत ‘आवारापन’ को दर्शकों से हरी झंडी मिली थी। मोहित ने इस फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी संभाली थी तो मुकेश भट्ट इसके निर्माता थे। इस फिल्म को भले ही इमरान के करियर की बेहतरीन फिल्म बताया गया, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह फेल हो गई थी। समीक्षकों ने फिल्म को जमकर सराहा था और इसके गाने भी खूब लोकप्रिय हुए थे। अमेजन प्राइम वीडियो पर मौजूद इस फिल्म को बाद में एक कल्ट का दर्जा मिला था।

## सेतुपति की ‘थलाइवन थलाइवी’ का ट्रेलर जारी

**मुंबई।** दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता विजय सेतुपति पिछले कुछ समय से फिल्म ‘थलाइवन थलाइवी’ को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। उनकी यह फिल्म 25 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में विजय की जोड़ी अभिनेत्री नित्या मेनन के साथ बनी है। फिल्म के निर्देशन की कमान पंडिराज ने संभाली है। अब निर्माताओं ने ‘थलाइवन थलाइवी’ का ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसमें विजय जबरदस्त एक्शन करते नजर आ रहे हैं। ‘थलाइवन थलाइवी’ एक रोमांटिक एक्शन कॉमेडी फिल्म है, जिसमें योगी बाबू भी अपनी अदाकारी का तड़का लगाते हुए नजर आएंगे। इस फिल्म की कहानी

भी पंडिराज ने ही लिखी है। मलयालम फिल्म ‘19(1)(a)’ के बाद विजय और नित्या के बीच यह दूसरा सहयोग है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बॉक्स ऑफिस पर ‘थलाइवन थलाइवी’ का सामना अजय देवगन की ‘सन ऑफ सरदार 2’ से होगा।

## ‘वॉर 2’ के ट्रेलर को मिली हरी झंडी

**मुंबई।** काफी समय से अभिनेता ऋतिक रोशन फिल्म ‘वॉर 2’ को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिसके निर्देशन की कमान अयान मुखर्जी ने संभाली है। इस फिल्म के जरिए साउथ के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर बॉलीवुड में कदम रखने जा रहे हैं। फिल्म में ऋतिक के साथ अभिनेत्री कियारा आडवाणी नजर आएंगी और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। अब ‘वॉर 2’ के ट्रेलर से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आ रही है। बॉलीवुड की रिपोर्ट के अनुसार, ‘वॉर 2’ के ट्रेलर को सेंसर बोर्ड की तरफ से हरी झंडी मिली है। ट्रेलर को यू/ए 16+ सर्टिफिकेट के साथ पास कर दिया गया है। फिल्म का ट्रेलर 2 मिनट 39 सेकंड का है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ‘वॉर 2’ का ट्रेलर अगले हफ्ते रिलीज हो जाएगा। इस फिल्म में एनटीआर एक बिल्कुल नए अवतार में नजर आएंगे, जबकि ऋतिक एक बार फिर मेजर कबीर के किरदार में दिखेंगे। ‘वॉर 2’ में ऋतिक और जूनियर एनटीआर का जबरदस्त एक्शन देखने को मिलेगा। दोनों पहली बार एक-दूजे से भिड़ते नजर आएंगे।’वॉर 2’ इस साल स्वतंत्रता दिवस के मौके पर यानी 14 अगस्त को रिलीज होगी। इस फिल्म को आप हिंदी के साथ तमिल और तेलुगु भाषा में देख पाएंगे। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना रजनीकांत की ‘कुली’ से होगा। अब देखना होगा कि बॉक्स ऑफिस पर ‘कुली’ या ‘वॉर 2’ में कौन बाजी मारती है।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

# कभी-कभी बन जाएं बच्चे जी भर करें लाइफ एंज्वॉय

जीवन में सबसे सुहाने दिन बचपन के ही होते हैं। उस दौर से जुड़ी यादें हम कभी नहीं भूल पाते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि हम बड़े हो गए तो अब बच्चों जैसी हरकतें नहीं कर सकते। जब भी मौका मिले, कुछ पल के लिए ही सही फिर से बच्चा बनकर देखिए, आपका तनाव गायब हो जाएगा और लाइफ को भरपूर एंज्वॉय कर पाएंगे।

अपनी जिंदगी में रोजमर्रा की जिम्मेदारियों के बोझ से व्यथित होकर अकसर हम अपने बचपन के दिनों की मस्ती, बेपरवाही और उन दिनों से जुड़ी कुछ खास बातों को याद करके उदास हो जाते हैं और अनायास ही बोल पड़ते हैं, *बचपन के दिन भी क्या दिन थे, उड़ते फिरते थे तितली बन।* कई बार मन में ऐसा भी खयाल आता है कि सब के सपनों को साकार करने में, दुनिया की उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश में, कितना थक जाते हैं हम। हम सोचने लगते हैं कि काश, फिर से वो बेफिक्री आ जाए, जो बचपन के दिनों में हुआ करती थी। वाल्ट डिजनी ने कहा था, 'इस दुनिया की मुश्किल यह है कि बहुत सारे लोग बड़े हो गए हैं।'

## नहीं भूलते वो मस्ती भरे दिन

इस दुनिया में शायद ही कोई शख्स होगा, जो अपने बचपन के दिनों में लौट जाने की ख्वाहिश ना रखता हो, जब जिम्मेदारियां कम थीं और खुशियां बेशुमार। होमवर्क को झटपट पूरा किया और घर से बाहर निकल गए कॉलोनी के पार्क में, मकान की छत पर या अपनी बालकनी में। कभी मिट्टी में लथपथ हुए, तो कभी बारिश के पानी में भीगे। बाजार से गेंद नहीं ला पाए तो रद्दी कागजों का गोला बनाकर खेलने लगे। महंगे खिलौने ना हों तो कागज की नाव या पतंग ही सही। बस मस्ती चाहिए थी, हर कीमत पर।

## करें ऐसा, जिसमें आए मजा

आप चाहें तो आज अपने बचपन वाली उम्र भले वापस ना ला सकें, लेकिन 40, 50, 60 साल के होने के बावजूद दिल बचपन का ला सकते हैं। इससे न सिर्फ आपको अनूठी खुशी मिलेगी बल्कि स्ट्रेस लेवल भी कम होगा। याद कीजिए बचपन में हम कितने क्रिएटिव होते थे। हमारे पास हर चीज का विकल्प था। माचिस की बेकार डिब्बियों से टीवी जैसी आकृति बना लेते थे। अखबारों या पत्रिकाओं से कटी तस्वीरों को एक के बाद एक चिपका कर लंबा करना फिर उनके दोनों सिरे पर 2 तिनकों में लपेटना। फिर डिब्बी बीच से काटकर स्क्रीन बनाकर तिनके घुमाते हुए अलग-अलग तस्वीरें

देखना। एक रुपए के लट्टू या 2 रुपए की गेंद से दिनभर खेलना, मस्ती करना। कागज की नाव बनाकर उसे बरसात के पानी में चलाना। चित्रकारी, डांस, कॉमिक्स पढ़ना, किसी गीत की पैरोडी बनाकर उसे गुनगुनाना हमें कितना प्रफुल्लित करता था। अब भी क्या बिगड़ा है! अब भी आप ऐसी क्रिएटिव एक्टिविटी अपनाएं, जो आपको खुशी दे। कुकिंग, डांसिंग, सिंगिंग, ड्राइंग कुछ भी कीजिए ताकि कुछ देर अपनी जिम्मेदारियों को भूल कर उसमें व्यस्त हो जाएं।

## याद करिए गुजरे हुए दिन

किसी ने कहा है, *टूटे बर्तन को खिलौना बना लेते हैं, हम बच्चे हैं हर जगह आशियाना बना लेते हैं।* अगर इसी सिद्धांत पर आज भी चलें तो आप खूब खुश रहेंगे। अगर आप संयोगवश अभी उसी शहर में रहते हैं, जहां आपका जन्म हुआ और बचपन बीता तो कभी उस गली या मोहल्ले में जाइए, जहां आपने बचपन बिताया और उन दिनों को शिद्दत से याद कीजिए। उस मकान के अड़ोस-पड़ोस में रहने वाले लोगों से मिलिए, जहां आप रहते थे। उनसे खूब गपशप कीजिए। अगर आपका शहर बदल गया है तो आप गूगल की मदद से उस मोहल्ले, पार्क या स्कूल को देख सकते हैं, जहां आपने बचपन बिताया था, या फिर फेसबुक के माध्यम से अपने बचपन के दोस्तों को ढूंढ़ कर उनसे बातचीत कर सकते हैं। आपके पास बचपन की तस्वीरों का एल्बम हो तो उन तस्वीरों को देखिए और एक-एक तस्वीर से जुड़ी बातें याद कीजिए। वही वाली टॉफी खरीदकर फिर से खाइए, जो आपको खूब पसंद हुआ करती थी। उस मिठाई की

दुकान पर जाकर समोसा या कचौरी खाइए, जहां के समोसे, कचौरी आप बचपने में बड़े चाव से खाते थे। आप कुछ देर के लिए ही सही अपने बचपन में पहुंच जाएंगे। यकीन मानिए, किसी की लिखी ये पंक्तियां आपको बरबस याद आ जाएंगी कि *नंगे पांव दौड़ते थे उस बचपन में। बढ़ते तजुर्बे ने पैरों में चुभन का एहसास करा दिया।*

## खूब लें राइडिंग का मजा

अपने बचपन को लौटाने के लिए, उन पलों को फिर से जीने के लिए आज के जमाने में बेस्ट प्लेस हैं एम्यूजमेंट पार्क। एम्यूजमेंट पार्क में छोटे बच्चों को खेलते देखकर आपको अपना बचपन याद आ जाएगा। फिर तरह-तरह के राइड्स का आनंद लेना, वहां घूमना-फिरना और मस्ती करना आपके अंतर्मन को पूरी तरह खुश कर देगा। जब मौका मिले, आप ऐसी जगहों पर जरूर जाएं और राइड्स के साथ-साथ वहां मिलने वाले डिफरेंट फूड्स एंज्वॉय करना ना भूलें।

## बचकानी हरकतों से ना झिझकें

किसी ने क्या खूब लिखा है, *झूठ बोलते थे फिर भी कितने सच्चे थे हम। यह उन दिनों की बात है जब बच्चे थे हम।* आपने देखा होगा कि बच्चों को जो पसंद आता है, वे उसे पूरी मस्ती के साथ करते हैं। चाहे खेलना-कूदना हो, गाना हो या नाचना हो। उन्हें इस बात की बिल्कुल परवाह नहीं रहती कि कोई क्या सोचेगा या क्या कहेगा? उनका पूरा ध्यान सिर्फ अपनी खुशी और मस्ती में होता है। आपको भी बिल्कुल वही बेपरवाही अपनानी होगी। अपने हमउम्र दोस्तों के साथ ठहाके मारकर हंसना, चुटकुले सुनाना, डांस करना या जो अच्छा लगता हो करें। यकीन मानिए आप अपनी उम्र काफी कम महसूस करने लगेंगे। इस बारे में मनोचिकित्सक डॉक्टर संजय गर्ग कहते हैं, 'हम वयस्क होकर भी बच्चों जैसी मस्ती कर सकते हैं, लेकिन इसके लिए बनावटी कंफर्ट जोन से बाहर आकर रियल कंफर्ट जोन में जाने के लिए मेंटली प्रिपेयर होना पड़ेगा।' *

---

लाइफस्टाइल / अंजू जैन

कुछ लोगों की आदत होती है कि वे हर छोटी-बड़ी बात पर जरूरत से ज्यादा सोच-विचार यानी ओवर थिंकिंग करते हैं। इससे वे कोई भी निर्णय जल्द नहीं ले पाते हैं। अगर आप भी ऐसी समस्या से ग्रस्त हैं तो यहां बताए जा रहे उपायों को आजमा सकते हैं।

# क्या आप भी करते रहते हैं हर बात पर ओवर थिंकिंग

यह सही है कि कोई भी काम अच्छी तरह सोच-विचार कर करना चाहिए। विचारशीलता और मनन करना अच्छी बात है। लेकिन जब आपका चिंतन, मनन या विचार मंथन जरूरत से ज्यादा समय तक या ज्यादा मात्रा में होने लगता है तो यह अनायास ही चिंता और ओवर थिंकिंग की आदत में तब्दील हो जाता है, जो लाइफस्टाइल को प्रभावित कर सकता है। इसलिए इस हैबिट से उबरने के लिए यहां बताई जा रही बातों पर अमल करें।

**दूसरों पर ध्यान न लगाएं:** हमारा मन अकसर बाहरी कारकों पर ध्यान केंद्रित करने पर उलझा रहता है। जब हम ईर्ष्या, दूसरों द्वारा हमारी आलोचना, दूसरों की सुख-समृद्धि पर ध्यान केंद्रित करते हैं तो हमारा मन अस्थिर और अशांत हो जाता है। इसलिए बेहतर होगा कि हमारी सोच और चिंतन का दायरा उन्हीं चीजों तक सीमित हो, जिन्हें हम सुधार, बदल या नियंत्रित कर सकते हैं। पुस्तक 'हेवनॉट गॉट टाइम फॉर द पेन' में लिखा गया है कि आपको अपने उलझे हुए विचारों को बदलना और उनका समाधान करना सीखना चाहिए। सबसे पहले जानिए कौन से विचार आपको पीड़ा देते हैं? उन विचारों को छोड़ने की कोशिश करें। ज्यादा सोचने से चीजें उलझ जाती हैं। इसलिए जीवन जीने और सोचने की प्रक्रिया को सरल रखें।

**धैर्य बनाए रखें:** यह एक मूलभूत सिद्धांत है कि आप जो अभी बोएंगे उसकी फसल आप बाद में काट पाएंगे। लेकिन हमारा चंचल स्वभाव इस बात को मानता नहीं और वह तुरंत परिणाम न मिलने पर विचलित हो जाता है। अपनी मेहनत के परिणाम के लिए जरा सा धैर्य रखिए फिर भी वांछित नतीजा ना मिले तो उस पर पुनर्विचार करिए।

**भाग्य को न कोसें:** मुश्किल परिस्थितियों में मनुष्य भाग्य को दोष देता है। लेकिन उसका भाग्य अधिकांशतः उसके चरित्र, जुनून, गलतियों और कमजोरी का ही प्रतिबिंब होता है। उसे अपने अवसरों से संतुष्ट रहना चाहिए और उनका फायदा उठाने की युक्ति पर विचार करते हुए स्वयं को बेहतर करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

**परफेक्शन की जिद छोड़ें:** कई लोग पूर्णतावाद के शिकार होते हैं। वह किसी काम को करने के बाद भी बार-बार सोचते हैं कि इसे और कैसे बेहतर किया जाए? अगर आपकी भी यह समस्या है तो इससे उबरें। एक काम के बाद अपनी अगली प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करें।

**टू द पॉइंट सोचें:** आप क्या सोच रहे हैं, क्यों सोच रहे हैं और किन मूल बिंदुओं पर आपका चिंतन है, यह पूरी तरह स्पष्ट होना चाहिए। इसके लिए बिंदुओं को लिख लीजिए। विभिन्न पहलुओं पर गौर कीजिए और फिर सोचिए। ऐसी सोच आपको निर्णय लेने में मददगार होगी और समय भी नष्ट नहीं होगा।

**अनुभवी लोगों से मिलें:** विचार मंथन की प्रक्रिया अगर लंबी खिंच रही हो और आप किसी निर्णय पर नहीं पहुंच पा रहे हों तो अनुभवी व्यक्तियों से सलाह लें। कुछ परिस्थितियों में सबसे अच्छा यह होता है कि आप अपनी गट फीलिंग का उपयोग करें। आपका अंतर्मन यानी सिक्स्थ सेंस जो कहे उसे ही सही मानें। कई शोध हो चुके हैं, जिनसे पता चलता है कि गट फीलिंग और लॉजिकल सोच का संयोजन सही निर्णय लेने में मददगार होता है।

**मन को थकाने से बचें:** आपको हर दिन छोटे-बड़े सैकड़ों निर्णय लेने होते हैं, जो आपके मन को थका सकते हैं। ऐसे में बहुत जरूरी है कि अपने दिमाग की शक्ति को बचाने के लिए एक दिनचर्या बनाएं, जिसमें उलझे हुए विषयों पर विचार के लिए एक वक्त तय कर दें। इसी समय जरूरी बातों पर निर्णय लें। बेवजह विचारों के सागर में डूबे रहना समय और ऊर्जा की बर्बादी है। इसकी बजाय सकारात्मक सोच के बीज बोएं और जरूरी चीजों पर विचार करें। पुस्तक 'डेवलपिंग इन टू, हेल्दी थिंकर्स' में कहा गया है कि सकारात्मक वाक्य हमें एक खुशहाल और भयमुक्त जीवन बनाने में प्रभावशाली रूप से मदद करते हैं। अपनी आवश्यकताओं के अनुसार सूक्तियां चुनें या अपने प्रेरक वाक्यांश बनाएं और उन पर अमल करें।

**समय पर छोड़ दें:** अगर आप यह सोचकर चिंतित रहते हैं कि पता नहीं कोई समस्या सुलझेगी या नहीं, तो याद करें अतीत में आपने कितनी ही समस्याओं को सुलझाया है। इससे आपकी थिंकिंग पॉजिटिव साइड में चली जाएगी। इसके साथ ही आपको यह भी याद रखना चाहिए कि कई समस्याएं तो समय के साथ सुलझ जाती हैं। ओवर थिंकिंग से बचने का सबसे आसान तरीका पुस्तक 'स्टॉप लुक एंड लिसन' में बताया गया है। इस पुस्तक में विस्तार से समझाया गया है कि आप वर्तमान में जिएं और उस क्षण को पूरी तरह महसूस करें। जिंदगी को एक तय उद्देश्य के साथ आगे बढ़ाएं। कर्म पर विश्वास करें और अपनी मानसिक स्थिति पर नियंत्रण रखें। *

---

सजेशन
मोनिका शर्मा

# स्मार्ट गैजेट्स से दूर रहकर भी मिल सकती है खुशी-सुकून

हालांकि आज के दौर में स्मार्ट गैजेट्स से पूरी तरह दूर रहना तो संभव नहीं रह गया है। लेकिन अगर केवल इस पर इंटरनेट यूज को कंट्रोल कर लें तो भी खुशी और सुकून हासिल कर सकते हैं।

सब कुछ पा लेने से ही सुकून नहीं मिलता। खुशी का मतलब दुनिया भर से जुड़े रहना ही नहीं होता। टेक्नीक के घेरे में घिरी आज की जिंदगी में स्मार्ट तकनीकों से लैस गैजेट्स से दूरी बनाना भी मन को सुख दे सकता है। वर्चुअल दुनिया में अनजान लोगों तक से जुड़ने और हर पल जुड़े रहने के बजाय, स्क्रीन की मौजूदगी पर लगाम लगाना भी मन को खुशी दे सकता है। टिक-टिक की आवाज पर हमारा ध्यान भटकाते नोटिफिकेशंस को बंद रखना भी मन को शांत सहज रख सकता है। कनाडा और अमेरिका में हुआ एक ताजा अध्ययन नोटिफिकेशंस की टोन पर भागते मन की लगाम थामकर असली दुनिया में सच्चे सुख को जीने की बात पुख्ता करता है।

**टिक-टिक पर कंट्रोल के लाभ:** बीते कुछ वर्षों में स्मार्टफोन का साथ एक आदत बन गया है। बहुत से लोगों के लिए तो स्क्रीन में झांकते रहना किसी लत से कम नहीं। वहीं इस आदत के खामियाजों को समझकर खुद को वर्चुअल व्यस्तता से बचाने के प्रयास भी खूब किए जा रहे हैं। हालांकि आज के समय में फोन एक जरूरत भी बन गया है। इससे पूरी तरह दूर रहना भी मुश्किल है। पर इसके लती बनने से तो बचा जा सकता है। अमेरिका और कनाडा की कुछ यूनिवर्सिटीज द्वारा एक महीने तक 467 आईफोन यूजर्स पर की गई एक रिसर्च इस मोर्चे पर सही और सहज राह दिखाती है। असल में इस स्टडी में शामिल होने वाले लोगों को फोन का उपयोग पूरी तरह बंद करने की बजाय इंटरनेट का इस्तेमाल न करने को कहा गया था। इन लोगों के फोन में बाकायदा एक एप डाउनलोड की गई थी, जो फोन

पर मोबाइल इंटरनेट ब्लॉक करने से जुड़ी थी। अध्ययन में सामने आया कि इंटरनेट बंद रखना लोगों का फोकस बढ़ाने और दिमाग भी जवान करने में मददगार साबित हो सकता है। इतना ही नहीं कुछ दिनों तक अगर फोन में ऐसी सेटिंग रखी जाए तो मूड में भी सुधार हो सकता है। इंसान का दिमाग तो 10 साल तक जवान हो सकता है। स्पष्ट देखने में भी आ रहा है कि पल-पल मिलते नोटिफिकेशंस यूजर्स का ध्यान भटकाने और मेमोरी लॉस का कारण बन रहे हैं। ऐसे में इंटरनेट सेटिंग्स के माध्यम से टिक-टिक पर लगाम लगाने के बहुत लाभ यूजर्स को मिल सकते हैं। आम लोगों के लिए भी खुद को स्मार्ट गैजेट्स से दूर रखने के लिए कुछ समय तक मोबाइल इंटरनेट बंद रखने का यह रास्ता अपनाने योग्य है।

**सेटिंग्स का खास असर:** फोन की सेटिंग्स चेंज करना कोई बड़ा बदलाव प्रतीत नहीं होता पर इसका असर बहुत अहम है। एक महीने की इस रिसर्च में दो हफ्ते बाद ही लोगों पर मोबाइल इंटरनेट बंद रखने की साधारण सी सेटिंग्स का असाधारण प्रभाव दिखने लगा। अध्ययन में शामिल लोगों ने माना कि वे पहले से ज्यादा खुश हैं। साथ ही अपनी जिंदगी को लेकर उनमें संतुष्टि का भाव भी बढ़ गया है। टिक-टिक या कोई और नोटिफिकेशन टोन को बंद रखने से यूजर्स को ना केवल मानसिक तौर पर स्वस्थ महसूस हुआ बल्कि यह बेहतरी से जुड़े ये बदलाव कॉग्नेटिव बिहेवियरल थेरेपी के बराबर थे। रिसर्च में शामिल लोगों ने बताया कि फोकस्ड रहने को लेकर भी उन्होंने पॉजिटिव बदलाव महसूस किए। साथ ही अटेंशन टेस्ट में इन लोगों के दिमाग ने अपने से 10 साल जवान लोगों के बराबर परफॉर्म किया।

**हर फ्रंट पर पॉजिटिव बदलाव:** इस स्टडी में सामने आया कि लोगों ने फोन छोड़कर अपने से जुड़े इंसानों के साथ ज्यादा समय बिताया। अच्छे से नींद लेने और एक्सरसाइज करने पर भी ध्यान दिया। लोगों ने हर रात औसतन 17 मिनट अधिक नींद ली। इन नतीजों को देखते हुए रिसर्चर का कहना है कि स्मार्ट फोन से पूरी तरह दूरी नहीं बनाई जा सकती पर इसके इस्तेमाल में बैलेंस रखना बहुत आवश्यक है। यह बहुत व्यावहारिक सा पक्ष है कि हर पल मिलते नोटिफिकेशंस से दूर रहना मानसिक ठहराव देने का काम करता है। यह ठहराव एकाग्रता की सौगात देता है। फोकस्ड रहने वाला इंसान कामकाजी संसार में बेहतर परफॉर्म कर पाता है। *

---

नवगीत
माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

## कांच के बर्तन

नहीं होते भरोसेमंद
कांच के बर्तन
करने लगते हैं हवा के
सामने नर्तन।
फिजूल दूध को खौलाते रहे
मथ डाले
निकाल लेते हैं मलाई
बेचने वाले
हक में आता है क्रेताओं
के अब खुरचन।
सिर्फ बदली हैं तख्तियां
बदले हैं मुखड़े
नई नहीं है संरचना
बदले हैं टुकड़े
हुआ नहीं है सालों से
कोई परिवर्तन।
काटने की लगी है होड़
अंधभक्तों में
फल और फूल नहीं दिखते
अब दरख्तों में
मांगने के लिए
होता है मिथ्या अर्चन।
स्वयंभू गुरुओं के चेलों
की हैं दुकानें
बखान करते हैं बौद्धिकता
के अफसाने
अपने जैसों के आगे
करते हैं गर्जन।
घरों को लूट रहे हैं
उनके रखवाले
जुबां पे आम आदमी के
पड़े हैं ताले
असत्य बोला नहीं करते
कभी भी दरपन।

---

व्यंग्य/ अंशुमाली रस्तोगी

लोग सोने के महंगा होने पर, अदृश्य डर के कारण, उसे लॉकर में डलवा देते हैं, जबकि मैंने सोना घर में ही रख छोड़ा है। वो इसलिए कल को अगर चोर मेरे घर चोरी करने आता है तो उसे निराश होकर न लौटना पड़े।

# सोना और चोर

सोना जब देखो तब बमचक मचाए ही रहता है। ऐसे में न खरीदने वालों के हाथ आ पाता रहा है, न चोरों के। इससे सबसे अधिक 'आर्थिक नुकसान' हमारे चोर भाइयों का होता है। बेचारे न सोना चुरा पाते हैं, न बेच। महंगे होने के कारण लोगों ने सोना पहनना भी कम कर दिया है। और घर में जो रखा होता है, उसे लॉकर में डलवा देते हैं। अब चोर किस मुंह से किसी के घर चोरी करने जाए। सोना ही एक ऐसा आइटम है, जिसे चुराकर वे अच्छी कमाई कर लेते हैं। अपना घर चला लेते हैं। लेकिन उस पर भी अकसर ही ग्रहण लग जाता है। इसलिए छिनैती की घटनाएं भी अब घट गई हैं। वरना पहले तो चेन-कुंडल खींचने की वारदातें आए दिन अखबारों में पढ़ने को मिल जाया करती थीं। महिलाएं भी बड़ी अजीब हैं। अरे, अपने लिए नहीं तो कम से कम चोरों की भलाई के लिए ही सोना पहन कर घर से बाहर निकला करें। ताकि उन बेचारों की भी दुकान चलती रहे। एक यही तो उनकी कमाई का जरिया है, उस पर भी महंगाई की मार। घोर अन्याय है चोर बिरादरी के साथ। मैं इसकी सख्त शब्दों में मजम्मत करता हूं। सरकार को इस बारे में जरूर कुछ सोच-विचार करना चाहिए।

सोने के संग समस्या यही है कि वो कब बढ़ जाता है, कुछ पता नहीं चलता। रात भर में अपना दांव खेल देता है। लोगों ने भी सोने के प्रति ना जाने क्या मोह पाल रखा है कि रोटी पानी में डुबोकर खा लेंगे, लेकिन सोना जरूर खरीदेंगे। चाहे घर में खुद के रहने के लिए जगह न हो पर सोना जरूर रखेंगे। पहनने को चाहे ढंग के कपड़े न हों पर सोना जरूर पहनेंगे। मतलब हद है। यह नहीं होता कि थोड़ा सोना चोरों को भी दे दें ताकि उनका घर-परिवार भी चलता रहे। किसी गरीब की भलाई करने में दुआएं ही मिलती हैं।

चोरी करना कितना जोखिम भरा काम है, यह तो कोई चोर से ही पूछे। किसी अनजान घर में जाकर चुराई करना, मेरे तो सोचकर ही पसीने छूट जाते हैं। यहां मैं कलम चलाकर ही खुद को ऊंचा लेखक मानता हूं। अजी, कलम का क्या है कोई भी चला सकता है। परंतु चोरी हर कोई नहीं कर सकता। इसके लिए जिगर और इच्छाशक्ति दोनों की भरपूर जरूरत होती है। कभी-कभी तो चोर मुझे, लेखकों से कहीं अधिक सरल और सच्चे जान पड़ते हैं। लेखक चूंकि बुद्धिजीवी होता है, इसलिए हर समय शब्दों-भाषा का जाल बुनता रहता है। चोर सिर्फ चोर होता है। अपने धंधे से मतलब रखता है। यहां-वहां अपनी टांग नहीं फंसाता फिरता। वो तो खामख्वाह मैं लेखक बन गया, जबकि मुझे तो चोर ही बनना चाहिए था।

लोग सोने के महंगा होने पर, अदृश्य डर के कारण, उसे लॉकर में डलवा देते हैं, जबकि मैंने सोना घर में ही रख छोड़ा है। वो इसलिए कल को अगर चोर मेरे घर चोरी करने आता है तो उसे निराश होकर न लौटना पड़े। उसका भी घर-परिवार चलता रहे। वो मुझे दुआएं दे। सोने का क्या है, वो तो पैसे की तरह हाथ का मैल है। आज है, कल नहीं। बल्कि मैं तो कहता हूं, देश के हर नागरिक को चोरों का ख्याल रखना चाहिए। ज्यादा नहीं तो महीने में दो चोरियां तो अपने घर में करवा ही लेनी चाहिए। बड़े-बुजुर्ग भी कह गए हैं, धन बांटने से बढ़ता है।

सही बोल रहा हूं, सोने का चोरी चला जाना पुण्य का काम है। इससे घर में बरकत बनी रहती है। सोने का महंगा होना चोरों के पेट पर लात है।

मुझे आम आदमी की सोने के पीछे दीवानगी कभी समझ नहीं आई। जिसे देखो वो सोना जोड़ने में लगा पड़ा है। कोई शौक के लिए जोड़ रहा है तो कोई शादी के लिए जोड़ रहा है तो कोई आड़े वक्त के लिए जोड़ रहा है। अमां, क्या कीजिएगा इतना सोना जोड़कर। जबकि साथ कुछ नहीं ले जाना है फिर भी...। यही सोना जब चोरी चला जाता है तब रोते हैं। चोरों को बद्दुआएं देते हैं। थाने में रपट लिखवाते हैं। बेवजह पुलिस वालों को भी परेशान करते हैं। मैं तो फिलहाल इस प्रतीक्षा में हूं कि सोना जल्द थोड़ा और नीचे आ जाए और चोरों का कारोबार फिर से चल निकले। मुझे यह कतई अच्छा नहीं लगता कि हम खाएं और चोर बेचारे हमारा मुंह ताकें। उनका दाना-पानी भी चलता रहे तो क्या हर्ज है। *

---

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

# सर्जना और व्याख्या

वरिष्ठ लेखक-पत्रकार अवधेश श्रीवास्तव साहित्य के गंभीर पाठक-विवेचक भी हैं। लंबे समय से वे विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं के लिए पुस्तक समीक्षाएं लिखते रहे हैं। हाल में उनकी लिखी समीक्षाओं का संकलन 'सर्जना और व्याख्या' पुस्तकाकार में आया है। इसमें उनके द्वारा लिखी गई तीस पुस्तकों की समीक्षाएं संकलित हैं। अवधेश श्रीवास्तव पुस्तकों का मूल्यांकन पूरी गंभीरता से करते हैं। वे अगर किसी किताब की विशिष्टताओं को रेखांकित करते हैं तो उसकी खामियों पर भी अंगुली रखने से परहेज नहीं करते हैं। यहां विष्णु प्रभाकर, भगवती चरण वर्मा, असगर वजाहत, अलका सरावगी, गोविंद मिश्र, शिवमूर्ति, राम दरश मिश्र, ओम निश्चल आदि की पुस्तकों के अलावा अर्नेस्ट हेमिंग्वे के अनूदित उपन्यास 'शस्त्र विदाई' की समीक्षा भी पढ़ी जा सकती है। *

**पुस्तक:** सर्जना और व्याख्या (समीक्षात्मक लेख)
**लेखक:** अवधेश श्रीवास्तव, **मूल्य:** 250 रुपए,
**प्रकाशक:** शांभवी प्रकाशन, गाजियाबाद

## तरकश
-संजय के. दीक्षित

### प्लेसमेंट का बड़ा खेल
विधानसभा के प्रश्नकाल में कल अजय चंद्राकर के सवाल के जवाब में खुलासा हुआ कि राजधानी रायपुर में आठ साल पहले खुला दिव्यांग कॉलेज प्लेसमेंट के लोगों से संचालित हो रहा है। प्लेसमेंट के लोग वहां तबला वादन भी सीख रहे और कंप्यूटर चलाना भी। कॉलेज के लिए स्वीकृत 31 पदों से 30 पद आठ साल से खाली हैं। कह सकते हैं, सिस्टम ने दिव्यांगों के कॉलेज को भी दिव्यांग बना दिया। बहरहाल, ये सिर्फ एक कॉलेज का मामला नहीं है। रायपुर के सरकारी डेंटल कॉलेज के प्रिंसिपल भी कई साल तक प्लेसमेंट में रहे। छत्तीसगढ़ में प्लेसमेंट का वायरस दशक भर पहले आया और अब कड़वा सच यह भी कि सरकार का कोई विभाग ऐसा नहीं, जो प्लेसमेंट नाम के वायरस से बचा हो। कई विभागों की स्थिति यह है कि वहां रेगुलर स्टॉफ से ज्यादा प्लेसमेंट के लोग हो गए हैं। चाहे वह इंद्रावती भवन हो या फिर मंत्रालय। मंत्रालय के प्यून भी प्लेसमेंट में हैं। दिक्कत यह है कि प्लेसमेंट के इन मुलाजिमों पर सरकार का पैसा भी खर्च हो रहा और विधानसभा के हर सत्र में उसे इस सवाल का सामना भी करना पड़ता है...फलां-फलां विभाग में इतना पद खाली क्यों?

### प्लेसमेंट में बड़ा खेल-1
प्लेसमेंट एजेंसियों के लिए छत्तीसगढ़ चारागाह बनता जा रहा है। दस साल पहले जो कंपनियां लाखों में थीं अब करोड़ों में खेल रही हैं। छत्तीसगढ़ की शोहरत सुन देश भर से कंपनियां रायपुर भागे आ रही हैं। दरअसल, इस काम में प्लेसमेंट कंपनियों को सिर्फ फायदे-ही-फायदे हैं। इसमें अफसरों को एक बार उनकी कीमत दे दो उसके बाद फिर उसका दस गुना वसूलते रहो। बता दें, आजकल प्लेसमेंट में भर्ती के लिए भी लोगों को मोटा रिश्वत देना पड़ रहा है। शर्त ये भी होती है कि महीने की सेलरी का इतना परसेंट प्लेसमेंट एजेंसी को देना होगा। फिर, किस एजेंसी के कितने लोग कागजों पर काम कर रहे और कितने टेबल पर, इसे कोई देखने वाला नहीं। जो देखने वाला है, वह पहले ही अपनी कीमत ले चुका होता है। बड़े अफसरों को उपकृत करने उनके कुछ नाते-रिश्तेदार या करीबी को लाखों की सेलरी में इंगेज कर देती हैं। कुल मिलाकर प्लेसमेंट के इस खेल में पिस रहे हैं तो वहां काम करने वाले कर्मचारी। पहले सरकारी नौकरी के लिए पैसे देने होते थे मगर अब प्लेसमेंट में भी घूस देने पड़ रहे, उपर से कुछ महीने में रिचार्ज कराने का झंझट भी। उपर से, प्लेसमेंट कर्मचारियों की कोई एकाउंटेबिलिटी होती नहीं, सो कई सेंसेटिव जानकारियां भी लीक हो रही, जो पहले गोपनीय होती थीं।

### स्पीकर की नसीहत
दिव्यांग कॉलेज के खाली पदों का मामला विधानसभा में उठा तो समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े ने विपक्ष पर ठीकरा फोड़ते हुए कहा कि 2017 में पद स्वीकृत हुए थे, 2018 में हमारी सरकार हार गई। इसके बाद कांग्रेस की सरकार ने पांच साल में कुछ नहीं किया। दरअसल, पिछले कुछ सत्रों में कई मंत्रियों ने पिछली सरकार का नाम लिया तो इसका औचित्य भी था। मगर अब काफी समय हो गया है। सो, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने इसे पकड़ लिया। उन्होंने तल्खी से कहा...आप ये कहकर बच नहीं सकतीं...अब आपको डेढ़ साल हो गया है...सीधा-सीधा बताइये कि आप कब तक व्यवस्था सुधार देंगी। स्पीकर के इस दो टूक पर मंत्री किंचित सकपकाईं, फिर बोलीं...जल्द-से-जल्द ये कोशिश करेंगी।

### जेम का खेल
छत्तीसगढ़ में करप्शन का रिकार्ड बन जाता। 32 हजार में स्टील का जग आदिवासी हॉस्टल में सप्लाई हो चुका होता...मगर उससे पहले पकड़ में आ गया। और, राज्य का नाम खराब होने से बच गया। दरअसल, जेम का यह खेल सिर्फ छत्तीसगढ़ में नहीं है। बाकी राज्यों में कार्रवाई होती है, इसलिए वहां सप्लायरों में डर होता है...छत्तीसगढ़ में आज तक किसी सप्लायर और अधिकारी को उल्टा टांगा नहीं गया, सो लिमिट क्रॉस कर गया है। खैर, सिस्टम के लिए यह गंभीर चिंतन का सब्जेक्ट हो सकता है कि सप्लायरों ने सरकारी मुलाजिमों के साथ मिलकर जेम का तोड़ निकाल लिया है, उससे निबटा कैसे जाए। छत्तीसगढ़ में सीजीएमएससी से लेकर जितने विभागों में सप्लाई के काम हो रहे, सभी में एक ही खेल चल रहा। पहले संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर डील कर लो। टेंडर में ऐसा क्लॉज जोड़ दिया जाएगा, जो वह कंपनी ही पूरी करती है। फिर एक ही सप्लायर कई फार्म बनाकर रखता है। अपने ही तीन फार्मों के नाम पर तीन टेंडर भर देगा। और एल1 के नाम पर काम हासिल कर लेता है। 32 हजार में स्टील का जग इसी तरह एल1 आ गया था। इन फार्मों का पता-ठिकाना खोजने जाने पर कोई किराना दुकान मिलेगा या फिर कोई मुहल्ले के बीच एक बंद पड़ा मामूली कमरा मिलेगा। अब वक्त आ गया है कि सप्लायरों के खेल का तोड़ निकाला जाएगा। उसी तरह जिस तरह जीएसटी सिकरेट्री ने जीएसटी चोरी को तोड़ निकाला है। जीएसटी से रेवेन्यू में तभी छत्तीसगढ़ ने सारे बड़े राज्यों को पीछे छोड़ दिया है।

### सिस्टम पर सप्लायर भारी
कुछ अरसा पहले सीजीएमएससी में मोक्षित कारपोरेशन के इशारे के बिना पत्ता नहीं हिलता था। टेंडर, सप्लाई तो छोटी बात थी, सीजीएमएससी में किस अफसर की पोस्टिंग करनी है और किसे हटवाना, ये वही तय करता था। चलिये वो तो एक नमूना था...छत्तीसगढ़ में ऐसे कई मोक्षित हैं, जो खुला खेल...फर्रुखाबादी की तरह काम कर रहे हैं। पिछले कुछ सालों में वे इतने ताकतवर हो गए हैं कि उनका कोई कुछ कर भी नहीं सकता। उनकी नेटवर्किंग इतनी जबर्दस्त है कि मैदानी अफसरों से पहले उन्हें पता चल जाता है कि सरकार में क्या चल रहा, क्या खरीदी करनी है। और वे उन जिलों में धमक जाते हैं। उनके पास हर बीमारी का इलाज होता है। जन्मदिन से लेकर दशहरा, दिवाली में महंगे गिफ्ट भेंटकर सारे बड़े हाउसों को ऐसे सेट करके रखते हैं कि एक ने उनका काम रोका, तो दूसरी जगह, दूसरी नहीं तो तीसरी जगह से फोन करा देंगे। यहां से अगर बात नहीं बनी तो फिर यूपी या दिल्ली से कनेक्शन ढूंढ निकालेंगे। ऐसे में, छत्तीसगढ़ में ठेका, सप्लाई और टेंडर में करप्शन रोकना नामुमकिन जैसा प्रतीत होता है।

### आईएएस को बदनाम, ट्रांसफर
सिस्टम पर सप्लायर किस कदर भारी पड़ रहे हैं, इस वाकये से आपको पता चल जाएगा। तीन-चार साल पहले की बात है। सीजीएमएससी में धोखे से एक ठीकठाक छबि वाले आईएएस को एमडी बना दिया गया था। चूंकि अफसर ईमानदार होगा, तो मक्खी गिरा दूध नहीं पियेगा। सो, उसने सारे गड़बड़झालों की फाइलों को रोक दी। इसके बाद सप्लायरों ने ऐसा बवाल काटा कि पूछिए मत! हर तरफ एक ही चर्चा थी...फलां ने दवा और मेडिकल इक्विपमेंट की फाइलें रोक दी...कोई काम ही नहीं हो रहा...अस्पतालों में हाहाकार मचा हुआ है। इसका नतीजा यह हुआ कि आईएएस का वहां से ट्रांसफर हो गया। छत्तीसगढ़ में यह है सप्लायरों और ठेकेदारों का पावर।

### छत्तीसगढ़ कैडर के ऐसे आईएएस
छत्तीसगढ़ कैडर के आईएएस रहे बीवीआर सुब्रमणियम विजन डॉक्यूमेंट के विमोचन के सिलसिले में रायपुर में थे। सुब्रमणियम जब 2017 में जम्मू-कश्मीर के चीफ सिकरेट्री बनकर श्रीनगर गए थे, तब यहां एसीएस होम थे। वे अगर छत्तीसगढ़ में रहे होते तो हो सकता था कि यहां सीएस बन जाते। मगर वे ऐसा चाहते नहीं थे, न ही उनका कोई प्रयास दिखा। मोदी सरकार ने उन्हें खुद ही बुलाकर जेके का चीफ सिकरेट्री बना दिया। अपने मित्रों में बीवीआर के नाम से जाने जाने वाले सुब्रमणियम ने कश्मीर से धारा 370 हटाने का ड्राफ्ट बनाने में अहम भूमिका निभाई। इसका उन्हें ईनाम भी मिला। केंद्र में सिकरेट्री बनने वाले वे छत्तीसगढ़ कैडर के पहले आईएएस बने। और वहां से रिटायर होने के बाद मोदी सरकार ने उन्हें नीति आयोग का सीईओ बनाया। सुब्रमणियम रिजल्ट देने वाले अफसर माने जाते हैं। नीति आयोग में भी उन्होंने रिफार्म कर दिया। छत्तीसगढ़ की ब्यूरोक्रेसी को सुब्रमणियम पर गर्व हो सकता है। एसीएस रहते उन्होंने छेड़छाड़ के आरोपी एआईजी को चौतरफा प्रेशर के बाद भी बर्खास्त कराकर ही माना। तब कैबिनेट के कई सदस्य मन मसोसकर रह गए थे। ये अलग बात है कि उनके जाने के बाद एआईजी फिर बहाल हो गए।

### आईएएस की लिस्ट
चिंतन शिविर के बाद अब विधानसभा का मानसून सत्र भी निबट गया है। राज्योत्सव से पहले सरकार के सामने कोई बड़ा इवेंट नहीं है। सरकार अब योजनाओं के क्रियान्वयन पर अपना फोकस बढाएगी। ग्राम सुराज में आए आवेदनों का रिव्यू किया जाएगा। दो-तीन जिलों के कलेक्टरों का ट्रांसफर भी हो सकता है। आईएएस अवार्ड वाले अधिकारियों में से वैसे तो ज्यादातर अच्छी पोस्टिंग में हैं, मगर जो बचे हैं, उन्हें उम्मीद होगी कि आईएएस के अनुरूप में पदास्थापना मिलेगी। बालोद जिले में कुछ महीने से जिला पंचायत सीईओ का पद खाली है, उसे भी भरा जा सकता है। गरियाबंद और जीपीएम जिले में तबाही की स्थिति है...भगवान भरोसे पूरा सिस्टम चल रहा। पीएम आवास सरकार का अहम प्रोजेक्ट है, इस पर भी कई जिलों के कलेक्टरों का ध्यान नहीं है। सरकार जब तक दो-चार कौवा मारकर नहीं लटकाएगी, तब तक सब....ऐसा ही चलता रहेगा।

### कांग्रेस में नो चेंज!
कुछ महीने पहले की ही बात है। दीपक बैज की जगह टीएस सिंहदेव को पीसीसी का अध्यक्ष तय मान लिया गया था...कभी भी उनके नाम का ऐलान होने के दावे किए जा रहे थे। मगर अब स्थिति यह है कि इस पर कोई बात भी नहीं कर रहा। अलबत्ता, रायपुर में पार्टी की जंगी सभा के बाद तो दीपक बैज का वजन और बढ़ गया है। डेढ़ साल पहले करारी पराजय के बाद कांग्रेस इतनी जल्दी उठ खड़ी होगी, इसको देख सियासी पंडित भी चकित हैं। जाहिर है, 2018 की हार के बाद बीजेपी को संभलने में लंबा वक्त लगा। पांचवे साल में भी मोदी, अमित भाई, मनसुख भाई और नीतीन नबीन ने जलवा नहीं दिखाया होता, तो बीजेपी किस हाल में होती, पता नहीं। बहरहाल, बात दीपक बैज की तो बरसते पानी में हजारों की सभा कराने के बाद वे आदिवासी नेताओं की बैठक में शिरकत कर दिल्ली से लौट चुके हैं। राहुल गांधी के साथ उनकी नजदीकियां बढ़ने की भी खबरें आ रही हैं। ऐसे में, नहीं लगता कि आने वाले समय में दीपक बैज को पार्टी पीसीसी चीफ से हटाएगी। उमेश पटेल, देवेंद्र यादव, विकास उपध्याय और शिव डहरिया में से दो-तीन कार्यकारी अध्यक्ष जरूर बनाए जा सकते हैं।

### मंत्रियों का हनीमून, नेताओं के सपने
अचरज की बात यह है कि हमेशा लाइव रहने वाले बीजेपी के नेता इस समय किधर हैं, पता नहीं चल रहा। विपक्ष के बेसिर पैर के आरोपों पर भी पार्टी नेताओं की चुप्पी नहीं टूट रही। दीपक बैज ने 32 हजार के ऐसे जग पर ट्वीट कर सनसनी पैदा कर दी, जो खरीदी ही नहीं गई। ऐसे कई मसले हैं, जिस पर पार्टी खुल कर प्रतिक्रिया नहीं दे रही और न ही सरकार में बैठे मंत्री। असल में, दिक्कत यह है कि विधानसभा चुनाव में अप्रत्याशित जीत से पार्टी के लोकल नेताओं का दिमाग सातवें आसमान पर चढ़ गया...सरकार हमने बनवाई तो हमारा कुछ होना चाहिए। सबको लाल बत्ती चाहिए या फिर बड़ा ठेका और सप्लाई। वास्तविकता यह है कि कैडर बेस पार्टी कही जाने वाली बीजेपी ने डेढ़ साल में ढंग का एक कार्यक्रम नहीं किया है। सरकार के मंत्री हनीमून से उबर नहीं पा रहे तो नेता लाल बत्ती के सपने से बाहर नहीं आ रहे। चिंतन शिविर में पार्टी अध्यक्ष जगतप्रकाश नड्डा ने मंत्रियों को आखिर ऐसे थोड़े ही चेताया। कुछ मंत्रियों का ये हाल है कि जो कार्यकर्ता उनके चुनाव में बढ़-चढ़कर काम किया, बंगले में उसकी इंट्री नहीं है, फोन उठाने की बात दीगर है।

### *अंत में दो सवाल आपसे*
*1. अधिकारियों द्वारा होमवर्क करवा कर भेजने के बाद भी कई मंत्री विधानसभा में जाकर विभाग का नाम क्यों खराब कर डालते हैं?*

*2. एक मंत्री का नाम बताइये, जो छंटनी के खतरे से घबराकर इन दिनों सामाजिक कार्यक्रम कराने में जुट गए हैं?*

## पेज एक के शेष

### प्रदेश में 86200 राशन कार्ड...
जिन-जिन जिलों में डुप्लिकेट आधार वाले राशन कार्ड मिले हैं, उनका दोबारा भौतिक सत्यापन कराया जा रहा है। विभागीय सूत्रों के अनुसार दोबारा भौतिक सत्यापन में जिन लोगों के कार्ड डुप्लिकेट आधार वाले पाए जाएंगे, उनके कार्ड तत्काल निरस्त किए जाएंगे।

### ई-केवाईसी के दौरान...
भी बंद हो गई है। इधर केवाईसी होने से राशन कार्ड में हुई गड़बड़ी एवं फर्जीवाड़ा के मामले भी सामने आए हैं। केवाइसी के माध्यम से कार्ड सदस्यों के किए गए भौतिक सत्यापन में प्रदेश में 86 हजार 2 सौ सदस्य ऐसे मिले हैं, जिनके आधार डुप्लिकेट पाए गए। यानी ये कार्ड सदस्यों ने जुगाड़ लगाकर डुप्लिकेट आधार बनवाकर प्राप्त किए थे।

### ट्रंप का दावा...
रहे थे। ट्रंप ने कहा, भारत और पाकिस्तान एक-दूसरे से भिड़ रहे थे और स्थिति गंभीर होती जा रही थी। हमने व्यापार के जरिये इसका समाधान किया।

### गीले व मिट्टी ....
अनुरूप विद्युत उत्पादन नहीं हो रहा है। सबसे ज्यादा असर कोरबा पश्चिम संयंत्र में देखने को मिल रहा है। गीले व कीचड़युक्त कोयले की वजह से इकाइयों को कम लोड पर चलाना पड़ रहा है। 1340 मेगावाट क्षमता वाले इस संयंत्र में महज 714 मेगावाट विद्युत उत्पादन किया जा रहा है। बारिश की वजह से कोरबा पश्चिम संयंत्र के कोल स्टॉक में रखा कोयला गीला हो गया है, वहीं खदानों से भी गीले व मिट्टी युक्त कोयले की आपूर्ति की जा रही है। संयंत्र में कुसमुंडा खदान से कन्वेयर बेल्ट के जरिए कोयले की आपूर्ति की जाती है।

### जाम हटाने में ....
दरअसल गीले कोयले की वजह से मील में लगे पाइप लाइन और हाफर की शूट अगर 2 से 3 बार चोक होता है तो संयंत्र प्रबंधन को संयंत्रों में उत्पादन घटना पड़ जाता है।

### नाइजर में आतंकी हमला...
चिंताजनक सुरक्षा हालातों के बीच हमेशा सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

### इसलिए की गई...
ऑनलाइन शॉपिंग साइट ने पुलिस के निर्देश का पालन नहीं करते हुए बदमाशों को चाकू उपलब्ध कराया, जिसकी वजह से एक व्यक्ति की जान चली गई।

### चैतन्य की गिरफ्तारी पर...
में ईडी की कार्रवाई पर विस्तृत चर्चा की गई। सभी ने ईडी की कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित तथा बदले की कार्रवाई बताया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जल, जंगल, जमीन की लूट की सहभागी बनी हुई है। सरकार के संरक्षण में अडानी प्रदेश के जंगलों को कटवा रहा है, उसका विरोध करने पर केंद्र सरकार ईडी की कार्रवाई करवाती है। कांग्रेस पार्टी पूरी एकजुटता से इसका विरोध करेगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रदेश के सभी राष्ट्रीय राजमार्गों, जिलों, प्रमुख शहरों के मुख्य मार्गों में 22 जुलाई को दोपहर 12 से 2 बजे तक चक्का जाम कर अडानी के लूट के खिलाफ आर्थिक नाकेबंदी की जायेगी। बैठक में नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत, भूपेश बघेल, पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव समेत सभी विधायक और संगठन के कई नेता शामिल हुए।

**ध्यान भटकाने रेड :** पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने राजीव भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस लेकर कहा, पेड़ कटाई को लेकर नेता प्रतिपक्ष की ओर से विधानसभा में स्थगन प्रस्ताव लाया गया था। इससे ध्यान भटकाने के लिए सुबह छह बजे ईडी की रेड पड़ी। पिछली बार भी रेड मारी गई थी, लेकिन इस बार मैं विधानसभा पहुंचने में सफल रहा। आरोप लगाते हुए कहा, ये बीजेपी की सोची-समझी रणनीति है। चाहे देवेंद्र यादव हों, सतनामी समाज के नेता हों, उन्हें एक केस में फंसाया गया। आदिवासी की आवाज दबाने के लिये कवासी लखमा को जेल में डाला गया। मेरा बेटा जो राजनीति में भी नहीं है, उसे भी टारगेट किया जा रहा है।

**केदार का तंज, जनता का धन गांधी परिवार के लिए अधिग्रहित :** कांग्रेस की 22 जुलाई को प्रदेश में आर्थिक नाकेबंदी के ऐलान पर मंत्री केदार कश्यप ने तंज कसते हुए कहा, कांग्रेस ने तो प्रदेश का धन गांधी परिवार के लिए अधिग्रहित कर लिया था। पहले उस बात को स्पष्ट करें, तब आर्थिक नाकेबंदी की बात करें। जनता ने जो कांग्रेस को रास्ता दिखाया है, आने वाले समय में उससे बदतर रास्ता दिखाएगी। ईडी की कार्रवाई को लेकर कहा, पहले भी इसकी जांच चल रही थी। बहुत से लोग संदेह के घेरे में हैं।

### साय ने कहा- अभी तो...
से चर्चा में कहा, ईडी केंद्रीय एजेंसी है, देश की प्रतिष्ठित संस्था है। ईडी ने सोच समझकर ही कोई कार्रवाई की है। कांग्रेस के लोग जो करना है, उसके लिए स्वतंत्र हैं।

### भाजपा का टिकट मिला...
*घर में भी जब बैठकें होती थीं तब मैं एक कोना पकड़कर बैठती थी। अच्छा लगता था सुनने में की आज रैली होने वाली है। मैं अपने स्कूल-कॉलेजों के बैग में राजनीति वाले स्टीगर भी लगती थी।छात्र राजनीति के बाद जिला पंचायत सदस्य और आज एक विधायक के रूप में भी मुझे सबका साथ और सहयोग मिला है।*

***▶▶ शादी के बाद कैसे ससुराल वालों ने राजनीति की अनुमति दे दी?***

*▶▶ मैं किस्मत वाली हूं कि मुझे ऐसा ससुराल और पति मिले जिनका हमेशा से सहयोग रहा है। मेरे पति को भी यह मालूम था कि मेरी इच्छा बेमेतरा में एक अच्छा स्कूल खोलने और राजनीति में जाने की है, उन्होंने इसके लिए मना नहीं किया और हमेशा सहयोग ही किया है। मेरे माता-पिता का भी सहयोग मिला। राजनीति की शुरुआत आप शादी के बाद भी कर सकते हैं। ऐसा नहीं है कि आपकी शादी हो गई तो राजनीति का अध्याय समाप्त हो गया।*

***▶▶ सेवा भावना तो ठीक है, लेकिन इतनी दूरी पंडरिया कैसे पहुंच गई?***

*▶▶ एक तो पंडरिया विधानसभा में मेरे पति का गांव भी है। ऐसे स्थान का चयन करना जहां कोई चुनौती हो, ऐसा स्थान मुझे पंडरिया लगा। पंडरिया जो आगे आ सकता था, लेकिन आ नहीं सका था, वो मुझे दिखा, इसलिए उसको आगे लाने की भावना भी रही, इसलिए पंडरिया का चयन किया। आने वाले समय में कोशिश रहेगी, पंडरिया विधानसभा भी उत्कृष्ट विधानसभा हो जाए।*

***▶▶ भाजपा को चुनने का कारण क्या रहा, कांग्रेस को क्यों नहीं चुना?***

*▶▶ मेरी जो विचारधारा है वह कहीं भी कांग्रेस से मेल नहीं खाती है। मेरी विचारधारा वाली पार्टी भाजपा लगी तो भाजपा में आ गई। कांग्रेस यह दुहाई आखिर कब तक देगी कि उसने आजादी की लड़ाई लड़ी। और भी कई चेहरे रहे हैं जिन्होंने आजादी की लड़ाई लड़ी। डा. रमन सिंह ने छत्तीसगढ़ को संभाला, एक विकास पुरुष के रूप में काम किया, उसका उदाहरण छत्तीसगढ़ के बाहर भी दिया जाता है।मेरी आइकॉन सुषमा स्वराज रही हैं। मुझे भले उनको सामने से सुनने और देखने अवसर नहीं मिला है।*

***▶▶ आपको पंडरिया से लड़ाया गया और आप आज उत्कृष्ट विधायक बनी हैं, किसमें ज्यादा चौंकी आप?***

*▶▶ वैसे भाजपा चौंकाने वाले फैसले करती है, इसको चौंकाने वाला फैसला कहा जा सकता है। लेकिन विधानसभा चुनाव के समय मेरा एक ही काम था कि जितने भी सर्वे हो, उसमें मेरा काम नजर आए। ऐसा हुआ भी। जहां तक उत्कृष्ट विधायक बनने का सवाल है तो वास्तव में यह चौंकाने वाला है। विधानसभा में जब मेरा नाम आया ता मैंने अपने साथी विधायक से जरूर पूछा क्या मेरा ही नाम आया क्या। ये जरूर चौंकाने वाला था।*

***▶▶ कवर्धा जिले के दो विधायक एक उप मुख्यमंत्री और एक आप उत्कृष्ट विधायक पर रह गई, कितना खलता है?***

*▶▶ खलने वाली बात नहीं है, खुशी है। डॉ. रमन सिंह भी कवर्धा जिले से आते हैं, उन्होंने भी अच्छा काम किया। जहां तक सवाल है उप मुख्यमंत्री का तो खुशी है कि कवर्धा जिले को प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला है।*

***▶▶ आप जब सवाल लगाती है तो दुविधा हो जाती है, आप सत्ता पक्ष में या फिर विपक्ष में हैं?***

*▶▶ हमारी जनता और क्षेत्र के प्रति जो जवाबदारी है, उससे जुड़े सवाल ही लगाए जाते हैं।*

***▶▶ पांच साल विपक्ष में रहीं, डेढ़ साल से सत्ता पक्ष में हैं, इसके अंतर पर क्या कहना चाहेंगी?***

*▶▶ मुझे लगता है विपक्ष की भूमिका ज्यादा आसान होती है। विपक्ष में आपके पास यह रहता है आपको आंदोलन करना है, विषय है आपको जनता के सामने लाना है। जब आप सत्ता में रहते हैं तो कहीं न कहीं आपकी जिम्मेदारी आपकी सरकार और आपकी जनता के प्रति भी है।*

***▶▶ आपके संदर्भ में एक खबर यह भी आ रही है कि आप अमरकंटक से कावड़ यात्रा करने वाली हैं?***

*▶▶ अक्सर कावड़ यात्रियों को देखकर मुझे लगता था कि ऐसी तपस्या हम क्यों नहीं कर सकती हैं। मैंने तब पूछा था, तब बताया कि महिलाएं ऐसी यात्रा आमतौर पर नहीं करती हैं, तब से मेरे मन में था कि मैं ऐसी यात्रा करूं। परिवार के साथ इस विषय में बात की तो सभी ने कहा, हम साथ हैं, इसके बाद से सबका समर्थन मिल रहा है और लोग कावड़ यात्रा से जुड़ने की बात कर रहे हैं।*

***▶▶ यात्रा की योजना क्या है?***

*▶▶ अमरकंटक से यात्रा की शुरुआत करने वाले हैं, सोमवार से, यात्रा छह दिनों की रहेगी। 15 से 20 किलोमीटर पर एक पड़ाव रहेगा। करीब 150 किलो की यात्रा रहेगी। कितने कावड़िया रहेंगे, यह तो वहां जाने पर ही मालूम होगा। नर्मदा माता से भोरमदेव मंदिर तक पहुंच जाए यही कामना है।*

---

अवैध कमाई की गई, जिसे हवाला चैनलों के माध्यम से छिपाया गया ताकि जांच से बचा जा सके। ईडी ने इन ऐप्स के विज्ञापनों को गूगल और मेटा के प्लेटफॉर्म्स पर प्रमुखता से प्रदर्शित होने का आरोप लगाया है, जिससे इनके यूजर्स बढ़े।

### याचिकाकर्ता पर कोर्ट ....
इंजेक्शन बनाने वाली कंपनी डिवाइन लेबोरटरीज को 16 जून 2025 को तीन वर्षों के लिए ब्लैक लिस्टेड कर दिया था। इस आदेश को चुनौती देते हुए कंपनी ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी, इसमें राज्य सरकार के आदेश को निरस्त करने की मांग की गई थी। इसके अलावा कंपनी को भविष्य में सरकारी निविदाओं में भाग लेने की अनुमति देने के निर्देश देने की मांग की थी।

### कांवड़ियों ने जवान ....
पर कांवड़ियों ने जवान को घेर लिया। रेलवे स्टेशन के फर्श पर लेटाकर लात-घूंसे और थप्पड़ों से बुरी तरह पीट दिया। जवान मदद के लिए चिल्लाता रहा लेकिन तब तक भीड़ में मौजूद कुछ लोग वीडियो बनाते रहे। मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची रेलवे पुलिस ने तुरंत स्थिति को संभाला और मारपीट में शामिल 5 से 7 आरोपियों को हिरासत में ले लिया। सभी आरोपियों के खिलाफ सरकारी कर्मचारी से मारपीट, अभद्रता और शांति भंग करने की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वीडियो और गवाहों के आधार पर अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है। मामले की गहन जांच की जा रही है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

### पुल से टकराई ....
दो युवकों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

### एक हजार की ....
के खिलाफ मारपीट की शिकायत दर्ज कराई थी। इस पर बसना थाने में एफआईआर की गई थी। तत्कालीन थाना प्रभारी गणेशराम शेंडे ने कार्रवाई की थी। मामला आईपीसी की धारा 324 के तहत जमानती था, इस वजह से तीनों आरोपियों को उसी दिन मुचलके पर रिहा कर दिया गया, लेकिन इसके दो दिन बाद 10 अप्रैल 1990 को एक आरोपी भीमलाल साहू ने रायपुर लोकायुक्त एसपी को शिकायत की थी। इसमें बताया गया कि उसे रिहा करने के बदले में एक हजार रुपए रिश्वत मांगी गई थी। इस शिकायत के आधार पर लोकायुक्त की टीम ने रेड की। इसमें थाना प्रभारी शेंडे को रंगे हाथों पकड़ा गया था। इस कार्रवाई के दौरान थाना प्रभारी पर केस दर्ज किया गया। साथ ही उन्हें गिरफ्तार कोर्ट में पेश किया गया।

### 3 साल कैद और 2 ....
की गई उसका कोई औचित्य नहीं बनता, क्योंकि शिकायतकर्ता और उसके परिजन को पहले ही 8 अप्रैल को शाम 5 बजे जमानत पर रिहा कर दिया गया था। तथ्यों के अनुसार, दो दिन बाद 10 अप्रैल को उसी जमानत के एवज में पैसे की मांग करने का आरोप असंभव लगता है।

### चंदन मिश्रा हत्या मामले में बंगाल से हुई गिरफ्तार
**पटना।** पटना के पारस अस्पताल में चंदन मिश्रा की हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिलने की खबर सामने आई है। पटना पुलिस और एसटीएफ की टीम ने पश्चिम बंगाल में छापेमारी कर कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है।


**दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे**

**ई-निविदा सूचना**

**क्र. सं. (1) ई-निविदा सूचना संख्याः 57 - एसटी-टेंडर - 2025, दिनांक- 15.07.2025**
बिलासपुर मंडल की मुख्य लाइन में महत्वपूर्ण स्टेशनों (रायगढ़, किरोड़ीमलनगर, जेएसपीएल) पर डीसी ट्रैक सर्किट के स्टैंडबाय में MSDAC के प्रावधान के माध्यम से विश्वसनीयता में सुधार, **निविदा मूल्यः** ₹9,06,80,098.85 (नौ करोड़ छह लाख अस्सी हजार अट्ठानबे रुपये और पचासी पैसे मात्र), **अमानत राशिः** ₹6,03,400/- (छह लाख तीन हजार चार सौ रुपये मात्र), **निविदा का जमा होना दिनांकः** 08.08.2025 के 15.00 बजे तक, उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी http:/www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है उपरोक्त निविदा हेतु ई-टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी।

**मंडल संकेत एव दूरसंचार इंजीनियर**
CPR/10/PR/182 **द.पू. म. रेलवे बिलासपुर**
South East Central Railway @secrail



### आम सूचना
सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं लछनी कुर्रे उम्र 79 वर्ष पति स्व. फिरतुराम कुर्रे शीतलापारा वार्ड क्र. 02 हटकेशर धमतरी तह. व पोस्ट व जिला धमतरी (छ.ग.) की निवासी हूं।

यह कि मेरा नाम लछनी कुर्रे पति स्व. फिरतु राम कुर्रे के नाम पर बैंक खाता एवं परिचय पत्र में दर्ज है। एवं मेरे आधार कार्ड पर मेरा नाम लक्ष्मी बाई त्रुटिवश उल्लेखित हो गई है। जबकि मेरा वास्तविक एवं सही नाम लछनी कुर्रे है। जिसका उल्लेख मेरे परिचय पत्र, बैंक खाता में किया गया है। इस प्रकार लछनी कुर्रे एवं लक्ष्मी बाई एक ही महिला अर्थात मेरा ही नाम है। मेरे द्वारा उपरोक्त दोनों नाम लछनी कुर्रे एवं लक्ष्मी बाई एक ही महिला अर्थात मेरा ही नाम होने के समर्थन में शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था, निकाय, शासकीय या अर्धशासकीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।

सो सूचना जानें।

स्थान - धमतरी
दिनांक 19/07/2025

**शपथकर्ती**
**लछनी कुर्रे**
**पति फिरतुराम कुर्रे**
**निवासी-शीतलापारा वार्ड क्र. 02**
**हटकेशर धमतरी (छ.ग.)**



**साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड**
**"मिनी रत्न कम्पनी"**
**(कोल इंडिया लिमिटेड का उपक्रम)**

**सूचना**
एसईसीएल द्वारा सामग्रियों, कार्यों एवं सेवाओं की खरीद के लिए जारी निविदाऐं एसईसीएल की वेबसाईट http://www.secl-cil.in, कोल इंण्डिया के ई-प्रोक्यूमेंट पोर्टल http://coalindiatenders.nic.in और सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्यूरमेंट पोर्टल http://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त जीईएम पोर्टल http://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीदी का कार्य किया जाता है। एसईसीएल के माईनिंग सर्विसेस की निविदायें भी अब जीईएम पोर्टल http://gem.gov.in पर उपलब्ध हैं।


## राशिफल

**मेष** — मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। भवन के रख-रखाव एवं साज-सज्जा के कार्यों पर खर्च बढ़ेंगे।

**वृष** — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय हो सकती है।

**मिथुन** — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु फिर भी आत्मसंयत रहें। रहन-सहन भी अव्यवस्थित रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वाथ्य का ध्यान रखें।

**कर्क** — पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं।

**सिंह** — व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। आय में कमी आ सकती है।

**कन्या** — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

**तुला** — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।

**वृश्चिक** — व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

**धनु** — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। संयत रहें। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद-परिणाम मिलेंगे। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**मकर** — आत्मसंयत रहें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी और आय के साधन भी बनेंगे। खर्च भी बढ़ेंगे। रुचि बढ़ेगी।

**कुंभ** — मन शान्त तो रहेगा। फिर भी धैयशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है।

**मीन** — मन अशान्त तो हो सकता है। वाणी में मधुरता भी रहेगी। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है।

## जैकेट के शेष

### एनकाउंटर में मारे ....
आवागमन के लिए प्रमुख रूप से उपयोग में लाया जाता था। माड़ बचाओ अभियान के तहत ऑपरेशन मानसून के तहत परिया-काकुर ऑपरेशन नारायणपुर पुलिस के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इस अभियान में कुल 6 माओवादी को मार गिरया गया, जिन पर 48 लाख रुपए का ईनाम घोषित था।

### चार जिले की ....
चुनौतीपूर्ण परिस्थिति के बावजूद डीआरजी नारायणपुर, कांकेर, बस्तर व कोण्डागांव के अलावा एसटीएफ व बीएसएफ की 129वीं, 133वीं व 135वीं बटालियन ऑपरेशन में शामिल थी। मुठभेड़ स्थल से चार महिला समेत छह नक्सलियों के शवों के अलावा एके 47 राइफल, एसएलआर राइफल, 12 बोर राइफल के अलावा 11 बीजीएल लॉन्चर 83 बीजीएल सेल व भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री, माओवादी साहित्य व दैनिक उपयोग का सामान बरामद किया गया है।

### 7 माह में 204 ढेर....
भी यह सफलता सुरक्षा बलों के दृढ़ संकल्प को दर्शाती है कि बस्तर में स्थायी शांति, प्रगति और समृद्धि सुनिश्चित की जाएगी। - सुंदरराज पट्टलिंगम, आईजी, बस्तर।

### ईडी ने मेटा और ....
वाले कई प्लेटफॉर्म की जांच कर रही है, जिसमें विभिन्न इंटरनेट-आधारित सोशल मीडिया संस्थान और ऐप स्टोर्स पर उनके लिए उपलब्ध किये गए विज्ञापनों के उदाहरण भी शामिल हैं। माना जा रहा है कि ईडी ने प्रौद्योगिकी क्षेत्र की इन दिग्गज कंपनियों को यह पता लगाने के लिए बुलाया है कि ऐसे अवैध प्लेटफॉर्म उनके सोशल मीडिया और संचार लिंक पर विज्ञापन कैसे दे पा रहे हैं।

**क्यों बुलाया गया है? :** ईडी ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स के एक बड़े नेटवर्क की जांच कर रहा है। कई ऐप्स खुद को 'स्किल बेस्ड गेम्स' बताकर अवैध सट्टेबाजी को बढ़ावा दे रहे हैं। इन प्लेटफॉर्म्स के जरिए करोड़ों रुपए की

## *शब्द पहेली - 5933*

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | ■ | 3 | 4 | ■ | 5 | 6 | ■ | 7 | 8 |
| 9 | | 10 | ■ | 11 | 12 | ■ | 13 | 14 | ■ | |
| ■ | 15 | | 16 | ■ | 17 | 18 | ■ | 19 | 20 | ■ |
| 21 | ■ | 22 | | 23 | ■ | 24 | 25 | ■ | 26 | 27 |
| 28 | 29 | ■ | 30 | | 31 | ■ | 32 | 33 | ■ | |
| ■ | 34 | 35 | ■ | 36 | | 37 | ■ | 38 | 39 | ■ |
| 40 | ■ | 41 | 42 | ■ | 43 | | 44 | ■ | 45 | 46 |
| 47 | 48 | ■ | 49 | 50 | ■ | 51 | | 52 | ■ | |
| ■ | 53 | 54 | ■ | 55 | 56 | ■ | 57 | | 58 | ■ |
| 59 | ■ | 60 | 61 | ■ | 62 | 63 | ■ | 64 | | 65 |
| 66 | | ■ | 67 | | ■ | 68 | | ■ | 69 | |

**बाएँ से दाएँ**
1.होठ,अधर-2
3.बड़ी सवारी गाड़ी-2
5.डोर-2
7.हरे रंग का-2
9.शक,संदेह-3
11.विस्फोटक -2
13.बड़ी नाली-2
15.नमस्कार,नमस्ते-3
17.प्राण-2
19.लक्ष्मी,कमला-2
22.बल,दम-3
24.ठाठ-बाट-2
26.पिता-2
28.कसर-2
30.कुमारी,तरुणी-3
32.जी,चित-2
34.नाखून-2
36.पढ़ने वाला-3
38.उद्देश्य-2
41.मोटा आटा-2
43.नामित-3
45.नर का विलोम-2
47.उर्वरक-2
49.भीगा हुआ-2
51.गिरवी वस्तु-3
53.मनमौजी-2
55.सम्मान-2
57.ले जाने वाला-3
60.आनंद,मजा-2
62.दोस्त,सखा-2
64.निर्माण-3
66.सदैव,हमेशा-2
67.नेत्र,नयन-2
68.आकाश,गगन-2
69.लाख,गोंद-2

**ऊपर से नीचे**
1.प्यार (अंग्रेजी-2)
2.भगिनी,दीदी-3
4.सभी-2
6.गीत गायन-2
8.मार्ग,रास्ता-2
10.मां का दुलार-3
12.आनंद,रस-2
14.थूक,लेस-2
16.अनुकृति-3
18.सरुर,खुमार-2
20.मां,मदर-2
21.घ्राणेंद्रिय-2
23.चरण तल-3
25.भीगा हुआ-2
27.देह,काया-2
29.मछली-2
31.नृत्य करना-3
33.टौंटी,नलका-2
35.गधा,गर्दभ-2
37.कटि-3
39.माफी-2
40.दोस्त,मित्र-2
42.वायु,गैस-2
44.कॉफी-3
46.मूल्य-2
48.जोर,बल-2
50.लक्ष्मी-2
52.जलमार्ग-3
54.स्थिति-2
56.नवीन-2
58.कूड़ा-3
59.नौकर-2
61.सत्य-2
63.दौड़ना-2
65.गर्भनाड़ी-2

### *शब्द पहेली- 5932 का हल*

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ■ | ल | ज्ज | त | दा | र | ■ | क | र | त | ब |
| म | त | ■ | क | ■ | ज | टि | ल | ■ | वा | र |
| न | ■ | क | रा | मा | त | ■ | म | य | ■ | ग |
| भा | गी | दा | र | ■ | प | ल | ■ | म | द | द |
| व | ■ | चा | ■ | अ | ट | ल | ■ | ■ | रा | ■ |
| न | ज | र | बं | द | ■ | का | न | भ | र | ना |
| ■ | मी | ■ | ■ | र | न | र | ■ | इ | ■ | म |
| अ | न | ल | ■ | क | र | ■ | अ | क | ब | र |
| म | ■ | ता | क | ■ | क | त | र | ना | ■ | ख |
| रु | ह | ■ | ह | ल | वा | ■ | दा | ■ | आ | ना |
| द | म | दा | र | ■ | स | न | स | ना | ना | ■ |

## सूडोकु नवताल - 5943
★☆☆☆☆ सरल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 6 | 4 | | 5 | 8 | | |
| | | | | | | | | |
| 9 | | | | 1 | | | | 7 |
| 6 | 5 | | | 4 | | | 7 | 1 |
| | 4 | | | | | | 2 | |
| 1 | 2 | | | 6 | | | 9 | 8 |
| 3 | | | | 8 | | | | 9 |
| | | | | | | | | |
| | | 8 | 6 | | 9 | 5 | | |

MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
■ *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
■ *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
■ *पहेली का केवल एक ही हल है.*

### सूडोकु नवताल - 5942 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 4 | 5 | 6 | 9 | 8 | 1 | 7 | 3 |
| 1 | 7 | 6 | 4 | 3 | 5 | 8 | 2 | 9 |
| 3 | 8 | 9 | 1 | 2 | 7 | 6 | 5 | 4 |
| 9 | 1 | 7 | 3 | 6 | 2 | 4 | 8 | 5 |
| 5 | 6 | 3 | 8 | 7 | 4 | 9 | 1 | 2 |
| 4 | 2 | 8 | 5 | 1 | 9 | 3 | 6 | 7 |
| 7 | 3 | 1 | 9 | 5 | 6 | 2 | 4 | 8 |
| 8 | 9 | 2 | 7 | 4 | 1 | 5 | 3 | 6 |
| 6 | 5 | 4 | 2 | 8 | 3 | 7 | 9 | 1 |

# ग्रीन एफडी : सुरक्षित निवेश के साथ पर्यावरण संरक्षणमें भी करें योगदान

*अभी सभी बैंक ग्रीन डिपॉजिट की सुविधा नहीं दे रहे हैं। फिर भी, कई बड़े सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों ने इस दिशा में कदम उठाया है। मोहित गांग के मुताबिक, एसबीआई, बैंक ऑफ इंडिया, एक्सिस बैंक, केनरा बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा जैसे बैंक ग्रीन डिपॉजिट योजनाएं शुरू कर चुके हैं।*

जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण जैसी चुनौतियों से जूझ रही दुनिया अब निवेश के तरीकों में भी धीरे-धीरे बदलाव कर रही है। इन्हीं नए नए तरीकों के बीच भारत में अब एक नया फाइनेंशियल प्रोडक्ट तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। इस लोकप्रिय प्रोडक्ट को नाम दिया है ग्रीन डिपॉजिट। यह एक ऐसा निवेश विकल्प है, जो न केवल सुरक्षित और अच्छा रिटर्न देता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जून 2023 में ग्रीन डिपॉजिट के लिए एक स्ट्रक्चर जारी किया था, जिसमें बैंकों को जमा पैसे को सिर्फ ग्रीन प्रोजेक्ट्स में लगाने की अनुमति दी गई है। इस प्रोजेक्ट्स में मुख्य रूप से सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक गाड़ियां, पानी और वेस्ट मैनेजमेंट आदि शामिल होते हैं। ग्रीन डिपॉजिट एक सामान्य फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) की तरह ही है, लेकिन इसका असर कहीं अधिक बड़ा और पॉजिटिव है। इसमें बैंकों को सालाना रिपोर्टिंग और थर्ड पार्टी ऑडिट जैसी पारदर्शिता की शर्तें पूरी करनी होती हैं, जिससे निवेशकों का भरोसा मजबूत होता है। स्टेट बैंक, एक्सिस, यूनियन बैंक जैसे कई बड़े बैंक इस विकल्प की पेशकश कर रहे हैं। अगर आप एक ऐसा निवेश चाहते हैं जो आपको आर्थिक लाभ के साथ-साथ धरती को भी लाभ पहुंचाए, तो ग्रीन डिपॉजिट एक समझदारी भरा कदम हो सकता है।

## यह कैसे करता है काम

ग्रीन डिपॉजिट में भी निवेशक अपने पैसे को बैंक में एक निश्चित समय के लिए एफडी की तरह जमा करते हैं, और बदले में उन्हें उसका ब्याज मिलता है, लेकिन इस योजना की खासियत यह है कि जमा किए गए पैसे का इस्तेमाल केवल उन परियोजनाओं में किया जाता है, जो पर्यावरण के लिए फायदेमंद हों। इन परियोजनाओं में सौर और पवन ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन, जलवायु परिवर्तन से बचने के लिए हो रहे काम, पानी, वेस्ट मैनेजमेंट और ग्रीन बिल्डिंग आदि शामिल हो सकते हैं। बैंकिंग एक्सपर्ट कहते हैं, "जब कोई व्यक्ति या संस्था ग्रीन डिपॉजिट में निवेश करता है, तो बैंक उस पैसे को ऐसी परियोजनाओं के लिए लोन देने या निवेश करने में उपयोग करता है।

## ऐसे समझें उदाहरण

उदाहरण के लिए, यह पैसा सौर ऊर्जा प्लांट बनाने, इलेक्ट्रिक गाड़ियां बनाने आदि को बनाने या फिर उसके लिए रिसर्च में इस्तेमाल किया जा सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक ने यह सुनिश्चित करने के लिए सख्त नियम बनाए हैं कि इन फंड्स का उपयोग केवल इन्हीं चीजों के लिए ही हो। बैंकों को हर साल इन फंड्स के उपयोग और उनके होने वाले पर्यावरणीय प्रभाव की जानकारी सार्वजनिक करनी होती है।

## क्या कहते हैं जानकार

ग्रीन डिपॉजिट में निवेश की प्रक्रिया एफडी की तरह ही होती है। निवेशक को एक निश्चित पैसा (जो आमतौर पर 5,000 रुपये से शुरू होकर 10 करोड़ रुपये तक हो सकती है) जमा करना होता है। जमा करने का समय और ब्याज दर बैंक के नियमों पर निर्भर करती है। इस पैसे को डीआईसीजीसी के तहत बीमा किया जाता है, जिससे निवेशक का पैसा सुरक्षित रहता है।

## नियमों और पारदर्शिता

दूसरा अंतर नियमों और पारदर्शिता में है। ग्रीन डिपॉजिट पर भारतीय रिजर्व बैंक की पूरी नजर रहती है और इसके लिए अलग से दिशानिर्देश हैं। इसकी वजह से बैंकों को फंड्स के उपयोग की पूरी जानकारी देने और हर साल ऑडिट करवाना पड़ता है। इसके विपरीत, एफडी में ऐसी कोई शर्त या पारदर्शिता की जरूरत नहीं होती। ब्याज दरों की बात करें तो ग्रीन डिपॉजिट की दरें सामान्य एफडी के बराबर या कभी-कभी थोड़ी अधिक हो सकती हैं, क्योंकि बैंक पर्यावरण के प्रति जागरूक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कभी-कभी अच्छी दरें ऑफर करते हैं। एक और जरूरी अंतर नैतिक प्रभाव का है। ग्रीन डिपॉजिट में निवेश करके व्यक्ति पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन से निपटने में योगदान देता है, जो इसे एक नैतिक और जिम्मेदार निवेश विकल्प बनाता है। सामान्य एफडी में ऐसा कोई पर्यावरणीय या सामाजिक प्रभाव नहीं होता।

## ग्रीन डिपॉजिट के क्या फायदे

ग्रीन डिपॉजिट का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह निवेशकों को पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का मौका देता है। अगर आप जलवायु परिवर्तन या प्रदूषण जैसी समस्याओं को लेकर चिंतित हैं, तो यह योजना आपके पैसे को सही दिशा में लगाने का एक तरीका है। इसके अलावा, इसकी ब्याज दरें सामान्य एफडी की तुलना में प्रतिस्पर्धी होती हैं, जिससे निवेशक को आर्थिक लाभ भी मिलता है। यह योजना उन लोगों के लिए भी खास है, जो अपने निवेश को पर्यावरण, सामाजिक और शासन मानकों के आधार पर करना चाहते हैं। ग्रीन डिपॉजिट के जरिए निवेशक अपने पोर्टफोलियो में विविधता ला सकते हैं और साथ ही पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी भी निभा सकते हैं। बैंकों द्वारा हर साल दी जाने वाली रिपोर्ट और तीसरे पक्ष के ऑडिट से निवेशकों को यह भरोसा रहता है कि उनका पैसा सही जगह पर इस्तेमाल हो रहा है। साथ ही, डीआईसीजीसी के तहत बीमा होने से यह निवेश पूरी तरह सुरक्षित भी है।"

## एफडी से कितना अलग है ग्रीन डिपॉजिट

ग्रीन डिपॉजिट और एफडी में कई समानताएं हैं। हालांकि, कुछ बुनियादी अंतर दोनों को अलग बनाते हैं। सबसे बड़ा अंतर यह है कि ग्रीन डिपॉजिट में जमा किए गए पैसे का इस्तेमाल सिर्फ पर्यावरण को लाभ पहुंचाने वाले परियोजनाओं में किया जाता है, जबकि एफडी में जमा पैसे का इस्तेमाल बैंक अपने सामान्य कारोबार, लोन देने या दूसरे निवेश में उपयोग कर सकता है। इस तरह ग्रीन डिपॉजिट में निवेश करने वाला हर व्यक्ति यह दावा कर सकता है कि उसका पैसा पर्यावरण से जुड़ी परियोजनाओं के लिए हो रहा है।


असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
घमंडी दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्टी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धूम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनोपैथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411 www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोनः 0771-4044551 समयः सुबह 9.30 से 4.30 तक

सुविधाएं: पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

उपलब्ध विशेषताएं: लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी, जनरल मेडीसीन, ऑर्थोपेडिक्स, जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी, ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल), गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, इमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हर्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्घ पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

श्रीराम किंकर मेडीकल इंस्टीट्यूट
डॉ. नवनीत जैन एम.एस.- एडवांस लेप्रोस्कोपी एवं जनरल सर्जन (गोल्ड मेडलिस्ट)
डॉ. करूणा जैन एम.डी.- प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
लिली चौक, रायपुर - 492001 फोन : 0771-2536521, मो. 9329103589

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

शाश्वत हॉस्पिटल
Dr. Vikas Mishra Ophthalmologist & Phasco Surgon M.B.B.S., M.S. (Ophthalmology)
चश्में से आजादी
मोतियाबिंद का ऑपरेशन (बिना टांके) फेको पद्धति द्वारा। मोतियाबिंद का ऑपरेशन बिना इंजेक्शन (टॉपीकल फेको)। अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर। अत्याधुनिक तकनीक द्वारा चश्में की जांच।
टिम्बर भवन के सामने, मेन रोड, देवेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.), फोन : 0771-4060303, मो. 9753119900, www.shashwthospital.com

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साई बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756 6263818152


### Appointment आवश्यकता

#### सिक्योरिटीगार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुरक्षा गार्ड वेतन 14000/- सुपरवाइजर 16000/- फील्ड ऑफिसर 15000/- कंप्यूटर ऑपरेटर 3 वेतन योग्यतनुसार (आवास फ्री PF +ESIC) संपर्क:- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, भर्ती कार्यालय, साकरा चौक सिलतरा रायपुर, छत्तीसगढ. 7747000019, 7746000016, (RO-074)

#### सेल्समैन

आवश्यकता है- चाय पत्ती की फैक्ट्री में 12वीं पास लड़कों की जो सेल्समैन का काम कर सके आवश्यकता है। संपर्क करें - जैन ट्रेडर्स नियर एसबीआई एटीएम आकृति बिहार अमलीडीह रायपुर मो, 7469980000, 0771-4075490.(RO-6833)

#### टीचर

आवश्यकता है- हिंदी मीडियम के स्कूल हेतु 8वीं तक पढ़ाने विवाहित संस्कारी टीचर चाहिये एक आयामदर। कुक ( सादा भोजन ) एक श्रमजीवी मजदूर की आवश्यकता है- मानदेय/निवास/ अन्य सुविधाये पात्रतानुसार। संपर्क- गौकर्ण हॉ/ से. स्कूल धुसेरा-सेजबहार रायपुर संपर्क- 9977604440 (सुबह 8 से 10 तक)(RO-0036)

#### ड्रायवर

आवश्यकता है- स्कूल बस चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर की आवयश्कता है, वेतन अनुभव एवं योग्यतानुसार। उचित लाइसेंस के साथ सम्पर्क करे। सी पी एस, टाटीबंध, रायपुर, फोन करे 9752148000. (RO-5052)

#### पोल्ट्री फार्म कार्य

आवश्यकता है- रायपुर आरंग के पास लिंगाड़ीह में पोल्ट्री फार्म में रहकर काम करने वाले मजदूर परिवार की आवश्यकता है इच्छुक मजदूर परिवार संपर्क करें 9200193001, 7999648072. (RO-6841)

#### घरेलू कार्य

आवश्यकता है- अनुभवी महिला कूक की ग्रीन सफायर, रायपुर में 2 लोगों के लिए शुद्ध शाकाहारी भोजन बनाने हेतु। उत्तम वेतन, आवास और भोजन की सुविधा । संपर्क- 7389824270, 9300234270. (RO-6837)

#### ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 वर्ष युवतियों, महिलाओं की आवश्यकता है। सैलरी 5,000 से 20,000 कमाने का अवसर पता- खम्हारडीह पुलिस स्टेशन के पास न्यू सेल्स टैक्स कॉलोनी रायपुर संपर्क करें - 9343467254, 7470490884. (RO-6839)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित उत्साही लड़को की आवश्यकता है, उम्र 18-28, वेतन 10,000 +कमीशन +बोनस, ट्रेनिंग के पश्चात कमाये 15-20 हजार प्रतिमाह, रहना फ्री संपर्क करें:- 7796880121, 8889257623.(RO-165)

#### फैक्ट्री कार्य

आवश्यकता है- चाय पत्ती की फैक्ट्री में काम करने के लिए लड़कों एवं लड़कियों की आवश्यकता है संपर्क करें- जैन ट्रेडर्स नियर एसबीआई एटीएम आकृति विहार अमलीडीह रायपुर 7469980000, 07714075490.(RO-6834)

#### सफाई/कुक कर्मी

आवश्यकता है- अमलीडीह रायपुर में घर की साफ सफाई एवं अन्य रख रखाव कार्य हेतु पति पत्नी की आवश्यकता है,खाना बनाने में अनुभवी महिला को प्राथमिकता,परिवार को रहने की सुविधा । संपर्क 8839870056, 6262800019.(RO-174)

आवश्यकता है- ईमानदार व परिश्रमी जो टू व्हीलर चलाना जानता हो ऑफिस साफ सफाई व्यवस्था मेंटेन कर सके मेल या फिमेल स्टाफ चाहिए फ्रेशर /कम पढ़े लिखे भी संपर्क कर सकते है Mo- 9399463415. (RO-190)

#### वेल्डर/गार्ड

आवश्यकता है- अहिरवारा रोड स्थित कमपनी में कार्य हेतु वेल्डर एवं गार्ड की आवश्यकता है. संपर्क ९९७७४५४९०९ समय सुबह ९ बजे के बाद (RO-14178)

#### सेल्स मैनेजर/इंजीनियर

Requirment- Required Sales Manager IT- 02 Qualification- MBA, BBA, Bcom, Mcom. Team leader IT- 02 Qualification - B.Tech, MCA, BCA.( minimum 1 years of experience leading an IT team). Software Support Engineer- 04, IT Trainer- 04, Jr. Accountant - 03, Hr Manager - 02. Contact- BHNSSPL 6267013536, 9425590124. Email ID - edu.bhnsspl@gmail.com(RO-186)

हरिभूमि क्लासीफाईड

#### सेल्समैन/ऑपरेटर

आवश्यकता है- साड़ी शो-रूम हेतु सेल्समैन, सेल्सगर्ल, कंप्यूटर ऑपरेटर एवं ड्राइवर (लोकल निवासी) आदि आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता संपर्क करें। विरदी साड़ी कंकाली पारा रायपुर- 9425522577, 9340477419.(RO-7381)

आवश्यकता है- रेडीमेड कपड़े के शोरूम में सेल्समैन / सेल्सगर्ल, हेल्पर (मेल / फिमेल), कैशियर, लेडिस टेलर, की आवश्यकता है। संपर्क करेः- क्लॉथ मार्केट, पंडरी, रायपुर 8839347662. (RO-397)

#### ऑपरेटर/अकाउंटेंट

आवश्यकता है - मेडिकल होलसेल डिपो में निम्न पदों की आवश्यकता है (1) बिलिंग कार्य हेतु अनुभवी कंप्यूटर ऑपरेटर (2) अकाउंटेंट (3) गोडाउन कार्य हेतु मेहनती युवक / युवतियों की। औषधि वाटिका, डूमरतराई 9770099119, 9669426111 (RO-421)

#### कम्प्युटर ऑपरेटर

आवश्यकता है- प्लास्टिक के थोक दुकान में कार्य करने हेतु कंप्यूटर ऑपरेटर लड़का या लड़की एवं लड़कों एवं लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार संपर्क समय 12 से 6 प्रकाश मार्केटिंग डॉक्टर मटरेजा गली नयापारा रायपुर 98261 - 13735.(RO-378)

#### दुकान कार्य

आवश्यकता है- डीजे साउंड सिस्टम दुकान में काम करने हेतु अनुभवी/ बिना अनुभवी लड़कों की आवश्यकता संपर्कः दीपक साउंड सर्विस फूलचौक, जोरापारा, कालीमाता मंदिर पास, रायपुर मोबाइल 98271-14645, 91311-39179.(RO-185)

#### अकाउन्टेंट

आवश्यकता है- लड़कों की अकाउंट टैली और GST के लिए वेतन योग्यतानुसार पता- करेंसी टावर तेलीबांधा ऑफिस नं- 5015, 16,17 संपर्क करें- 70002172 70, 8889331049. (RO-6832)

#### ऑफिस स्टाफ

आवश्यकता है- आफिस कार्य दुर्ग स्थित अधिवक्ता कार्यालय में आफिस कार्य करने हेतु लड़की की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार कॉल / मेसेज- 79998-47673 समय - 12 से 5 तक (आरो न.-786)

आवश्यकता है- अर्जेंट भर्ती वनसुरक्षा को जिलानुसार लड़के - लड़कियों की आवश्यकता पद संख्या-655 वनरक्षक फील्ड ऑफिसर माली वनसिपाही सैलरी (27500+54500 ) पढ़ाई 8वी से स्नातक रहना +खाना की सुविधाएं आवेदन करने के लिए आधारकार्ड मार्कशीट फोटो व्हाट्सएप करे (धीरेंद्र कुमार)- 8957118102. (RO-1048)

### Astrology ज्योतिष

छत्तीसगढ़िया ज्योतिष - काली माता की शक्तिशाली चमत्कारी पुजा अवइया चार महिना (चौमास) भारी कष्टदायक हे आर्थिक मानसिक शारीरिक आदि समाधान बर निःशुल्क संपर्क करव मो. 8461886239 (RO-6825)

### Property प्रापर्टी

मकान बेचना है- संतोषी नगर रायपुर में डबल मंजिला मकान 700 वर्ग मीटर में बना हुआ नल और बोर की सुविधा के साथ 17 लाख में बेचना है। 9617879804. (RO-6842)

### वैवाहिकी

#### वधु चाहिए

वधू चाहिए
अग्रवाल (वैश्य) 32/ 5'-4"
एसबीआई लाइफ में इन्श्योरेन्स एडवाइजर, बिलासपुर में दुकान एवं घर।
शिक्षित, गृह कार्य में दक्ष, मध्यम परिवार की अविवाहित कन्या चाहिए
संपर्क करें- 8839071395

#### आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (जैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व व्यक्तिगत से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रकाशक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उनके किसी वादा के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वादों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।


RAIPUR SMART BUSINESS
ITR फाईल बनवाएं मात्र 500/-
GST रजिस्ट्रेशन | TDS रिफंड | CMA DATA | BALANCE SHEET | MSME रजिस्ट्रेशन | फूड लाइसेंस | प्रोजेक्ट रिपोर्ट | TAX AUDIT
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं (व्हाट्सएप पर भी बनवाएं)
संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

# टेस्ट कॅरियर के स्वर्णिम दौर में केएल राहुल, उनके बल्ले से निकलेंगे कई शतक : शास्त्री

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा कि 'फ्रंटफुट' तकनीक में बदलाव से केएल राहुल को इंग्लैंड में बल्लेबाजी में सफलता मिल रही है और उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले तीन चार साल तक वह इसी लय को बनाए रखेंगे। राहुल ने तीन टेस्ट में दो शतक और एक अर्धशतक की मदद से 375 रन बनाए हैं। शास्त्री के अनुसार, बल्लेबाज केएल राहुल अपने टेस्ट करियर के स्वर्णिम दौर में हैं और उन्हें उम्मीद है कि भारत का यह सलामी बल्लेबाज आने वाले वर्षों में कई शतक लगाएगा।

वह अब तक श्रृंखला में शुभमन गिल, ऋषभ पंत और जैमी स्मिथ के बाद सर्वाधिक रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज हैं। शास्त्री ने कहा,'मुझे लग रहा है कि उसने फ्रंट फुट की तकनीक में थोड़ा बदलाव किया है। इसके अलावा डिफेंस के समय स्टांस भी बदला है।' उन्होंने कहा कि नई तकनीक से उनके बोल्ड या पगबाधा आउट होने की संभावना भी कम हुई है ।

### स्विंग लेती गेंदों का सामना करने के लिए राहुल के पास तकनीक

*शास्त्री ने यह भी कहा कि इंग्लैंड के हालात में स्विंग लेती गेंदों का सामना करने के लिए भी राहुल के पास तकनीक है। उन्होंने कहा,' वह तकनीक का धनी है। अभी तक गेंद में इतना मूवमेंट दिखा नहीं है लेकिन अगर गेंद मूव भी करती है तो उसके पास इसका सामना करने की तकनीक है।' उन्होंने आगे कहा, 'दुनिया में ऐसा कोई नहीं होगा, जिसने यह कहा हो कि राहुल के पास प्रतिभा नहीं है। गुस्सा इस बात का था कि इतना प्रतिभाशाली होते हुए भी वह प्रदर्शन नहीं दे पा रहा लेकिन इस श्रृंखला में उसे शानदार लय में देखा है।' शास्त्री ने उम्मीद जताई कि उसका बल्लेबाजी औसत अगले कुछ साल में 50 के आसपास रहने वाला है।*

राहुल अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म पर

शास्त्री ने एक खास तकनीकी बदलाव पर भी प्रकाश डाला जिसने काफी फर्क डाला है। उन्होंने कहा, मैं देख रहा हूं कि उसने अपने अगले पैर, अपनी मूवमेंट और डिफेंडिंग करते समय थोड़ा सा बदलाव किया है। उनकी तकनीक में अच्छे बदलाव आए हैं,जिससे उनके लिए मिड-विकेट की ओर शॉट मारना पहले से भी आसान हुआ है। उन्होंने आगे बताया कि कैसे इस बदलाव से राहुल की बल्लेबाजी में काफी निखार आया है। पहले जिस तरह वह आउट हो रहे थे, उसमें सुधार देखने को मिला है। 33 साल की उम्र में, राहुल के अब 35.3 की औसत से 3,632 टेस्ट रन हैं, जिसमें 10 शतक और 18 अर्धशतक शामिल हैं। पांच मैचों की सीरीज में भारत 1-2 से पीछे चल रहा है, ऐसे में सभी की निगाहें 23 जुलाई को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू होने वाले चौथे टेस्ट मैच पर टिकी हैं।

## चैपल ने कहा, गिल की असली परीक्षा अब होगी शुरू

**नई दिल्ली।** ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ग्रेग चैपल का मानना है कि शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन किया है और युवा कप्तान के रूप में अपनी क्षमता की झलक दिखाई है, लेकिन उनकी असली परीक्षा अब शुरू होगी जबकि भारत पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में 1-2 से पीछे चल रहा है। भारत इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट मैच 22 रन से हार गया और श्रृंखला में 1-2 से पिछड़ गया। दोनों टीमें 23 जुलाई से मैनचेस्टर में एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट में आमने-सामने होंगी। चैपल ने अपने कॉलम में लिखा, 'भारतीय टीम अब इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम दो टेस्ट मैच की तैयारी कर रही है। ऐसे में अब सभी की नजरें उनके 25 वर्षीय कप्तान शुभमन गिल पर टिकी हैं। एक प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी के रूप में उन्होंने बल्लेबाजी में कमाल का प्रदर्शन किया है और नेतृत्व क्षमता की झलक भी दिखाई है, लेकिन उनकी असली परीक्षा अब होगी। यह वह मौका है जो टेस्ट कप्तान के रूप में उनकी दिशा तय करेगा।'

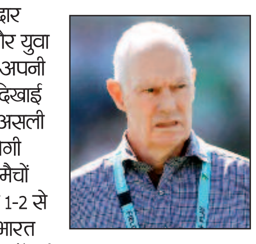

### गिल को अपनी साख स्थापित करने का मौका

उन्होंने कहा, 'चयनकर्ता और गिल जिन खिलाड़ियों का चयन करते हैं उन पर उन्हें भरोसा बनाए रखना होगा। उन्हें खिलाड़ियों के एक मुख्य समूह की पहचान करनी होगी जिन पर उन्हें विश्वास रहे कि वे अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।' चैपल ने लिखा है, ' उन्हें अपनी स्पष्ट योजना बनानी होगी और प्रत्येक खिलाड़ी को उसकी भूमिका से अवगत कराना होगा। टीम में शामिल प्रत्येक खिलाड़ी को अपनी भूमिका पता होनी चाहिए।

## खबर संक्षेप

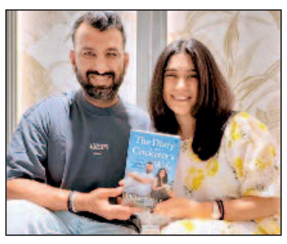

### पुजारा के जीवन पर लिखी किताब लंदन में लांच

**लंदन।** पूजा पुजारा की अपने पति और भारतीय क्रिकेटर चेतेश्वर पर लिखी किताब 'द डायरी ऑफ अ क्रिकेटर वाइफ' को लाइर्स क्रिकेट मैदान की लाइब्रेरी में जगह मिली है, जिसे शुक्रवार को आधिकारिक रूप से लंदन के नेहरू सेंटर में लांच किया गया। किताब की लेखिका पूजा का कहना है कि इस किताब में हर किसी के लिए कुछ न कुछ है।

### महिला राष्ट्रीय शिविर में भाग लेगीं 40 खिलाड़ी

**बेंगलुरु।** हॉकी इंडिया ने 21 जुलाई से 29 अगस्त तक भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र (साइ) पर होने वाले सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिये 40 खिलाड़ियों के नाम की घोषणा की। पांच सितंबर से चीन के हांगझोउ में होने वाले महिला एशिया कप को देखते हुए यह शिविर काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है । यह टूर्नामेंट 2026 एफआईएच महिला विश्व कप में सीधे क्वालीफाई करने का भी जरिया होगा। पिछले शिविर में शामिल सभी खिलाड़ियों को इसमें भी मौका दिया गया है। भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, 'यह शिविर काफी अहम समय पर लगाया जा रहा है ।

सिर्फ 40 रन बनाते ही हिटमैन को पीछे छोड़ देंगे ऋषभ

# डब्ल्यूटीसी रिकॉर्ड: मैनचेस्टर में पंत के पास रोहित को पीछे छोड़ने का सुनहरा अवसर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय बल्लेबाज और विकेटकीपर ऋषभ पंत के पास टेस्ट क्रिकेट में रोहित शर्मा के रिकार्ड को तोड़ने का सुनहरा मौका है। भारत और इंग्लैंड के बीच 23 जुलाई से मैनचेस्टर में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच में पंत रोहित को पछाड़कर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) इतिहास में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन सकते हैं। पंत ने डब्ल्यूटीसी में फिलहाल 2677 रन बनाए हैं, जबकि रोहित ने इस चैंपियनशिप में 2716 रन बनाए हैं। यानी पंत को रोहित को पीछे छोड़ने के लिए 40 रन और बनाने की जरूरत है। पंत के पास चौथे टेस्ट के दौरान यह उपलब्धि हासिल करने का सुनहरा मौका रहेगा।

### अभी पंत दूसरे स्थान पर

भारतीय बल्लेबाजों में डब्ल्यूटीसी इतिहास में रोहित ने 69 पारियों में 2716 रन बनाए हैं। दूसरे स्थान पर पंत हैं, जिन्होंने 67 पारियों में 2677 रन बनाए हैं। विराट कोहली 79 पारियों में 2617 रन बनाकर इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। वहीं, कप्तान शुभमन गिल ने डब्ल्यूटीसी इतिहास में 65 पारियों में 2500 रन बनाए हैं, जबकि रवींद्र जडेजा ने 64 पारियों में 2212 रन बनाए हैं वह शीर्ष पांच बल्लेबाजों में शामिल हैं।

### पंत की उपलब्धता को लेकर संशय

पंत की चौथे टेस्ट में उपलब्धता को लेकर भी संशय चल रहा है। पंत को तीसरे टेस्ट मैच में विकेटकीपिंग के दौरान चोट लगी थी और वह विकेट के पीछे जिम्मेदारी नहीं संभाल रहे थे। पंत की जगह विकेटकीपिंग के लिए ध्रुव जुरेल उतरे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पंत को मैनचेस्टर में चौथे टेस्ट में खेलने के लिए फिट घोषित हो गए हैं। तीसरे टेस्ट मैच के बाद पंत की फिटनेस को लेकर गिल ने कहा था, पंत स्कैन के लिए गए हैं और चोट ज्यादा गंभीर नहीं है इसलिए वह चौथे टेस्ट से पहले फिट हो जाएंगे। भारतीय टीम के लिए सीरीज में बने रहने के लिए चौथा टेस्ट जीतना काफी जरूरी है। अगर भारत अगला मुकाबला गंवा देता है तो सीरीज हार जाएगा। पंत इस सीरीज में अच्छी फॉर्म में चल रहे हैं और चौथे टेस्ट मैच में भी उनसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

### टेस्ट में इतिहास बनाने से 31 रन दूर रूट

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट टेस्ट क्रिकेट में एक ताकत रहे हैं। कप्तानी छोड़ने के बाद से, 34 वर्षीय रूट टेस्ट क्रिकेट में बेहद प्रभावशाली रहे हैं और अब जैक्स कैलिस और राहुल द्रविड़ के शानदार टेस्ट रिकॉर्ड को तोड़ने की राह पर हैं। गौरतलब है कि रूट को टेस्ट क्रिकेट इतिहास में तीसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने के लिए केवल 31 रनों की जरूरत है। सचिन तेंदुलकर 15921 रनों के साथ इस सूची में शीर्ष पर हैं, उनके बाद रिकी पोंटिंग 13378 रनों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। जैक्स कैलिस और राहुल द्रविड़ क्रमशः 13289 और 13288 रनों के साथ तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। रूट, जिनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 13259 रन हैं, मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट में कैलिस और द्रविड़ को आसानी से पीछे छोड़ सकते हैं। वह चौथे टेस्ट में पोंटिंग को पीछे छोड़कर टेस्ट इतिहास में दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं। रूट को केवल 119 रनों की जरूरत है, जो रूट जैसे कद के खिलाड़ी के लिए आसानी से हासिल किया जा सकता है। हालाँकि, सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने के लिए उन्हें तेंदुलकर को पीछे छोड़ने के लिए समय चाहिए।

फिडे महिला विश्व कप

## हम्पी खिताब जीतने की प्रबल दावेदार क्वार्टर फाइनल में सोंग से भिड़ेंगी

- भारत की एक खिलाड़ी का सेमीफाइनल में पहुंचना तय
- विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहली बार पहुंची भारत की चार खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| बातुमी (जॉर्जिया)

भारत की कम से कम एक खिलाड़ी का फिडे महिला शतरंज विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचना तय है, जिसमें ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी अपना पहला खिताब जीतने की प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेंगी। वह क्वार्टर फाइनल में चीन की युक्सिन सोंग से भिड़ेंगी। भारत की चार खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। इनमें प्रतियोगिता में भाग ले रही सबसे अधिक रेटिंग वाली खिलाड़ी और विश्व स्तर पर कई टूर्नामेंट की विजेता हम्पी के अलावा दिव्या देशमुख, डी. हरिका और आर वैशाली शामिल हैं।

### वैशाली के सामने कठिन चुनौती, पूर्व महिला विश्व चैंपियन से होगा मुकाबला

यह पहला अवसर है जब किसी एक देश की चार खिलाड़ी प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं। क्वार्टर फाइनल में हरिका का सामना दिव्या देशमुख से होगा, जिससे कम से कम एक भारतीय का सेमीफाइनल में जगह बनाना तय हो गया है। आर. वैशाली के सामने सबसे कठिन चुनौती है क्योंकि उनका सामना क्वार्टर फाइनल में पूर्व महिला विश्व चैंपियन चीन की तान झोंगयी से होगा। इस तरह से भारत की कुल तीन खिलाड़ियों के पास सेमीफाइनल में जगह बनाने का मौका होगा। यह प्रतियोगिता अगले महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफायर भी है। एक अन्य क्वार्टर फाइनल में चीन की टिंगजी लेई का मुकाबला जॉर्जिया की नाना दजाग्निडेज़ से होगा।

## टी20 सीरीज: न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे को 8 विकेट से हराया, कॉन्वे ने बनाए 59 रन

एजेंसी ▶▶| हरारे

त्रिकोणीय टी20 सीरीज में मेजबान जिम्बाब्वे को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा है। दक्षिण अफ्रीका से हारने के बाद जिम्बाब्वे को शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में न्यूजीलैंड ने 8 विकेट से हरा दिया। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था। जिम्बाब्वे ने पहले बैटिंग करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 120 रन बनाए। जिम्बाब्वे के लिए सर्वाधिक 36 वेस्ले मेधवेरे ने बनाए।

ब्रायन बेनेट ने 21, सिकंदर रजा और रेयान बर्ल ने 12-12 और टोनी मुनयोंगा ने 13 रन बनाए। बल्लेबाज शुरुआत मिलने के बाद भी बड़ी पारी नहीं खेल पाए और यही वजह रही कि टीम 121 रन का मामूली लक्ष्य न्यूजीलैंड के सामने रख पाई।

### न्यूजीलैंड ने 13.5 ओवर में 122 रन बनाए

न्यूजीलैंड ने 13.5 ओवर में 2 विकेट पर 122 रन बनाकर मैच 8 विकेट से जीत लिया। कीवी टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने टिम सिफर्ट के रूप में 5 के स्कोर पर अपना पहला विकेट खो दिया। दूसरे विकेट के लिए डेवोन कॉन्वे और रचिन रवींद्र ने 59 रन की साझेदारी की। टीम का स्कोर जब 64 था, उस समय रवींद्र 19 गेंद पर 4 छक्के और 1 चौके लगाते हुए 30 रन बनाकर आउट हुए।

## महिला क्रिकेट : इंग्लैंड ने जीता दूसरा वनडे, भारत को आठ विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम ने दूसरा वनडे मैच जीत लिया है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ डकवर्थ लुईस नियम से 8 विकेट से इंग्लैंड टीम को जीत मिली। इसी के साथ 3 मैचों की सीरीज 1-1 से बराबरी हो गई। बारिश के कारण मुकाबला 29-29 ओवर का किया गया। मेहमान टीम ने 143/8 का स्कोर बनाया। जवाब में इंग्लैंड की पारी 18.4 ओवर में 102/1 पर थी, तभी फिर बारिश आई और लक्ष्य घटाकर 24 ओवर में 115 रन कर दिया गया। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। भारतीय टीम के लिए स्मृति मंधाना ने 42 रन की पारी खेली। उनके अलावा दीप्ति शर्मा ने 30 रन बनाए। इन दोनों के अलावा कोई और बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया। इंग्लैंड के लिए सोफी एक्लेस्टोन ने 3 विकेट झटके। लिन्सी स्मिथ ने 2 सफलता हासिल की। जवाब में इंग्लैंड को टैमी ब्यूमोंट (34) और एमी जोन्स (46) की पारियों की बदौलत आसान जीत मिल गई। मंधाना ने अपनी 42 की पारी के दौरान एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। सलामी बल्लेबाज ने घर से बाहर 2,000 रन पूरे किए। मंधाना ने घर से बाहर अब तक 42 मुकाबले खेले हैं और 2,035 रन बना चुकी हैं। इस दौरान उनकी औसत 52.17 की रही है।

### भारत ने यूएई को दी मात, क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

सोलो (इंडोनेशिया)। भारत ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को ग्रुप डी के मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पर 110-83 से जीत दर्ज करके बैडमिंटन एशिया जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। भारत ने इससे पहले ग्रुप के अपने शुरुआती मुकाबले में शुक्रवार को श्रीलंका को हराया था। ग्रुप की एक अन्य टीम हांगकांग ने भी अपने दोनों मुकाबले जीते हैं और उसने भी भारत के साथ क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह सुरक्षित कर ली है। ग्रुप डी के शीर्ष पर रहने वाली टीम का फैसला करने के लिए अब भारत और हांगकांग के बीच रविवार को मुकाबला होगा। यह टूर्नामेंट रिले स्कोरिंग प्रारूप के तहत खेला जा रहा है, जहां टीमें 10 मैचों में 110 अंक हासिल करने कोशिश करती हैं। भारत ने यूएई के खिलाफ शुरू से ही दबदबा बना दिया था। पहले मैच में लड़कियों के एकल में रुजुला रामू ने मायशा खान को 11-5 से हराया। इसके बाद मिश्रित युगल में सी लालरामसांगा और तारिणी सूरी ने बढ़त को 22-11 तक पहुंचा दिया।

## दुनिया की सबसे खूबसूरत टेनिस खिलाड़ी यूजनी बूचार्ड ने किया रिटायरमेंट का ऐलान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दुनिया की सबसे खूबसूरत महिला टेनिस खिलाड़ी के रूप में जानी जाने वाली यूजनी बूचार्ड ने रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया। बूचार्ड ने अपने शानदार खेल से वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-5 तक पहुंचने में सफल रहीं। इसके अलावा उन्होंने विंबलडन 2014 के फाइनल में भी जगह बनाई थी। टेनिस करियर में उनकी उपलब्धि के तौर पर 2014 नूर्नबर्ग कप में डब्ल्यूटीए सिंगल खिताब भी दर्ज है।

कनाडाई खिलाड़ी ने इंस्टाग्राम पोस्ट के साथ घोषणा की है कि वह हमेशा के लिए अपना रैकेट छोड़ने के लिए तैयार हैं। बूचार्ड ने अपने अकाउंट पर चार तस्वीरें साझा कीं, जिसमें बचपन से टेनिस खेलने से लेकर 2014 के विंबलडन फाइनल में पहुंचने के बाद अपनी रनर-अप प्लेट पकड़े हुए तक की तस्वीरें शामिल थीं। इस पोस्ट के साथ उन्होंने लिखा,'आपको पता चल जाएगा कि कब समय आ गया है। मेरे लिए यह अब है। जहां से सब शुरू हुआ वहीं खत्म हो रहा है।

**कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, गंगा पम्प नहर प्रमंडल,साहेबगंज**
( Email ID : gpcdiv.sbg@gmail.com)

**निविदा आमंत्रण सूचना सं0–03/2025–26( ई0 प्रोक्योरमेंट सूचना)**

निविदा संदर्भ संख्या :– WRD/GPCDIV/SBG/F2/03/2025-26, Dated:- 18/07/2025

1. विभाग का नाम :– जल संसाधन विभाग, झारखण्ड सरकार।
2. विज्ञापनदाता का नाम :– कार्यपालक अभियंता , गंगा पम्प नहर प्रमंडल साहेबगंज।
3. निविदा विपत्र वेबसाईट पर प्रकाशन की तिथि :– दिनांक– 28/07/2025
4. परिमाण विपत्र की डाउनलोड की अवधि :– दिनांक– 29/07/2025 से 08/08/2025 तक
5. परिमाण विपत्र प्राप्ति की अंतिम तिथि एंव समय :– दिनांक–08/08/2025 को 5:00 बजे (अपराह्न) तक
6. निविदा खोलने की तिथि एंव समय :– दिनांक– 11/08/2025 को 1:00 बजे (अपराह्न)
7. कार्य का विवरण :–

| क्र0 सं0 | कार्य का नाम | प्राक्कलित राशि (रूपय में) | अग्रधन की राशि (रूपय) | परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में) | कार्य पूर्ण करने की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | साहेबगंज जिला अन्तर्गत गंगा नदी के दॉये तट पर उधवा प्रखण्ड के ग्राम खट्टीटोला के पास Downstream से बानोटोला तक कटाव निरोधक कार्य हेतु 150 मी0 लंबाई में Edge Crating का कार्य। ( Lat : 25°57'54.23"N ) (Long : 87°53'41.37"E ) | 1,51,80,032.93 | 3,04,000.00 | 10,000.00 | 240 दिन। |

8. निविदा की शर्ते विभागीय वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
9. नोट :– केवल ई0– निविदा ही स्वीकार्य होगा।
10. प्राक्कलित राशि घट बढ़ सकता है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगा।
11. निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि केवल ऑनलाईन के माध्यम से ही स्वीकार्य होगा।
12. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई– भुगतान जिस खाता से किया जायेगा उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी, अगर खाता को बन्द कर दिया जाता है तो इसकी सारी जवाबदेही सम्बंधित निविदादाता की होगी।
13. विभागीय पत्रांक 430 दिनांक 19/11/2020 के अनुसार निविदित दर अनुमान्य दर से 10 प्रतिशत से अधिक नीचे दिये जाने पर 10 प्रतिशत से नीचे के दर पर Additional performance security देय होगी।

कार्यपालक अभियंता
गंगा पम्प नहर प्रमण्डल, साहेबगंज

PR 357729 District(25-26)#D



**OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
PLANNING AND INVESTIGATION DIVISION
ROAD CONSTRUCTION DEPARTMENT (RCD),RANCHI**
NirupanBhawan, 3rd Floor, Room No. 401,56-Set, Doranda,Ranchi-834002

**e-Procurement ( Short Tender Notice )**
Letter of Invitation (LOI) No.-13/2025-26
2nd Call
e-Tender Ref No:–RCD/PID/RANCHI/13/2025-26 Date:-18.07.2025

| | | |
|---|---|---|
| 1 | Name Of Work | Consultancy Services for Preparation of Detailed Project Report for Construction of Murma Khurd PWD Road to Pandu Main Road via Dhanchabar including replacement/New Proposal of Culverts, Bridges, ROB's, RUB's, Complete Land Acquisition Plan including Ownership details all complete as per latest guidelines, Resettlement and Rehabilitation Proposal, Forest Diversion Proposal and Utility Shifting Proposal in details etc. as required by the Department (If any) under Palamu District in the State of Jharkhand.*Only Empanelled consultant with RCD under categoryI vide letter No. 3063(S) WE Dated 22.08.2022are allowed to bid. |
| 2 | Tentative Length | 9 Km |
| 3 | Period of Completion of Work | 90 Days |
| 4 | Cost of Tender documents & Earnest Money Deposit | Cost of tender documents is Rs. 5000/(Non-Refundable) EMD:- The quotationers have to deposit a fixed amount of Rs 15000.00 (Fifteen thousand only) as Earnest Money. As per the Departmental Letter no.-4652(S) dated 06.10.2023, cost of tender document and Earnest Money Deposit will be received in online mode only through e-procurement portal (http://jharkhandtenders.gov.in) by internet banking/NEFT/RTGS facility as per Standard Operating Procedure (SOP) issued by Information Technology & e-Governance Department, Government of Jharkhand vide letter no- 120 dated 03.10.2023. |
| 5 | Mode of Bid Submission | e-tendering(https://jharkhandtenders.gov.in/) |
| 6 | Date/Time of Publication of Tender on Website | 23.07.2025,At 05:30 PM |
| 7 | Online Last Date/Time of Bid Submission | 06.08.2025, 12:00 noon |
| 8 | Date and Time of Bid opening | 07.08.2025, 12:30 PM |
| 9 | Bid validity | 120 days |
| 10 | Designation and Contact no. of Tender inviting Officer | Executive Engineer, Planning and Investigation Division, RCD, Ranchi, Mob No.-9471650883 |
| 11 | Advertisement no. | PR 355580 Road(25-26).D |

Note:- Only e-Tender shall be accepted. Further details can be seen on e-procurement portal (https://jharkhandtenders.gov.in/).

Executive Engineer,
Planning & Investigation Division,
Road Construction Department, Ranchi.

PR 357762 (Road) 25-26 (D)



FORM NO. 14
[See Regulation 33(2)]
**OFFICE OF THE RECOVERY OFFICER - I/II
DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JABALPUR**
2nd & 3rd Floor, Sanchar Vikas Bhavan (BSNL Building), Near Head Post Office Residency Road, Jabalpur -482001, MP.

**DEMAND NOTICE**
NOTICE UNDER SECTIONS 25 TO 28 OF THE RECOVERY OF DEBTS & BANKRUPTCY ACT, 1993 AND RULE 2 OF SECOND SCHEDULE TO THE INCOME TAX ACT, 1961.

RC/67/2023 11.07.2025
IDBI BANK
Versus
KAMLESH KUMAR JANGHEL

To,
(CD 1) KAMLESH KUMAR JANGHEL CHHUNNILAL
VILLAGE- HIRETARA,POST-DHAMDHA, DURG (C.G.)-491331
(CD 2) TIKESHWAR JANGHEL S/O SHRI CHUNNI LAL
VILLAGE HIRETARA, POST-DHAMDHA, DURG (C.G.)-490020
(CD 3) DUVASHU SAHU S/O SHRI KALIRAM SAHU
HOUSE NO. -34, SAHOO PARA 4, DHAMDHA, DURG (C.G.)-490020

This is to notify that as per the Recovery Certificate issued in pursuance of orders passed by the Presiding Officer, DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JABALPUR in **OA/1784/2019** an amount of **Rs 2295791.64 (Rupees Twenty Two Lakhs Ninety Five Thousands Seven Hundred Ninety One And Paise Sixty Four Only)** along with pendentellite and future interest @ 12% Simple Interest Yearly w.e.f. 03/12/2019 till realization and costs of **Rs 25000 (Rupees Twenty Five Thousands Only)** has become due against you (Jointly and severally/ Fully/Limited). **2.** You are hereby directed to pay the above sum within 15 days of the receipts of the notice, failing which the recovery shall be made in accordance with the Recovery of Debts Due to Banks and Financial Institutions Act, 1993 and Rules there under. **3.** You are hereby ordered to declare on an affidavit the particulars of yours assets on or before the next date of hearing. **4.** You are hereby ordered to appear before the undersigned on **03/09/2025** at 10:30 a.m. for further proceedings.
**5.** In addition to the sum aforesaid, you will also be liable to pay: **(a)** Such interests as is payable for the period commencing immediately after this notice of the certificate / execution proceedings. **(b)** All costs, charges and expenses incurred in respect of the service of this notice and warrants and other processes and all other proceedings taken for recovering the amount due.
Given under my hand and the seal of the Tribunal, on this date: **11/07/2025**

SEAL Recovery Officer
Debts Recovery Tribunal, Jabalpur

# इस आइलैंड पर चारों ओर है जहरीले सांपों का डेरा

नई दिल्ली। अगर आपको लगता है कि दुनिया में सबसे खतरनाक सांप केवल भारत में पाए जाते हैं तो ऐसा नहीं है। हकीकत तो यह है कि दुनिया के कई जगंल ऐसे हैं जहां सांप बहुत अधिक संख्या में मिलते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक अनोखा द्वीप ऐसा भी है जहां जहरीले सांपों का राज है। कहा जाता है कि यहां पर इंसान जाते हैं तो जिंदा वापस नहीं आते हैं। यहां दुनिया का सबसे जहरीले सांपों में से एक गोल्डन लांसहेड वाइपर मिलता है। आलम यह है कि यहां कि इंसानों के जाने पर पाबंदी लगाई जा चुकी है।

## यहां इंसानों के जाने पर पाबंदी

### इल्हा दा क्वेनमाडा नाम का है यह द्वीप ब्राजील के पास है

इल्हा दा क्वेनमाडा नाम का है यह द्वीप ब्राजील के पास है। इल्हा दा क्वेनमाडा को दुनिया में सांप के द्वीप के तौर पर जाना जाता है। यह ब्राजील के साओ पाओलो के तट से 33 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है जो चार लाख 30 हजार वर्ग किलोमीटर के इलाके में फैला है। भूमध्य रेखा के पास स्थित होने के कारण यहां घने जंगल और कई जानवर मिलते हैं जिनमें सांप सबसे ज्यादा हैं।

### दुनिया की सबसे जहरीले सांप हैं यहां

इल्हा दा क्वेनमाडा में बहुत सारे सांपों की प्रजातियां रहती है। इनमें से गोल्डन लांसहेड वाइपर नाम की विलुप्त होने की कगार पर पहुंच चुकी प्रजाति भी शामिल है। यह दुनिया के सबसे जहरीले सांपों में से एक माना जाता है। इसकी लंबाई करीब 46 इंच की होती है और इसका रंग पीले और कत्थई रंग का होता है। वर्ष 2015 के आंकलन के अनुसानर यहां करीब दो से चार हजार सांप हैं।

### 10 से 12 हजार साल पहले द्वीप जमीन से हुआ अलग

इल्हा दा क्वेनमाडा के सांप उसी प्रजाति के हुआ करते थे जो ब्राजील की जमीन पर मिलते हैं, पर 10 से 12 हजार साल पहले समुद्र का जलस्तर बढ़ने से यह द्वीप ब्राजील की जमीन से अलग हो गया था। इससे यहां सांपों की जनसंख्या अकेली पड़ गई थी। यहां किसी तरह के स्तनपायी जानवर ना होने के कारण ये सांप पेड़ पर रहने लगे थे और पक्षी खाने लगे थे।

# चीन में एक जैसे चेहरे के हैं 500 से ज्यादा लोग

**बीजिंग।** अगर हम कहे कि आज की आधुनिक दुनिया में हर चीज मुमकिन है तो शायद आप यकीन न करें, लेकिन आए दिन सामने आते अजीब मामले ये कहने पर मजबूर कर ही देते हैं कि क्या ऐसा भी हो सकता है? ऐसे ही चीन से एक आश्चर्यजनक मामला सामने आया है। यहां एक बेबी-फेस्ड ब्यूटी की ओपिनियन लीडर ने 500 से अधिक प्रशंसकों को अपने क्लिनिक में कॉस्मेटिक सर्जरी के जरिए एक जैसा चेहरा बनवाने के लिए प्रेरित किया। वीडियो में वांग ने बताया, सर्जरी के शुरूआती चरणों के बाद मेरा चेहरा असमान और ऊबड़-खाबड़ था, लेकिन कई सेशन के बाद मैनें आखिरकार बच्चे जैसा चेहरा हासिल कर ही लिया। उन्होंने आगे बताया कि सर्जरी की प्रक्रिया के कारण उन्हें काफी दर्द सहन करना पड़ा और चेहरे को ठीक होने में काफी समय भी लगा।

### महिला ने खर्च किए 1 करोड़ से ज्यादा रुपए

सर्जरी के जरिए लोगों ने बच्चे जैसा चेहरा बनवाया, जिसमें बड़ी आंखें, उभरी हुई निचली पलकें और छोटी ठुड्डी है। ऐसे में यह चेहरा युवा और मासूमियत का आभास कराता है। पूर्वी चीन के झेजियांग प्रांत की निवासी 30 वर्षीय वांग जिंग ने खुलासा किया उन्होंने यह सर्जरी कराने के लिए 10 लाख युआन (1 करोड़ से ज्यादा रुपये) खर्च किए हैं। वांग ने सर्जरी के अनुभव को एक वीडियो द्वारा चीनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म डॉयिन पर साझा किया है।

### सर्जरी को लेकर कुछ लोग कर रहे आलोचनाएं

जहां कई लोग बेबी फेस्ड सर्जरी का समर्थन करते हुए सोशल मीडिया पर अपना अनुभव साझा कर रहे हैं, वहीं कई इसके खिलाफ भी हैं। जिंगजिंग की पोस्ट के कंमेंट सेक्शन में एक यूजर ने लिखा, भले ही सर्जरी लोगों को सुंदर बना रही हो, लेकिन एक जैसे चेहरे से लोगों का अपना खुद का व्यक्तित्व खो रहा है। यह एक भयावह घटना है। एक अन्य व्यक्ति ने लिखा, पैसा भी बर्बाद और खुद की पहचान भी खत्म।

# मुस्लिम भी करते हैं इस शक्तिपीठ की पूजा पहुंचने के लिए पूरी करनी पड़ती हैं 2 शर्तें

नई दिल्ली। आपने अकसर पाकिस्तान से हिंदू मंदिरों को तोड़े जाने की खबरें आम सुनी होंगी लेकिन क्या आप जानते हैं मां के 51 शक्तिपीठों में से एक शक्तिपीठ ऐसा हैं, जहां दुनियाभर से मुस्लिम लोग आकर अपना सिर झुकाते हैं। इस मंदिर में मां की एक झलक पाने के लिए भक्तों की लंबी कतारें लगी रहती हैं। खुद मुस्लिम लोग इस मंदिर की सुरक्षा और देखरेख करते हैं। जी हां, इस अद्भुत शक्तिपीठ का नाम हिंगलाज मंदिर है।

## पाकिस्तान के बलूचिस्तान में है मंदिर

बता दें, माता का हिंगलाज मंदिर,पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बना हुआ है। हिंगलाज मंदिर में हिंदू लोगों के साथ मुस्लिम लोगों की भी गहरी श्रद्धा बनी हुई है। इस मंदिर में पहुंचकर किसी भी भक्त को यह पता नहीं चलता कि कौन हिंदू है और कौन मुस्लिम। यहां खुद कई बार पुजारी और सेवक नमाजी टोपी पहने दिखते हैं तो मुस्लिम पूजा करते दिख जाते हैं। आइए जानते हैं इस मंदिर से जुड़ी रोचक कहानी, इतिहास और विशेषता।

## हिंगलाज माता की कहानी

हिंगलाज माता को मां भगवती का रूप माना जाता है। पुराणों के अनुसार भगवान शंकर के मना करने के बावजूद माता सती एक बार पिता प्रजापति के आयोजित यज्ञ में पहुंच गईं। जहां उन्होंने अपने पिता के मुख से अपने पति के लिए तिरस्कार भरे शब्द सुनें। माता सती उन शब्दों को सुनकर इतनी लज्जित और क्रोधित हुई कि उन्होंने यज्ञ के हवनकुंड में ही कूदकर अपने प्राण त्याग दिए। भगवान शिव को जब इस बात का पता चला तो वे क्रोधित हो उठे। उन्होंने माता सती के अर्धजले शव को कंधे पर लादकर तांडव करना शुरू कर दिया। अंत में देवताओं ने भगवान विष्णु से प्रार्थना करके शिव को शांत करने की प्रार्थना की। भगवान विष्णु ने अपने सुदर्शन चक्र से सती के शरीर के 51 टुकड़े कर दिए। माता सती का शरीर 51 टुकड़ों में कटकर जिस-जिस जगह पर गिरा वो शक्तिपीठ कहलाएं। कहा जाता है कि हिंगलाज में माता सती का सिर गिरा था। इसलिए इस शक्तिपीठ को सबसे चमत्कारिक माना जाता है।

### मंदिर तक पहुंचने के लिए लेनी पड़ती हैं दो शपथ

बताया जाता है कि हिंगलाज माता के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को यात्रा शुरू करने से पहले 2 शपथ लेनी पड़ती हैं। अपनी पहली शपथ में श्रद्धालुओं को माता के दर्शन करके वापस लौटने तक संन्यास लेना होता है। दूसरी शपथ में पूरी यात्रा में किसी दूसरे यात्री को अपनी सुराही का पानी नहीं पिलाना होता है, भले ही वो यात्री रास्ते में प्यास से तड़प कर मर क्यों ना जाए। माना जाता है कि ये दोनों शपथ हिंगलाज माता मंदिर तक पहुंचने के लिए भक्तों की परीक्षा लेने की एक प्राचीन परंपरा है। जो भक्त इन दोनों शर्तों को पूरा नहीं कर पाता है, उसकी यात्रा पूरी नहीं मानी जाती है।

### मुस्लिम लोगों का 'नानी मंदिर' है हिंगलाज मंदिर

बलूच और सिंध के मुस्लिम लोगों के अलावा पाकिस्तान,अफगानिस्तान, मिस्र और ईरान के मुस्लिम लोग भी हिंगलाज मंदिर को 'नानी मंदिर', 'नानी पीर' या 'नानी के हज' के तौर पर जानते और मानते हैं। इस मंदिर में आकर वो माता हिंगलाज को नानी के तौर पर पूजते हैं।

### कैसे पड़ा मंदिर का नाम हिंगलाज

हिंगलाज माता का नाम हिंगलाज कैसे पड़ा, इसको लेकर एक कहानी है। किवदंतियों के अनुसार, इस जगह पर सालों पहले हिंगोल नाम का एक राज हुआ करता था। जिसके राजा का नाम हंगोल था। हंगोल बहुत ही बहादुर और न्यायप्रिय राजा था। बावजूद इसके उसके दरबारी उसे पसंद नहीं करते थे। हंगोल के राज्य पर कब्जा करने के लिए मंत्री ने राजा को कई बुरी चीजों की लत लगा दी। जिससे परेशान राज्य के लोगों ने देवी हिगलाज से राजा को सुधारने की प्रार्थना की। माता ने उनकी प्रार्थना सुन ली। तभी से वह हिंगलाज माता कहलाने लगीं।

# 1500 साल पुरानी प्राचीन पत्थर की पट्टिका 42 करोड़ रुपए में बिकी

**नई दिल्ली।** बाइबिल के 10 आदेशों से अंकित 1,500 साल पुरानी पत्थर पट्टिका बीती बुधवार को 5.4 लाख डॉलर (करीब 42 करोड़ रुपये) में नीलाम हुई है। इस प्राचीन पत्थर पट्टिका का वजन लगभग 52 किलो है और यह 2 फीट लंबी है। इस पट्टिका पर उकेरे गए सभी आदेश हिब्रू भाषा के शुरूआती संस्करण में है, जिसे अब पैलियो-हिब्रू कहा जाता है। आइए जानते हैं कि यह नीलामी कहां हुई।

**कहां हुई नीलामी :** बाइबिल के 10 आदेशों से अंकित प्राचीन पत्थर पट्टिका की नीलामी न्यूयॉर्क के सोथबी नीलामी घर द्वारा आयोजित की गई थी। सोथबी का अनुमान था कि यह पत्थर पट्टिका 10 लाख डॉलर से 20 लाख डॉलर यानी (8 करोड़ से लेकर 17 करोड़ रुपये) के बीच बिकेगी, लेकिन बोलियां शुरू होने के 10 मिनट बाद ही यह 42 करोड़ से ज्यादा रुपये में बिक गई। नीलामी घर का कहना है कि यह पत्थर पट्टिका रोमन-बीजान्टिन युग के अंत की है।

इस प्राचीन पत्थर पट्टिका को खरीदने वाले का नाम तो सामने नहीं आया है, लेकिन यह बात सामने आई है कि वह इस कलाकृति को एक इजराइली संस्थान को दान करने की योजना बना रहा है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com